जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 147 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 1 अप्रेल, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'मोदी का उत्तराधिकारी ढूंढने की कोई आवश्यकता ही नहीं, वे 2029 में भी प्र.मंत्री के उच्चतम पद पर रहेंगे'

महाराष्ट्र के मु.मंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने स्पष्ट शब्दों में पत्रकारों से कहा। जैसा कि विदित ही है फड़नवीस को मोदी के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस, जिनके सत्तासीन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तराधिकारी होने की संभावना बढ़ती जा रही हैं, ने आज कहा कि देश के कार्यपालिका प्रधान के उत्तराधिकारी की "तलाश की कोई जरूरत नहीं" है। मोदी 2029 में देश के इस शीर्ष को पुनः सँभालेंगे।

उनका यह बयान शिव सेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के इस दावे के जवाब में आया है कि आरएसएस मोदी के उत्तराधिकारी की तलाश में है। आज सुबह राउत ने कहा था कि रविवार को हुई मोदी की आरएसएस मुख्यालय यात्रा का उद्देश्य संघ प्रमुख मोहन भागवत को यह संदेश देना था कि वे सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुये, फड़नवीस ने कहा, "उनके (मोदी) उत्तराधिकारी की तलाश की कोई जरूरत नहीं है। वे हमारे नेता हैं और बने रहेंगे।"

वर्तमान विवाद की जड़ स्वयं मोदी में ही निहित है। उन्होंने 2014 में सत्ता में आने पर यह नीति प्रतिपादित की थी कि 75 वर्ष से अधिक उम्र के नेता सरकार का हिस्सा नहीं रहेंगे तथा पार्टी में भी पदाधिकारी नहीं रहेंगे। इस नीति के फलस्वरूप, एल.के. आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, यशवंत सिन्हा तथा अरूण शौरी जैसे नेता सेवानिवृत्त श्रेणी में आ गये थे। दरअसल, अटल बिहारी वाजपेयी, जो उस समय जीवित थे, आडवाणी तथा जोशी के साथ ही, अप्रभावी तथा दायित्व-मुक्त कर दिये गये थे। इन सभी उम्रदराज नेताओं को मिलाकर बने "मार्गदर्शक मण्डल की न कभी कोई बैठक हुई और न भाजपा सरकार ने इससे कभी परामर्श ही किया। आरएसएस ने उम्रदराज़ लोगों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दूसरी ओर शिव सेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत, दिन भर बयान देते रहे कि, मोदी नागपुर, आरएसएस के मुख्यालय संघ को बताने गये थे कि वे इस्तीफा देने जा रहे हैं तथा राउत के अनुसार, नया प्र.मंत्री महाराष्ट्र का बाशिंदा होगा।
- फड़नवीस ने राउत की दोनों बातों का खण्डन किया और कहा, भारतीय संस्कृति में बाप के जीते जी उसके उत्तराधिकारी की बात करना बेहूदापन माना जाता है। यह मुगल कल्चर जरूर हो सकता है।
- संघ के वरिष्ठ नेता, सुरेश भैयाजी जोशी, ने इस मुद्दे पर आगे कहा, "उनकी जानकारी में तो ऐसी कोई बात नहीं आई कि मोदी के उत्तराधिकारी के चयन पर कहीं भी चर्चा हुई है।
- भैयाजी ने यह भी कहा कि ऐसा कोई नियम नहीं है कि 75 की उमर पार करने वाले कोई पद नहीं पा सकते सरकार में। वर्तमान में ही अस्सी वर्षीय, बिहार के नेता, जीतन राम मांझी केन्द्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य हैं।

रविवार व अन्य पेड लीव सेवा अवधि में शामिल मानी जाए

जयपुर, 31 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के उस आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें न्यायाधिकरण ने कर्मचारी की सेवा अवधि की गणना करते समय रविवार और अन्य सवैतनिक अवकाशों को ध्यान में नहीं रखा था। इसके साथ ही, अदालत ने प्रकरण को नए सिरे से सुनवाई के लिए पुनः केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के समक्ष भेजा है। अदालत ने न्यायाधिकरण से कहा है कि वह दोनों पक्षों को सुनवाई का मौका देकर नए सिरे से आदेश पारित करे। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने ये आदेश लाल चंद जिंदल की याचिका पर सुनवाई करते हुए।

- राजस्थान हाई कोर्ट ने यह फैसला देते हुए केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के आदेश को खारिज कर दिया और मामले की नए सिरे से सुनवाई करने को कहा।

याचिका में अधिवक्ता सुरेश कश्यप ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता लालचंद जिंदल बैंक ऑफ बड़ौदा का कर्मचारी था। उसकी सेवाओं को समाप्त करने के खिलाफ उसने न्यायाधिकरण, कोटा में दावा किया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या केरल में विधानसभा चुनाव से पूर्व शशि थरुर कांग्रेस में अपनी "इम्पॉर्टेन्स" बढ़वाना चाहते हैं?

या, वे वाकई में भाजपा को "जॉइन" करने की दिशा में बढ़ रहे हैं?

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। क्या अगले साल होने वाले केरल विधासनभा चुनावों से पहले शशि थरुर राज्य की राजनीति में अपनी अपरिहार्यता तथा अनिवार्यता स्थापित करना चाह रहे हैं? या फिर उनकी गतिविधियाँ उनके भाजपा में शामिल होने का संकेत हैं?

तिरुवन्तपुरम के सांसद शशि थरुर ने पिछले 10 दिनों में तीन अवसरों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की प्रशंसा की है। सबसे पहले, उन्होंने भारत सरकार की रुस-यूक्रेन नीति के सम्बंध "शर्मिन्दा होना" स्वीकार किया। दूसरी बार, जब भारत-अमेरिका के बीच टैरिफ के विषय में प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ताएं चल रही थीं, उन्होंने मोदी सरकार द्वारा अपनी बात मजबूती से रखने के लिये उसकी तारीफ की। तीसरा, और बिल्कुल ताज़ा अवसर वह था, जब थरुर ने मोदी सरकार की "वैक्सीन डिप्लोमेसी" की प्रशंसा की।

विशेष रुप से उनकी यह अंतिम टिप्पमी राहुल गांधी तथा कांग्रेस पार्टी के अधिकृत रुख को चुनौती देती प्रतीत होती है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की आगामी मीटिंग में, कांग्रेस एनडीए सरकार के "कोविड कुप्रबन्धन" पर एक प्रस्ताव लाना चाहती है।

केरल, कुछ अन्य राज्यों की तरह, "रिवॉल्विंग डोर" नीति पर चलते हुये, हर पाँच साल बाद सरकार बदलता है। कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ यह आशा सँजोये हुये है कि 2026 में, जब एलडीएफ का कार्यकाल पूरा हो जायेगा, यूडीएफ सत्ता में आ जायेगा। सवाल यह है कि शशि थरुर कांग्रेस की संभावनाओं को कितना नुकसान पहुँचा सकते हैं? और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है – थरुर आखिर चाहते क्या हैं?

थरुर सदैव ही स्वतंत्र -विचारक किस्म के व्यक्ति रहे हैं। उन्होंने जहाँ आपातकाल तथा जवाहर लाल नेहरु के "पंचायती राज" का विरोध किया है, वहीं, हिन्दुत्व और भाजपा के साम्प्रदायिक एजेंडा के खिलाफ भी अपने सख्त विचार व्यक्त किए हैं। यही नहीं, उन्होंने वामपंथ की नीतियों का भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ऐसी चर्चाएं इसलिए उठ रही हैं, क्योंकि गत दस दिनों में शशि थरुर ने तीन बार प्र.मंत्री मोदी की जमकर तारीफ की है।
- पहली बार तो उन्होंने कहा कि वे एकदम गलत थे, जब वे प्र.मंत्री मोदी की यूक्रेन नीति की आलोचना कर रहे थे, यानि प्र.मंत्री मोदी की यूक्रेन नीति एकदम सही थी।
- दूसरी बार, उन्होंने प्र.मंत्री मोदी की तारीफ में कहा कि प्र.मंत्री ने अमेरिका के "टैरिफ वॉर" में अपना (भारत का) पक्ष बड़ी मजबूती से पेश किया।
- तीसरी बार, उन्होंने कोविड के दौरान मोदी सरकार की "वैक्सीन कूटनीति" की भी भारी प्रशंसा की थी।

जेईई मेन्स परीक्षा से दो दिन पहले कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

लखनऊ निवासी उज्ज्वल ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी

कोटा, 31 मार्च (निसं)। इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे एक और कोचिंग छात्र की आत्महत्या का मामला सामने आया है। छात्र ने ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या की है। इस वर्ष अब तक कोटा में दस छात्र आत्म हत्या कर चुके हैं। सूत्रों ने बताया कि 2024 में कुल 17 व 2023 में कुल 26 छात्रों ने आत्म हत्या की थी। गत सप्ताह नीट की तैयारी कर रहे बिहार के एक छात्र ने आत्महत्या की थी।

मूलतः लखनऊ, उत्तर प्रदेश का रहने वाला छात्र 18 वर्षीय उज्ज्वल मिश्रा 2 साल से कोटा में जेईई मेन और एडवांस्ड की तैयारी कर रहा था। छात्र की जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम मेन की परीक्षा 2 अप्रैल को होने वाली थी, लेकिन उसके पहले ही उसने आत्महत्या कर ली। मृतक छात्र के पिता दीपक मिश्रा कृषि साइंटिस्ट हैं।

जीआरपी थाने के उप निरीक्षक धर्म सिंह ने बताया कि घटना रविवार शाम 6.30 बजे के करीब हुई। मृतक छात्र के शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। उसकी जेब से मिली आईडी से उसकी पहचान हुई कि मृतक लखनऊ निवासी उज्ज्वल मिश्रा है, जो इस समय राजीव गांधी नगर में रहकर जेईई के लिए कोचिंग कर रहा था। मृतक छात्र के पिता को घटना के संबंध में जानकारी दे दी गई है और वे कोटा पहुंच गए हैं। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतक छात्र के पिता ने बताया कि उनका बेटा राजीव गांधी नगर में रहकर 2 साल से कोचिंग कर रहा था तथा 29 मार्च को उसके बोर्ड एग्ज़ाम खत्म हुए थे और 2 अप्रैल को जेईई मेन की परीक्षा थी, जिसका सैंटर कानपुर था। पिता बेटे को लेने कोटा आ रहे थे, लेकिन रास्ते में यह दुखद सूचना उन्हें मिली। पिता ने कहा, समझ नहीं आ रहा बेटे ने ऐसा क्यों किया, उससे रोज बात होती थी। उन्होंने आशंका जताई कि उनका बेटा तनाव में था और अपनी बात किसी से साझा नहीं कर पा रहा था। उन्होंने बताया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मृतक छात्र के पिता दीपक मिश्रा कृषि वैज्ञानिक हैं, वे बेटे को लेने आ रहे थे, उन्हें रास्ते में यह सूचना मिली।
- उन्होंने बताया, बेटे से बात होती थी, उन्हें भी नहीं लगा कि वह ऐसा कुछ कर सकता है।
- कोटा में इस वर्ष अभी तक 10 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। वर्ष 2024 में 17 और 2023 में 26 छात्रों ने आत्महत्या की थी।

मु.मंत्री ने सुनीं, जनता की समस्याएं

जयपुर, 31 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति से आत्मीयता से मुलाकात की तथा जनता की समस्याओं को सुना। शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान, मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण एवं चिकित्सा सहित, विभिन्न विभागों की आमजन से संबंधित समस्याओं को सुना तथा कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर परिवादियों को राहत दी। जनसुनवाई के दौरान, आमजन ने शर्मा का दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनन्दन किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित थे।

- अपने आवास पर हुई जनसुनवाई में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनता की समस्याओं को तुरंत निपटाने के निर्देश दिए।

तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष ने केन्द्र का रुख देखकर अपनी लय बदली

अन्नामलाई ने जयललिता के भ्रष्टाचार को बार-बार मुद्दा बनाकर अन्नाद्रमुक को भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ने को मजबूर कर दिया था

-लक्ष्मण कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। चुनाव वर्ष करीब होने के कारण भाजपा का तमिलनाडु पर फोकस और बढ़ गया है। भाजपा की केन्द्रीय और तमिलनाडु राज्य इकाई, दोनों तरफ से अन्नाद्रमुक (ए.आई.ए.डी.एम.के.) के साथ गठबंधन करने के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं, जिसके सहयोग के बिना भाजपा दक्षिण के इस राज्य में सफलता की आशा नहीं कर सकती है।

भाजपा के तमिलनाडु अध्यक्ष, के. अन्नामलाई, जिन्होंने जयललिता की तीव्र आलोचना तथा "भ्रष्ट" ए.आई.ए.डी.एम.के. तथा उसके नेतृत्व पर तीव्र प्रहार करके एक तरह से अन्नाद्रमुक को गठबंधन के बाहर खदेड़ दिया था, अब एकदम अलग सुर में बात कर रहे हैं, विशेषरुप से जब से दिल्ली से पार्टी नेतृत्व ने अन्नाद्रमुक के साथ हाथ मिलाने के संकेत दिए हैं। आज उन्होंने मीडिया को बताया कि वे किसी भी पार्टी या व्यक्ति के खिलाफ नहीं हैं और यह भी, कि एन.डी.ए. में हर पार्टी का स्वागत है।

ज्ञातव्य है कि जयललिता और उनके कथित भ्रष्टाचार को लेकर अन्नामलाई की तीव्र आलोचना के कारण अन्ततः भाजपा और अन्नाद्रमुक के संबंध टूटे थे। अन्नामलाई बहुत अधिक आक्रामक हो गए थे और अपनी गतिविधियों से उन्होंने भाजपा को विपक्ष की मुख्य पार्टी बना दिया था। उनके द्वारा अन्नाद्रमुक तथा उसके नेतृत्व की लगातार आलोचना ही अंततः दोनों पार्टियों के बीच संबंध विच्छेद का कारण बनी तथा दोनों पार्टियों ने सन् 2024 के लोकसभा चुनाव अलग-अलग लड़े। परिणाम यह हुआ कि दोनों ही पार्टियाँ राज्य में एक सीट भी नहीं जीत पाईं।

अब अन्नामलाई की टिप्पणियों व वक्तव्यों से स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि दोनों पूर्व सहयोगियों के बीच गठबंधन की संभावना के बाद तमिलनाडु भाजपा में काफी उथल-पुथल है।

ए.आई.ए.डी.एम.के. नेतृत्व ने बहुत स्पष्ट कर दिया है कि अन्नामलाई के नेतृत्व वाली भाजपा राज्य इकाई के साथ वो कोई संबंध नहीं चाहते, ऐसे में, अन्नाद्रमुक तथा तमिलनाडु भाजपा के एक वर्ग में उम्मीद की जा रही है कि पूर्व पुलिस अधिकारी तथा तमिलनाडु भाजपा इकाई के वर्तमान अध्यक्ष को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, उन्हीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने केन्द्रीय नेतृत्व का तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन का मन देखकर, अपनी आक्रामक विरोधी शैली को बदल दिया है।
- अन्नामलाई ने कहना शुरु कर दिया है कि उन्हें किसी से शिकायत नहीं, जो एनडीए से जुड़ना चाहे वह जुड़ सकता है।
- पर, अन्नाद्रमुक ने भाजपा के साथ जुड़ने के लिए शायद शर्त रखी है कि, अन्नामलाई के प्रदेशाध्यक्ष रहते हुए वो गठबंधन से जुड़ने का कदम नहीं उठा सकती।
- अतः, चर्चा है कि अन्नामलाई को पार्टी के केन्द्रीय संगठन में या केन्द्रीय मंत्रिमंडल में स्थान दिया जायेगा, अन्नाद्रमुक से हाथ मिलाने के लिए।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों से मुठभेड़ जारी

दंतेवाड़ा, 31 मार्च। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और बीजापुर में सोमवार को जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दंतेवाड़ा और बीजापुर में सुरक्षाबलों के जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। इस मुठभेड़ में एक महिला नक्सली को ढेर कर दिया गया है और उसका शव भी बरामद कर लिया है।

जवानों ने महिला नक्सली के शव के साथ इंसास राइफल और भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किया है। मुठभेड़ अभी भी जारी है और जवानों के वापस आने के बाद अंतिम आंकड़े जारी किए जाएंगे।

- सुरक्षा बलों व नक्सलियों के बीच दंतेवाड़ा और बीजापुर में मुठभेड़ चल रही है, एक महिला नक्सली की मौत हो गई है।

ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी में ममता बनर्जी का विद्यार्थियों से बातचीत व भाषण एक "फ्लॉप शो" रहा

इंगलैण्ड में रह रही बंगाली जनता ने जमकर नारेबाजी करी, उनके खिलाफ और सार्वजनिक रूप से पूछा, कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के "रेप" और हत्या के बारे में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। ऑक्सफोर्ड कॉलेज में अपने तथाकथित भाषण की असफलता के बाद, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता की रैड रोड पर ईद के उत्सव में अपने 2016 के चुनावी अभियान की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने प्रदेश भाजपा पर "गंदा धर्म" अपनाने का आरोप लगाया।

उन्होंने एक बार फिर धार्मिक कार्ड खेला और कहा कि राज्य की मुस्लिम आबादी के साथ मजबूती से खड़े होने वाली वही हैं। उनके भतीजे ने आगे कहा, "यह देश सभी का है," "और विशेष रूप से अल्पसंख्यकों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण है। हालांकि, भाजपा गंदा धर्म का पालन कर रही थी।

बनर्जी ईद की नमाज़ के दौरान हर समय उपस्थित होती हैं। इस बार उन्होंने इस बैठक को एक राजनीतिक मंच में बदल दिया, भाजपा पर विभाजन के धर्म का पालन करने का आरोप लगाया और कहा कि वह सभी धर्मों के लोगों के साथ मिलकर काम करने की पक्षधर हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल में रामनवमी पर उत्सव मनाने की योजना बना रही है, जिसे उनकी सरकार ने पिछले वर्ष रोकने की कोशिश की थी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा इन उत्सवों के दौरान राज्य में साम्प्रदायिक तनाव भड़काने का प्रयास करती रही है। उन्होंने दर्शकों को चेतावनी दी कि यह एक जाल है और उन्हें उसमें नहीं फंसना चाहिए।

एक तरह से वो लोगों को साम्प्रदायिक हिंसा के लिए उकसा रही थीं, जिसकी वजह से राज्य में पूरी तबाही हो सकती है। यह आवश्यक है कि उन पर अंकुश लगाया जाए, ताकि राज्य को दौर की एक और सबसे खराब हिंसा से बचाया जा सके।

ममता की पिछले ग्यारह वर्षों की राजनीति की कम से कम एक उपलब्धि रही है- बंगाल में मतों का लगभग पूर्ण ध्रुवीकरण हो गया है। यदि कोई निष्पक्ष चुनाव होता है, तो परिणामों में यह ध्रुवीकरण दिखेगा और मतदान पर इसका असर नज़र आएगा।

लेकिन, तृणमूल कांग्रेस, जिसकी राज्य के प्रशासनिक तंत्र और पुलिस पर पूरी पकड़ है, स्वतंत्र मतदान को दबाने और बूथों पर वोट कैप्चर करने में सक्षम है।

उन्होंने आज फिर से अपने धर्म आधारित राजनीतिक अभियान की शुरुआत की। यह कुछ नया नहीं था। सत्ता में बने रहने के लिए राज्य के मुसलमानों के वोट मांग रही थीं। इस प्रकार, वे अल्पसंख्यक मतों के सहारे खड़ी हैं, जबकि भाजपा ने खुद को मुख्य रूप से हिंदुओं का समर्थन प्राप्त करने वाली पार्टी के रूप में स्थापित किया है।

यह सब इंग्लैंड में एक असफल प्रदर्शन के तुरंत बाद आया। लेकिन उनका प्रमुख गुण था उनका विद्रोही रवैया। उन्होंने जो भी कहा, उसकी सर्वव्यापी निंदा हुई, पर उन्होंने कोई पछतावा नहीं दिखाया। कॉलेज छात्रों और अन्य लोगों के सामने उनका प्रदर्शन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, ममता बनर्जी ने इस नारेबाजी के समक्ष हार नहीं मानी और किसी तरह का पश्चाताप दिखाना तो दूर की बात, आक्रमक ढंग से डटी रहीं।
- यह कारण रहा कि इंगलैण्ड से लौटते ही उन्होंने कोलकाता के "रैड रोड" पर आयोजित ईद समारोह का पूर्णतया राजनीतिक उपयोग किया और कहा, भाजपा "गंदे धर्म" की राजनीति कर रही है तथा गत वर्ष भाजपा ने रामनवमी पर भारी जुलूस निकालने की पेशकश की थी, जिसे उनके प्रशासन ने फेल कर दिया था।

म्यांमार में अब तक भूकंप के 36 झटके

मांडले, 31 मार्च। म्यांमार में 7.9 तीव्रता वाले घातक भूकंप आने के बाद, अबतक 36 झटके महसूस किए गए। म्यांमार के मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग ने सोमवार को कहा कि आज सुबह तक 2.8 से 7.5 तीव्रता वाले 36 झटके महसूस किये गये।

ये झटके पिछले शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:51 बजे म्यांमार में आए 7.9 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद महसूस किये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मौसम विभाग ने बताया कि शुक्रवार को 7.9 तीव्रता का भूकंप आया था, उसके बाद 2.8 से 7.5 तीव्रता तक के 36 झटके आ चुके हैं।

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

लोकतंत्र में आलोचना अपराध नहीं है

सरकारें सामान्यतया आलोचना को सहन नहीं कर पातीं और कई बार आलोचकों के विरुद्ध राष्ट्रदोह की कार्यवाही तक प्रारंभ कर देती हैं। पुलिस भी उनके इस काम में पूरी सहायता करती है। यह दुर्भाग्य ही है कि पुलिस, जिससे स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से संविधान और कानून के अनुसार कार्य करने की अपेक्षा है, वह भी सत्ता धारी दल की इच्छानुसार काम करने के लिए तत्पर हो जाती है।

देश में समय-समय पर लेखक, साहित्यकार, कवि, व्यंगकार एवं अन्य सृजन कर्मी हुए हैं, जिन्होंने अपनी कला के माध्यम से शासन की कमियों को उजागर किया और जनता को जागृत करने का कार्य भी किया। जब अंग्रेजों का शासन था, तो स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्यकारों की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी।

गत कुछ वर्षों से ऐसा लगता है कि विभिन्न सरकारों की, आलोचना के प्रति सहिष्णुता कम होती जा रही है। समय-समय पर, विभिन्न न्यायालयों द्वारा इस बात को स्पष्ट कर दिए जाने के बावजूद भी कि, भारतीय संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, सरकारें ऐसे आलोचकों को प्रताड़ित करने में लगी रहती हैं। इसके दो उदाहरण हाल ही में सामने आए हैं। पहला, कांग्रेस के राज्यसभा सांसद एवं एआईसीसी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी का है, जो सांसद होने के साथ-साथ अच्छे शायर भी हैं ।

29 दिसंबर, 2024 को जामनगर, गुजरात में इमरान प्रतापगढ़ी, जामनगर नगर परिषद के सदस्य अल्ताफ गफ्फार भाई खाफी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित एक सामूहिक विवाह समारोह में सम्मिलित होने जा रहे थे, तो पृष्ठभूमि में एक गीत बज रहा था जिसके बोल कुछ इस प्रकार थे :–

''ए खून के प्यासों बात सुनो,
गर हक की लड़ाई जुल्म से है
हम जुल्म से इश्क निभा देंगे
गर शम ए गरिया आतश है,
हर राह वो शमा जला देंगे।
गर लाश हमारी अपनों की,
खतरा है तुम्हारी मसनद का,
उस रब की कसम, हम हंसते, हंसते
उनकी लाशें दफना देंगे ।
ए खून के प्यासों बात सुनो....।''

इस गीत को इमरान प्रतापगढ़ी ने अपने..... अकाउंट पर पोस्ट कर दिया। इसे समाज के विभिन्न वर्गों में फैलाने और आपस में भिड़ाने वाला ठहराते हुए, इमरान प्रतापगढ़ी के विरुद्ध भारतीय नागरिक संहिता की धारा 196,197,299,300 के अंतर्गत एफ आई आर दर्ज करा दी गई। इस एफ आई आर को निरस्त करने के लिए गुजरात उच्च न्यायालय में अपील दायर की, किंतु न्यायालय ने एफ आई आर निरस्त करने से इनकार कर दिया। इसके विरुद्ध उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश अभय ओका और न्यायाधीश उज्जल भुयान की खंडपीठ ने 28 मार्च, 2025 को एक महत्वपूर्ण निर्णय के द्वारा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार मानते हुए, इमरान प्रतापगढ़ी के विरुद्ध दर्ज एफ आई आर को निरस्त कर दिया । इस 64 पृष्ठों के निर्णय में यह स्पष्ट किया गया है कि भारत का गणतंत्र 75 सालों बाद इतना कमजोर नहीं है कि किसी कविता, लेख, व्यंग्य या स्टैंड अप कॉमेडी से उसे खतरा उत्पन्न हो जाय ।

माननीय उच्चतम न्यायालय ने नागरिक के विचारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अहम मानते हुए यह कहा कि उसकी रक्षा करने का दायित्व न्यायपालिका सहित सबका है । पुलिस को भी एफ आई आर दर्ज करने के पहले यह देखना चाहिए था कि शिकायत के आधार पर कोई अपराध बनता भी है या नहीं? केवल शिकायत के आधार पर ही पुलिस को यह सोचना चाहिए था कि क्या इस कविता से राष्ट्र की एकता, अखंडता या संप्रभुता पर कोई कोई खतरा है या नहीं ? क्या इसके कारण भाषा, क्षेत्र, धर्म या समुदाय के आधार पर लोगों को हिंसा के लिए उकसाने का काम किया गया है? इसके विपरीत, इस कविता में तो शासक के अत्याचार का उत्तर, प्रेम से देने की बात कही गई है। शायर ने तो यहां तक कहा कि यदि जुल्म के विरुद्ध आवाज़ उठाने के कारण हमारे लोगों की जान भी चली जाय तो हम उन्हें दफना देंगे। ये कविता उस व्यवस्था के विरुद्ध है, जो जनता के खून की प्यासी है। यह किसी दल या व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं है। पुलिस ने अपने दायित्व का निर्वहन सही तरह नहीं किया है । इसी आधार पर माननीय उच्चतम न्यायालय ने इमरान प्रतापगढ़ी के विरुद्ध दर्ज एफ आई आर को निरस्त कर दिया और यह अपेक्षा भी की, कि नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति, सरकारों को इस प्रकार का दृष्टिकोण नहीं अपनाना चाहिए।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संबंधित दूसरा महत्वपूर्ण प्रकरण तब सामने आया जब प्रसिद्ध स्टैंडअप कॉमेडियन और राजनीतिक व्यंग्यकार कुणाल कामरा ने मुंबई के खार स्थित 'द हैबिटेट स्टूडियो' में जनवरी, 2025 को रिकॉर्ड किए गए अपने एक स्टैंड अप कॉमेडी के कार्यक्रम को यूट्ययूब पर पोस्ट किया । इस कार्यक्रम के दौरान कामरा ने बिना नाम लिए, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर एक व्यंग्यात्मक पैरोडी पढ़ी, जिसमें उन्हें गद्दार की संज्ञा दी।

आशा की जानी चाहिए कि उच्चतम न्यायालय द्वारा इमरान प्रतापगढ़ी वाले प्रकरण में दिए गए निर्णय की भावना को समझते हुए अनावश्यक रूप से एफआईआर दर्ज करने का जो सिलसिला कई राज्यों में प्रारंभ हुआ है, उस पर रोक लगेगी। इसके बावजूद भी यदि किसी को अपनी भावनाएं आहत होती हुई दिखाई दे तो वह कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।

पैरोडी की कुछ पंक्तियां निम्न प्रकार हैं:–

ठाणे की रिक्शा
चेहरे पे दाढ़ी
आंखों पे चश्मा, हाय
एक झलक दिखलाए, कभी
गोहाटी में छुप जाए,
मेरी नज़र से तुम देखो
गद्दार नजर वो आए.....।''

यू ट्यूब पर इसे मार्च के अंतिम सप्ताह में अपलोड किया गया। इससे उत्तेजित होकर शिंदे की शिवसेना के कई कार्यकर्ता राहुल कनल के नेतृत्व में होटल यूनी कांटिनेंटल पहुंच गए और बहुत तोड़ फोड़ की। महाराष्ट्र सरकार ने कामरा को माफी मांगने के लिए कहा लेकिन उसने माफी मांगने से साफ इनकार कर दिया। उसका कहना था कि उसने कुछ गलत नहीं कहा, बल्कि वही कहा है जो दूसरे उप मुख्यमंत्री अजित पवार पहले ही कह चुके थे। शिवसैनिकों के कई नेताओं ने अपने लोगों का,कामरा को शारीरिक नुकसान पहुंचाने के लिए आव्हान तक किया।

उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि यदि किसी के विचारों से कोई सहमत न हो, तो उसका प्रतिकार उसी प्रकार की कविता या लेख लिख कर किया जा सकता है या पुलिस में शिकायत करके कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। किसी भी परिस्थिति में, क़ानून हाथ में लेकर तोड़ फोड़ करने को सही नहीं ठहराया जा सकता। कामरा के प्रकरण में जिस प्रकार से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री शिंदे ने उनके कार्यकर्ताओं द्वारा की गई कार्यवाही को 'क्रिया' की 'प्रतिक्रिया' बताकर उसका औचित्य सिद्ध करने का प्रयास किया, उसे कानून हाथ में लेने के लिए उकसाना ही कहा जाएगा। लोकतंत्र में कानून का शासन होना चाहिए न कि गुंडागर्दी करने वालों का। इस घटना के बाद स्थानीय नगर परिषद ने भी बदले की कार्यवाही यूनि कांटिनेंटल होटल के निर्माण को अवैध बताते हुए उसे तोड़ दिया। यह उल्लेखनीय है कि जिस स्टूडियो में कामरा के कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग हुई, वह इस होटल में था।

जब तक किसी की गतिविधियां हिंसक न हों, राष्ट्र की एकता पर आघात न करे या फिर भाषा, धर्म, जाति और क्षेत्र के आधार पर कटुता तथा हिंसा न फैलाए, उसे प्रतिबंधित करना संविधान सम्मत नहीं है। ऐसी परिस्थितियों में सर्वोच्च न्यायालय को नागरिकों के मौलिक अधिकार की रक्षा के लिए पहल करने ही होगी।

जब कुणाल कामरा की गिरफ्तारी के लिए मुंबई पुलिस बहुत उतावली दिख रही थी तो उसने चेन्नई उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए याचिका प्रस्तुत की, जिस पर उसी दिन सुनवाई करके उसे अग्रिम जमानत देते हुए उसकी गिरफ्तारी पर 7 अप्रैल, 2025 तक रोक लगा दी।

इमरान प्रतापगढ़ी वाले प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में यह भी कहा कि यदि समाज के अधिकांश लोगों को किसी के द्वारा लिखी या कही हुई कोई बात पसंद नहीं भी हो, तब भी उस व्यक्ति को अपनी बात कहने का अधिकार है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक भारतीय नागरिक को अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता देता है। जिन परिस्थितियों में इस स्वतंत्रता को नियंत्रित किया जा सकता है, उसमें सरकार के विरुद्ध कोई बात कहना कतई सम्मिलित नहीं हैं।

देश संविधान और कानून से ही चल सकता है। यदि किसी को ऐसा लगता है कि किसी की मानहानि हुई है या किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो उसके लिए पुलिस में जाकर रिपोर्ट की जा सकती है अथवा न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया जा सकता है। ऐसा न करके, केवल गुंडागर्दी के बल पर किसी को मारने की धमकी देना अथवा तोडफोड करना अपराध है । यह समझना होगा कि सरकार की आलोचना करना, अपराध की श्रेणी में नहीं आता है, चाहे वह साहित्य की किसी भी विधा के माध्यम से हो ।उसे प्रतिबंधित करना लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पॉडकास्ट में हाल ही में स्पष्ट कहा कि ''आलोचना, लोकतंत्र की आत्मा है''। प्रधानमंत्री के कथन का स्वागत किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री द्वारा इस प्रकार की बात कही जाने के बावजूद, महाराष्ट्र में उन्हीं के सहयोगियों द्वारा हिंसा की कार्रवाई करना किसी भी रूप में उचित नहीं है। यदि किसी के विरुद्ध मुकद्दमा दर्ज होना ही है तो इस प्रकार तोड़फोड़ करने के वालों के विरुद्ध होना चाहिए न कि कुणाल कामरा जैसे स्टैंडअप कॉमेडियन और व्यंग्यकार के विरुद्ध। ऐसा करके उन्होंने परोक्ष रूप से कामरा को लाभ ही पहुंचाया है क्योंकि उनके यूट्यूब की इस पोस्ट को अब तक एक करोड़ लोग देख चुके हैं।

आशा की जानी चाहिए कि उच्चतम न्यायालय द्वारा इमरान प्रतापगढ़ी वाले प्रकरण में दिए गए निर्णय की भावना को समझते हुए अनावश्यक रूप से एफआईआर दर्ज करने का जो सिलसिला कई राज्यों में प्रारंभ हुआ है, उस पर रोक लगेगी। इसके बावजूद भी यदि किसी को अपनी भावनाएं आहत होती हुई दिखाई दे तो वह कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।

पुलिस को किसी प्रकार का कदम उठाने से पूर्व यह देखना होगा कि क्या वास्तव में किसी व्यक्ति का कथन समाज को तोडने वाला है या देश की अखंडता को खंडित करने वाला है?

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय, तपती दुपहरी में शीतल पानी की फुहार जैसा है। यह अपेक्षा की जा सकती है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की भावना को समझते हुए देश के अन्य न्यायालय भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे एवं इसका विरोध हिंसा से करने वाले लोगों को सबक सिखाएंगे। किसी भी सभ्य समाज में, विशेष कर लोकतंत्र में, इस प्रकार की हिंसक घटनाओं का कोई स्थान नहीं है । लोगों को यह बात अच्छी तरह समझनी चाहिए कि सरकार या किसी जन प्रतिनिधि की आलोचना, अपराध नहीं है। जितना जल्द यह समझ में आ जाए उतना ही स्वयं उनके लिए, देश के लिए और लोकतंत्र के लिए अच्छा है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राजस्थान दिवस समारोह सप्ताह में याद किया जाए सामाजिक सुधारों के प्रतीक सन्त शिरोमणियों व लोकदेवताओं को

महावीर सिंह

30 मार्च 1949 को गठित वर्तमान राजस्थान राज्य एक संवैधानिक राजनीतिक इकाई के रूप में, भारत गणराज्य राष्ट्र के एक प्रदेश के रूप में अस्तित्व में आया। भारत की राजनीतिक आजादी का जो संघर्ष 1857 की क्रांति के साथ शुरू हुआ और अनेक बधाओ-पड़ोओं को सफलता पूर्वक पार करता हुआ 15 अगस्त 1947 को विदेशी दासता से मुक्ति के रूप में उसकी परणीति हुई। अभी सम्प्रभुता सम्पन्न गण राज्य बनने में कई ओर बाधाएं पार करनी थी । उनमें प्रमुख बाधा थी देशी रियासतों को मिला कर भारत गणराज्य की संवैधानिक इकाईयां बनाना।

किन्तु राजनीतिक इकाई बनाना अपने आप में पर्याप्त नही, यदि समाज में प्रेम, सौहार्द्र, भाईचारे का शांत सकूंन दायक माहौल न हो। राजस्थान में अभी तक जो सामाजिक भाईचारे का माहौल हम देख रहे हैं, उसमें राजस्थान नामक राजनीतिक इकाई के गठन से कहीं बहुत ज्यादा, अविस्मरणीय योगदान यहां के संतशिरोमणी महिलाओं व पुरुषों का है। राजस्थान स्थापन सप्ताह के मनाए जाने के वक्त उनको याद न किया जाए, उन्हें कृतज्ञता के श्रद्धासुमन अर्पित न किये जाए तो समारोह अधूरा सा लगेगा।

इन लोगों द्वारा समाज सुधार की, कुरीतियों के त्याग की जो ज्योति जलाई वह 1857 से बहुत पहले शुरू हो चुकी थी। इनकी कहानियां, इनसे जुडी किवदंतियां और इनके द्वारा रचित व गाये गए भजन राजस्थान के हर आंचल, गांव-गांव व शहरों में आम आदमी की जुबान में जीवित है। इस क्रम में कुछ सदैव स्मरणीय महिला,पुरुषों पर अति संक्षिप्त चर्चा करते है।

सबसे पहले अनन्य कृष्णभक्त, कवियत्री मीरा बाई को स्मरण करते है। एक सम्पन्न,सामंत राजपूत परिवार में, 1498 के आसपास जन्मी मीराबाई के कृष्ण के भजन सारे उतर व पश्चिमी भारत में आज भी गए व सुने जाते है। मीरा बाई जा पालनपोषण उनके दादा मेड़ता के राव दूदा के घर में बड़े लाड चाव से हुआ। बचपन से ही उनका कृष्ण भक्तिमें मन रम गया। शादी मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश में राणा सांगा के पुत्र राव भोजराज से हुआ। भोजराज की जल्दी मृत्यु ही गई। उसके बाद, मीरा बाई का स्थापित कुरीतियों के विरुद्ध विद्रोह शुरू हुआ। उन्होंने राजपरिवार की ओर से दी गयी अनेक प्रताड़नाओं, पीड़ाओं का सहजता से, श्री कृष्ण को स्मरण करते हुए सामना किया। वे प्रथा के अनुरुप सती नहीं हुई। मन्दिरों में अधिक समय व्यतीत करने लगी और आमजन से घुलने-मिलने लगी। उन्होंने तत्समय अछूत समझी जाने वाली जाती के रैदास जी (रविदास) को गुरु अपनाया। अंत में राजमहल छोड़, कृष्ण से जुड़े स्थलों की यात्राएं करने लगी। मीरा एक शांत सामाजिक करनी की वाहक बनी।

इसी क्रम में, 1017 के लगभग, नागौर जिले के कालवा गांव में, जीवन राम डूडी, जाट परिवार के घर जन्मी कर्मा बाई भी स्मरण में आती है। एक अत्यंत साधारण, किसान परिवार में जन्मी कर्मा बाई की कृष्ण भक्ति की ख्याति राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश से ओडिसा तक फैली है। वो मीरा बाई से भी पहले एक शांत सामाजिक समरसता की शुरुआत को जन्म दे चुकी थी। उनकी श्री कृष्ण को खिंचड़े का भोग लगाने वाली जो कहानी है वह लोक में शुद्ध हृदय से भगवतभक्ति का बेजोड़ उदाहरण है जसमें एक भोली लड़की अपने भगवान को भोजन करवाने के लिए अपने धाबले (आज का पेटीकोट) का पर्दा करती है। उस जमाने में उस निर्भीक संत शिरोमणी महिला नें जगनाथपुरी की यात्रा की, जहां उनका खिंचड़े का भोग तैयार करने की विधि लोकप्रिय हुई। यह तत्समय की महिलाओं को अपने स्वयं के विचार बनाने व रखने का संदेश था व समाज को महिलाओं को बराबरी की दृष्टि से देखने का सन्देश था। जात पात कुछ नहीं, सब बराबर।

इसी क्रम में एक ओर सन्तशिरोमणि महिला फूलाबाई का स्मरण होता है। फूलाबाई करीब 380 साल पूर्व, नागौर के समीप के गांव माँझवास में एक मांझू गौती जाट परिवार में जन्मी। फुला बाई बचपन से ही रामभक्ति में लीन रहने लगी। जोधपुर के महाराजा जसवंत सिंह नें इनकी भक्ति और पर्चों की ख्याति सुनी। वे अपनी रानियों सहित फूलाबाई के यहां, अपनी रानियों सहित गए। अपनी रानियों को उनसे सीख व उपदेश दिलवाए। इन्होंने 36 साल की उम्र नें समाधि ले ली। फूल बाई के दोहों में पर्यावरण रक्षा, जीव दया, नशा परहेज का संदेश है। यह आज के भी गहरी चिंता के मुद्दे हैं।

जोधपुर के खेजड़ला की अमरता देवी बेनीवाल विश्नोई को कैसे भुलाया जा सकता है जिसने सैंकड़ों वर्ष पूर्व, 1730 में जोधपुर के एक निरंकुश शासक को खेजड़ी के पेड़ नही काटने की अपील की। निरंकुशता की निर्मम, नृशंस पराकाष्ठा का अधम परिचय देते हुए, शासक के लोगों ने 363 लोगों के सिर धड़ से अलग कर पेड़ काटे। अमरता देवी का बलिदान प्रकृति-पर्यावरण संरक्षण का अमर सन्देश दे गया। विश्नोई समाज आज भी, अपने गांव-इलाकों के पशु, पक्षियों का अवैध शिकार नहीं करने देता और ओरण, चारागाह, जोहड़ आदि सार्वजनिक भूमियों से पेड़ नहीं काटने देता।

इसी क्रम में, अवसर के अनुरूप, राजस्थान के लोक देवताओं का स्मरण करना भी समीचीन है। तेजाजी महाराज, गोगाजी, रामदेवजी, झसनाथ जी, जांभोजी, पब जी, हडबू जी की कहानियां, किवदंतियां आम आदमी की जबान पर रहती है। इनके सालाना बड़े मेले लगते है जिसमें उतर भरत, गुजरत, महाराष्ट्र से लाखों भक्त इनके समाधि स्थलों अथवा मंदिरों में, मेलों में आते है।

संक्षेप में इन पर विचार करें तो वीर तेजाजी महाराज का जन्म नागौर के गांव खरनाल में एक जाट ताहड़ जी के यहां 29 जनवरी 1074 को हुआ। उन्हें गौ रक्षक, वचन पालक, योद्धा, समाज सुधारक, जात-पात विरोधी व शिव-नाग देवता के अवतार माना जाता है। अजमेर के सुरसुरा गांव उनका समाधी स्थल है जहां हर मेला लगता है। राजस्थान, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, हरयाणा से इनके अनुयायी खरनाल, सुरसुरा आते है। वर्षा ऋतु के प्रारम्भ होने पर चारों ओर कृषक, ग्वाले तेजाजी के गीत गाते सुने जाते है। किसान खेत में जब बीज दलबे की शुरुआत करता है तो तेजो गाता है।

जाहर पीर गोगा जी का जन्म चुरू जिले के ददरेवा गांव में, राजपूत परिवार में हुआ था। गोगा मैडी उनका निर्वाण स्थल है जहां भाद्रपद माह में बड़ा मेला लगता है। यहां मंदिर 950 साल पुराना माना जाता है। इस मेले में यूपी, हरयाणा, राजस्थान, एमपी आदि से उनके अनुयायी आते है। पशुओं का भी बड़ा मेला लगता है। लोक कहानियों के अनुसार उन्हें शेषनाग का अवतार माना जाता है। वे हिन्दू, मुस्लिम एकता के प्रतीक माने जाते है, सभी धर्मावलम्बी उन्हें मानते है। सर्प दंश के जहर को दूर करने वाले देवता मन जाता है। लोक कहानियों के अनुसार गजनवी के साथ युद्ध में इनके 47 पुत्रों व 60 भतीजों का बलिदान हुआ था। कहा जाता है कि गजनवी से युद्ध में उसने इन्हें साक्षात देवता समझ था क्योंकि युद्ध मैदान में उन्हें चहुं ओर गोगाजी ही दिखाई दे रहे थे।

अत्यंत लोकप्रिय, लोक पूज्य जन देवता रामदेवजी महाराज का जन्म पोकरण के समीप रूणिचा गांव में अजमल जी के यहां हुआ। इन्हें तंवर वंशीय राजपूत माना जाता है। रामदेवजी को पीरों का पीर, रामसा पीर भी कहा जाता है। राजस्थान, हरयाणा, पंजाब, गुजरात, मध्यप्रदेश, उतर प्रदेश तक इनके अन्यायी फैले हैं। सद्भाव, रूढ़ियों का विरोध, जाती प्रथा का विरोध के प्रतीक हैं रामदेवजी महाराज। भादवा मॉन में जब इनका नेल लगता है तो चारों ओर सड़कों पर पोकरण जाने वाले पैदल व वाहनों में जाने वाले जातरू ही दिखते है। लोग इनके रुकने, भोजन की व्यवस्था सड़कों के किनारों पर अत्यंत भक्ति भाव से करते है। यह सिलसिला दस दिन के लगभग चलता है।

इसी क्रम में विश्नोई पंथ के संस्थापक जांभोजी व जसनाथी सम्प्रदाय के झसनाथ जी भी स्मरणीय है। जाम्भो, नागौर के पीपासर गांव में, पिता लोहट जी पंवार-जाट के घर में 1451 में जन्मे और 34 वर्ष की आयु नें समराथल धोरे पर 20ह9, बीस नो नियमों के साथ विश्नोई पंथ की स्थापना की। उनका मुख्य सन्देश तो तब भी और अब तत्समय से ज्यादा आज प्रसांगिक है-- पर्यावरण बचना, पेड़ों को न काटना और जीव दया। कहा जाता है, उन्होंने 51 साल तक भारत भ्रमण किया था। कई ग्रन्थ लिखे यथा निरंजन उपासना, गगन मंडल आदि। जसनाथ जी का जन्म बीकानेर के कतरियासर गांव में हमीर जी ज्याणी के घर, अनुमानतः 1482 में हुआ। वे निर्गुण ब्रह्म को मानने वाले मूर्तिपूजा विरोधक थे। 24 साल की अल्पायु में समाधी लीन हो गए। जसनाथियों के लिए इन्होंने आचरण के 36 नियम यथा गे बछड़ों के सेवा-रक्षा, उत्तम करणी, राह चलणा, मांसभक्षण नाहीं, रामनाम जपना, होम (हवन)-जप, ब्याज नहीं लेना, हुक्का-तम्बाखू से दूरी, सौदा-सट्टा नहीं, लहसुन-भांग नहीं आदि। आज भी उनके नियम सदाचार आचरण के उत्तम नियम हैं।

राजस्थान के पाली, जालोर, सिरोही, बाड़मेर आदि में एक अन्य प्रमुख किसान जाती है जिसके अपने आदर्श पुरुष है। कलबी समाज में शिकारपुर गांव के राजाराम जी नें शिक्षा व समाज सुधार की अलख जगाई। इस वर्ष उनकी 143वी जयंती है।

हमारे राजस्थान में कई पीर, ओलियों की मजारें है जो सदियों से हिन्दू, मुस्लिम एकता की मिसालें है। अजमेर में ख्वाजा साहब की दरगाह है जहां हिन्दू और मुस्लिम दोनों मन के सकून के लिए हाजरी देते है। नरहड़ व ओर कई स्थानों पर इसी प्रकार के मुस्लिमों से जुड़े पवित्र स्थान है जहाँ हिन्दू-मुस्लिम दोनो ही अकीदत में शीश नवाते हैं। सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह जी की नांदेड़ यात्रा का मार्ग भी राजस्थान के ददरेवा, साहवा, नरेना, पुष्कर होके ही रहा है। ओर राजस्थान स्थापना दिवस समारोह सप्ताह मनाना अधूरा रह जाएगा यदि उन हजारों किसानों को, आम आदमियों को स्मरण व नमन न किया जिन्होंने आजादी के आंदोलन में अनेकानेक कष्ट सहे थे ओर कईयों को बलिदान भी देना पड़ा था।

ओर उन किसानों को श्रद्धापूर्वक नमन जिन्हें आजादी के बाद भी निरंकुश अत्याचारी सामन्तो की गोलियों के सामने बलिदान देने पड़ा। इन्ही किसानों के बलिदानों की नींव पर ही खड़े हैं राजस्थान के भूमि सुधार कानून।

–महावीर सिंह, पूर्व आई ए एस

राजस्थान दिवस सप्ताह पर्यंत उत्सव में जनसरोकारों का प्रतीक है किसान सम्मेलन का आयोजन

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राजस्थान दिवस सप्ताह पर्यंत उत्सवों का आयोजन इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि प्रदेश में राजस्थान दिवस पर इस तरह के बहुजनहिताय-बहुजनसुखाय कार्यक्रमों को इसमें समाहित किया गया है। देखा जाए तो सप्ताह के कार्यक्रम महज औपचारिकता ना होकर के वर्ग विशेष या यों कहों कि दिन विशेष को लक्षित वर्ग को सीधे लाभान्वित करने के सार्थक प्रयास किये गये हैं। महिलाओं, किसानों, युवाओं, श्रमिकों यहां तक कि सभी वर्गों को लाभान्वित करने वाली योजनाओं का समावेश किया गया है जिससे विकास की गंगा बह सके। खास बात यह कि राजस्थान दिवस सप्ताह पर्यंत कार्यक्रमों का प्रदेश के भिन्न-भिन्न स्थानों पर आयोजन और उसी अनुसार लाभकारी योजनाओं की घोषणाएं, क्रियान्वयन व लाभार्थियों से सीधे संवाद कायम किया गया है। इससे यह तो साफ हो गया है कि सरकार की पहली प्राथमिकता जन सरोकार है और विकास की गंगा किसी एक वर्ग या क्षेत्र तक सीमित नहीं रह कर समूचे प्रदेश तक विस्तारित हो सकी है।

राजस्थान दिवस सप्ताह पर्यंत उत्सवों की कड़ी में बीकानेर में किसान सम्मेलन आयोजित कर लक्ष्यार्थी काश्तकारों तक सीधे अनुदान राशि हस्तांतरित की गई है तो किसानों के हित की लाभकारी योजनाओं से काश्तकारों को जोड़ने के प्रयास किये गये। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने बीकानेर में 30 हजार काश्तकारों को 137 करोड़ रुपए की राशि हस्तांतरित की है। इस अवसर पर किसानों के लिए पीएस सम्मान निधि राशि में वृद्धि, सीएम थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के दिशा-निर्देश जारी की। इसके साथ ही सरकार ने गांवों में आपसी विवादों के कारण होने वाली मुकदमें बाजी को गंभीरता से लिया है और गैरसरकारी संस्थाओं से आग्रह किया है कि वे गांवों में जाकर काम करें और आपसी समझाईश से इस तरह के विवादों को समाप्त कराने के सार्थक प्रयास करें। क्योंकि बहुत सी बाते ऐसी होती है जिन्हें आपसी समझाईश से आसानी से निपटाया जा सकता है।

वैसे भी सरकार किसानों के प्रति खास तौर समर्पित रही है। इस सरकार की बजट घोषणाओं में भी खेती किसानी पर खास ध्यान दिया गया है। किसानों की सुविधा के लिए कृषि कनेक्शनों के विघ्युत भार को बढ़ाने हेतु स्वैच्छिक भार वृद्धि योजना लागू की गई। किसानों को 1.26 लाख से अधिक कृषि कनेक्शन जारी करने के साथ ही किसानों को बिजली के बिलों में 27,339 करोड़ रूपये का अनुदान दिया गया। किसानों को राहत देने हेतु टावर क्षेत्र के साथ चारों तरफ एक मीटर तक अतिरिक्त क्षेत्रफल की गणना कर डीएलसी दर का दुगुना तथा प्रसारण लाईन के नीचे आने वाले क्षेत्रफल के पेटे डीएलसी की 30 प्रतिशत की दर से मुआवजा दिये जाने के प्रावधान किया गया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 17वीं, 18वीं एवं 19वीं किश्त हस्तान्तरित की जा चुकी है। उक्त 17वीं किश्त में लाभान्वितों की संख्या 65.30 लाख, 18वीं किश्त में 70.21 लाख एवं 19वीं के माध्यम से राज्य के 72.97 लाख किसानों को 1400 करोड़ रूपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गयी हैं। किसानों को लाभान्वित करने की संख्या की दृष्टि से राज्य का देश में पांचवा स्थान हैं। राज्य सरकार ने पी.एम. किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत 24.97 लाख नये कृषकों द्वारा आवेदन करवाये गये। पूर्व में आवेदित 25.83 लाख कृषकों के अनिवार्य कार्य पूर्ण कर आगामी किश्तों से लाभान्वित होने हेतु पात्र किये गए।

लघु, सीमांत, बटा दार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों के लिए सत्र 2024-25 से राजकीय महाविद्यालयों में राजकीय निधि कोष में लिया जाने वाला शुल्क माफ किया गया। निःशुल्क संकर मक्का बीज मिनिकिट कार्यक्रम के तहत अनुसूचित/सहरिया क्षेत्र के 8.39 लाख जनजाति कृषकों को खरीफ, 2024 के अन्तर्गत मिनिकिट वितरण किये गये। निःशुल्क हाईब्रिड सब्जी बीज मिनिकिट वितरण कार्यक्रम के तहत लगभग 50,000 जनजाति कृषकों को मिनिकिट का वितरण किया गया। गेहूँ के समर्थन मूल्य 2,275 रूपये प्रति क्विंटल के ऊपर 125 रूपये का बोनस प्रदान कर 2,400 रूपये प्रति क्विंटल पर गेहूँ खरीद कर किसानों को लाभान्वित किया गया। 'राजस्थान कृषक समर्थन योजनान्तर्गत' खाद्य विभाग द्वारा रबी विपणन सीजन 2024-25 के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीद का कार्य दिनांक 10.03.2024 से 30.06.2024 तक पूर्ण कर 12.05 लाख मीट्रिक टन गेहूँ की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद करके 125 रूपये प्रति क्विंटल की दर से 150.66 करोड़ रूपये बोनस राशि का भुगतान कर 94 हजार से अधिक किसानों को लाभान्वित किया गया।

इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि खेती-किसानी सरकार की प्राथमिकता है और रहनी भी चाहिए। आज सारी दुनिया खेती किसानी को मजबूती प्रदान करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। क्योंकि कोरोना ने यह अहसास करा दिया है कि खेती किसानी ही ऐसे संकट के दौर में साथ दे सकती है। अन्नदाता की मेहनत की बदौलत ही देश कृषि क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और दलहन विकास और तिलहन विकास जैसे कार्यक्रमों पर बल देते हुए तिलहन-दलहन के क्षेत्र में निर्यात पर निर्भरता समाप्त करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ा जा रहा है। राजस्थान दिवस सप्ताह पर्यंत कार्यक्रमों की सराहना इस मायने में की जानी चाहिए कि सरकार ने अन्नदाता और खेती किसानी को भी अपनी प्राथमिकता में रखा और सप्ताह का एक दिन किसान सम्मेलन को समर्पित किया।

–डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल मंगलवार 1 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, चतुर तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र दिन 11:06 तक, विष्कुम्भ योग प्रातः 9:43 तक, वणिज करण सायं 4:04 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:30 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 11:06 से आरम्भ होगा। अंगारक विनायक चतुर्थी है। शुक्ल योग, दग्ध योग रात्रि 2:32 से सूर्योदय तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:27 से 10:59 तक, लाभ-अमृत 10:59 से 2:04 तक, शुभ 3:36 से 5:09 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:22, सूर्यास्त 6:40

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति एवं आय में वृद्धि होगी।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

धनु
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है।

तुला
तुलाः परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
स्वास्थ्य संबंधित परेशानी से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

राजसमंद में शाही लवाजमे के साथ निकली चून्दडी गणगौर की सवारी

राजसमंद, (निसं)। ब्रज और मेवाडी संस्कृति की संगम स्थली प्रभु श्री द्वारकाधीश की पावन नगरी, जिसके स्वागत में करीब एक सप्ताह से दुल्हन सी सज-संवर रही थी आखिर सोमवार को वह दिन आ ही गया और जब चूंदडी गणगौर की सवारी परपंरागत रूप से ईशर-गणगौर माता को शहर की सैर करवाने निकली तो शहरवासियों का हुजूम उनके स्वागत-सत्कार में और उन्हें अपलक निहारने के लिए उमड पडा।

पुष्टि मार्ग की तृतीय पीठ प्रभु श्री द्वारकाधीश मंदिर से श्रृंगारित गणगौर की प्रतिमाओं और प्रभु श्री द्वारकाधीश की छवि के साथ पूरे ठाठ-बाट के साथ नई व आकर्षक झांकियों एवं परंपराओं के निर्वहन का सम्ममिश्रण करते हुए सवारी रवाना हुई। इस पर मंदिर के गोवर्धन चौक और उसके बाहर मौजूद हजारों श्रद्धालुओं ने प्रभु के गगनभेदी जयकारे लगाकर समूचे परिवेश को गुंजायमान करते हुए माहौल को भक्तिमय बना दिया। साथ ही परंपरागत वाद्यों तुरही, बांकिया व नगाडे के वादन से वातावरण काफी सौम्य एवं मधुर बन गया। इसके साथ ही बैंड-बाजों की चार टोलियों के द्वारा लोकगीतों व भक्ति संगीत की मधुर स्वर लहरियों ने वातावरण को पूरी तरह से उत्सवी बना दिया। सवारी में श्री द्वारकाधीश मंदिर के पीठाधीश गोस्वामी डॉ वागीश कुमार महाराज भी रथ में सवार होकर शामिल हुए। इस दौरान मंदिर से लेकर सवारी के पूरे मार्ग में शहर में चहुंओर चून्दडी गणगौर का ही रंग छाया रहा। सवारी में सबसे आगे ढोल-नंगाडे, करतब दखाते कलाकार एवं 45 घोडे और इसके पीछे ऊंट नगाडे की गूंज सवारी देखने की प्रतिक्षा में मार्ग में खडे लोगों को सवारी के जल्द ही पहुंचने की एक तरह से मुनादी कर रहे थे। सवारी में सैकडों की संख्या में नन्हीं बालिकाएं लहंगा-चूंदडी पहने अपने सिर पर जल कलश लिए धीरे-धीरे आगे की ओर कदम बढा रही थी। सवारी में शिव-पार्वती व राध-कृष्ण सहित विभिन्न देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां लोगों को भक्तिमय वातावरण में डूबो रही थीं। सवारी के बीच बग्घी व रथ पर लकडी से बनी चून्दडी के आकर्षक परिधानों व आभूषणों से सजी गणगौर प्रतिमाएं कुछ अलग ही छटा बिखेर रही थीं। इसके साथ ही परम्परानुसार सवारी में मंदिर से निशान लिए घुडसवार, फौज पलटन थी जो रियासत काल की परम्परागत शाही गणगौर की सवारी की यादें ताजा कर रही थीं। आदिवासी भील समाज के लोग भाले जमीन पर पटकते हुए आगे बढ रहे थे, जिनकी विशेष आवाज लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। वहीं, कच्छी घोडी कलाकारों के पांच ग्रुप सवारी में अलग-अलग स्थानों पर नृत्य पेश करते हुए चल रहे थे। सवारी के दौरान पूरे मार्ग में मध्यप्रदेश के धार से आए आदिवासी कलाकारों का नृत्य काफी आकर्षक थाए जिसे देखने के लिए लोगों की खासी भीड रही। इन कलाकारों ने अपरे विशेष वाद्य यंत्रों के साथ प्रस्तुति देकर लोगों को खासा आकर्षित किया। वहीं, जालोर से आई ढोल पार्टी ने अपने अनूठे ढोल वादन से जहां से भी गुजरे वहां मौजूद लोगों को नाचने पर मजबूर कर दिया। सवारी में भूतों की शिव बारात में शामिल भूत-प्रेत के वेश में बाबा भोलेनाथ के भजनों पर झूमते-नाचते और अपनी विशेष भाव-भंगिमाओं से लोगों को हंसाते हुए और मनोरंजन करते हुए चल रहे थे। बूंदी से आई शहरिया डांस ग्रुप की टीम ने भी अपनी डांस प्रस्तुति से शहरवासियों पर खासी छाप छोडी। इसके साथ ही पंजाब से आई महिलाओं ने भंगडा डांस की प्रस्तुति से माहौल को पंजाबमय बना दिया। इसके साथ ही सवारी में प्रभु श्री राम के दरबार की झांकी में राम-लक्ष्मण-जानकी और श्री हनुमानजी, सजकर रथ में सवार हुए। प्रभु श्री राधा-कृष्ण, मोर महारास की सुंदर प्रस्तुतियों ने भी लोगों को पुष्पवर्षा करने पर मजबूर कर दिया। इसके साथ ही सवारी में अन्य कई आकर्षक झांकियां एवं ढोल.नगाडा वादन से कलाकार पूरे मार्ग में श्रद्धलुओं का मनोरंजन करते हुए आगे बढ रहे थे। वहींए प्रभु श्री द्वारकाधीश के सुखपाल को कंधे पर उठाए चंवर ढुलाते श्रद्धालु साथ चल रहे थे। नगर के युवाओं के साथ ही हर आयु वर्ग के लोग आज चून्दड की मेवाडी पाग व अंगरखी पहने गले में चूंदड की ही इकलाई डाले हुए थे। श्रद्धालु गिरिराज धरण की जय, जय बोल श्री राधे...., पूंछडी के लौटा की हूक बोल मेरे प्यारे.... सहित कई जयघोष से वातावरण को गूंजाते हुए भक्तिमय माहौल बना रहे थे।

गणगौर महोत्सव के पहले दिन चूंदडी गणगौर पर रथ में सवार गणगौर माता।

- नवसंत्सवर से पूर्व ही उत्सवी माहौल में डूबे शहरवासियों ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत
- चून्दडी रंग में रंगा शहर, सवारी देखने के लिए उमड़ी भीड़

राजस्थान दिवस पर निकली शोभायात्रा

डूंगरपुर, (निसं)। जिला प्रशासन डूंगरपुर के तत्वाधान में राजस्थान दिवस चौत्र शुक्ल प्रतिपदा पर विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम लक्ष्मण मैदान से ढोल नगाड़ों के साथ शोभा यात्रा का आगाज हुआ। लोक कलाकारों के संस्कृति के रंग बिखेरते नृत्य एवं लोक वाद्य यंत्रों के साथ थिरकते कदमों के साथ मंगल कलश लेकर रंग बिरंगे परिधानों में महिलाएं, बालक-बालिकाएं, स्काउट-गाइड के बच्चों के साथ जनप्रतिनिधि गण, अधिकारी एवं कर्मचारी गण सम्मिलित रहें।

इस अवसर पर गैप सागर की पाल पर सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी सभी ने अवलोकन किया तथा सराहना की।इसके पश्चात गैप सागर पाल पर ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद सभापति अमृतलाल कलासुआ, जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह, उपसभापति सुदर्शन जैन, समाजसेवी में बंसीलाल कटारा, अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश धाकड, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड, उपखंड अधिकारी डूंगरपुर सांवरलाल, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पहाडिया, समस्त पार्षद गण, बतौर अतिथि मौजूद रहें। इस अवसर पर पश्चिम सांस्कृतिक केंद्र के लोक कलाकारों तथा स्थानीय कलाकारों के द्वारा कच्ची घोडी नृत्य, चरी नृत्य, चकरी नृत्य एवं अन्य रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।कार्यक्रम के दौरान महिला अधिकारिक सहायक निदेशक मोतीलाल मीणा, सहायक निदेशक जनसंपर्क छाया चौबीसा, सीडीपीओ डूंगरपुर पलात आदि मौमजूद रहे।

सार-समाचार

हत्या का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। पति की हत्या कर लाश को फंदे पर लटकाने वाली पत्नी व प्रेमी के खिलाफ फलासिया थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित चुन्नीलाल पुत्र मगनलाल पारगी निवासी आमलिया ने अपनी मां थावरी पत्नी मगरन पारगी तथा उसके प्रेमी शंभू लाल निवासी आमलिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि 29मार्च को सवेरे मेरे पिता बोरवाला नेरा आमलिया में फंदे पर शव लटका हुआ मिला। इस दौरान घर पर कोई नहीं था। सूचना मिलने पर घर पहुंचे।तब पिता की मौत हो चुकी थी। इधर सूचना मिलने पर फलासिया थानाधिकारी सीताराम ने मौके पर पहुंच कर मृतक को निचे उतार पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। चुन्नीलाल ने अपनी मां थावरी व उसके प्रेमी शंभूलाल के बीच अवैध संबंध होने का हवाला देते हुए पिता की हत्या कर लाश को फंदे पर लटकाने की रिपोट्र दी है। जिसमें पिता की पीढ पर रगड़ के निशान पाए गए है। पुत्र ने हत्या कर घसीट कर पिता को लाकर फंदे पर लटकाने की आशंका व्यक्त करते हुए दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया है। जिसकी जांच थानाधिकारी कर रहे है।

हथियार बरामद, दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के बडगांव थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से अवैध पिस्टलय मय मैग्जीन, जिंदा राउण्ड व चाकू बरामद कर प्रकरण दर्ज किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाश चन्द्र के सुपरविजन में बडगांव थानाकिारी पूरणसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर सोमवार को चन्द्रपालसिंह पुत्र नरेशसिंह निवासी गुर्जर गमान थानाप टॉडगढ ब्यावर हॉल सम्राट भवनशिव कॉलोनी शौभसागपुरा सुखेर को गिरफ्तार कर एक देशी पिस्टलय मय मैग्जिन, योगेश पुत्र रामचन्द्र निवासी नारायण निवास धोलीबावड़ी धामनण्डी हॉल गलीं नं. 6 सुखदेवीनगर बेदला खुर्द थाना सुखेर को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से एक जिंदा राउण्ड व धारदार चाकू जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

हर्षोल्लास से मनाया गणगौर का त्योहार

डूंगरपुर, (निसं)। जिले सहित शहर में सोमवार को गणगौर तीज श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शुभ, अभिजित मुर्हत में महिलाएं पुजा की थाल एवं साज श्रंगार पहने मंगलगीत गातें हुए मंदिरो में पहुंची। जहां पर विधी विधान के साथ तीज माता का पुजन किया गया ओर गणगौर माता को सर पर धारण कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। तीज पर्व के तहत शहर के नवा महादेव, धनेश्वर महादेव, घाटी, लक्ष्मीनारायण मंदिर, तालाब की पाल स्थित शिव मंदिर, आरएनटी कोलोनी, हाउसिंग बोर्ड, सुभाषनगर सहित विभिन्न मंदिरो एवं ठाम्यांचल देवस्थानो में महिलाओ की भारी उमडी। इस दौरान महिलाओं ने व्रत रख सुहाग की लंबी उम्र एवं परिवार की खुशहाली की कामना की।

ईद उल फितर हर्षोल्लास से मनाया

कपासन, (निसं)। कपासन में सोमवार को ईद उल फितर का त्योहार पूरे जोश और उल्लास के साथ मनाया गया। मोमिन मोहल्ला स्थित जामा मस्जिद चौक पर लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी।जामा मस्जिद से शुरू हुआ जुलूस गुलाब सागर पाल स्थित ईदगाह तक पहुंचा। ईदगाह में नायब शहर काजी मोहम्मद शहीद ने सामूहिक नमाज अदा कराई। मौलाना अब्दुर्र रहीम अशरफी ने तकरीर पेश की। नमाज के दौरान हर चेहरे पर खुशी की रौनक दिखाई दी। छोटे बच्चों और जरूरतमंदों को ईदी दी गई।विभिन्न संगठनों के लोगों ने मुस्लिम समाज को बधाई दी। अंजुमन कमेटी के सदर अशफाक तुर्कया, हाजी जैनुद्दीन, कलाम भाई, एजाज अली,असलम बंटी, गुड्डू खान अन्य लोगों ने एसडीएम राजेश सुवालका, डीएसपी हरजीलाल यादव व थानाधिकारी रतन सिंह का अभिनंदन किय।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व्यास की कुशलक्षेम पूछी

उदयपुर,(कासं)।पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ गिरिजा व्यास की अपने निवास पर ही गणगौर पूजा के समय दीपक से झुलसने की सूचना पर उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष कचरू लाल चौधरी, उदयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राठौड, उदयपुर देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संजीव राजपुरोहित एवं उदयपुर शहर जिला कांग्रेस संगठन महामंत्री अरुण टांक ने डॉ गिरिजा व्यास के भाई प्रदेश कांग्रेस महासचिव गोपाल शर्मा से दूरभाष पर बात कर डॉ व्यास के स्वास्थ्य की जानकारी ली एवं ईश्वर से उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होकर लौटने की कामना करी।

आकाश बागडी का इस्तीफा

उदयपुर,(कासं)।पटीक समाज राष्ट्रीय संगठन के अध्यक्ष पद से आकाश बागडी ने सोमवार को इस्तीफा संस्थापक अध्यक्ष को सौंप दिया है। बागडी ने बताया कि संगठन की रीति और नीति से मेल नहीं खाने के कारण उन्होंने यह कदम उठाया है।

पेसिफिक में नव आगन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत

पेसिफिक में नव आगन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत किया।

उदयपुर, (कासं)। पैसिफिक इंस्टियूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, उमरडा, उदयपुर में नये स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का स्वागत एवं प्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पेसिफिक इंस्टियूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में अभी तक 67 स्नातकोत्तर विद्यार्थी प्रति वर्ष भर्ती होते थे । इस वर्ष एन.एम.सी. द्वारा स्नातकोत्तर में 158 सीटे दी है । यह संस्थान के लिये गर्व का विषय है।

संस्थान में उपलब्ध बढिया इंफ्रास्ट्रक्चर एवं स्टाफ के कारण इस वर्ष एम.बी.बी.एस. में भी सीटों की अभीवृद्धि दी गयी है। पहले 150 एम.बी.बी.एस. विद्यार्थी प्रतिवर्ष प्रवेश लेते थे। इस वर्ष 200 एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों के लिये एन.एम.सी. ने सहमति पत्र प्रदान की है। इस समारोह में 158 नये स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का स्वागत किया। संस्था के चेयरमैन आशीष अग्रवाल, शीतल अग्रवाल एवं नमन अग्रवाल प्रबंध निदेशक ने विद्यार्थियों के उज्जल भविष्य के लिये शुभकामनाऐं व्यक्त की । कुलपति डा. प्रशांत नाहर ने विद्यार्थियों को समर्पण से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कालेज के प्रधानाचार्य डा. सुरेश गोयल ने हिप्पोक्रेटिक ओथ की शपथ दिलाई।

गणगौर महोत्सव की रही धूम

बांसवाड़ा, (निसं)। सौभाग्य और समृद्धि की मनोकामना को लेकर सुहागिनों ने गणगौर की पूजा उपासना की जिसे लेकर गणगौर महोत्सव की सोमवार को धूम रही। कांकरिया ग्रीन केबी मॉल के पास इण्डस्ट्रीय एरिया ठीकरिया से गणगौर घाट तक भव्य शोभायात्रा मारवाडी सेवा समिति के तत्वावधान में निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान वाद्य यन्त्रों की थाप पर श्रद्धालु करतल ध्वनियों के साथ मंगलगान करते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा में सुसज्जित झांकियों में गणगौर की पूजित प्रतिमाओं को श्रद्धा एवं भक्ति के साथ विसर्जन के लिए ले जाया गया। राह में जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। समिति के प्रवक्ता संदीप सुरेखा ने बताया कि श्रद्धालुओं ने पूजन और महाप्रसादी के साथ ही सांस्कृतिक मनमोहक प्रस्तुतियों का लाभ लिया। शोभा यात्रा एवं महाप्रसादी वितरण व्यवस्था में नित्य सुरेका, सौम्या, संजय मारवाडी, राकेश सोनी, गिरधारी अग्रवाल, अशोक शर्मा, बजरंग जांगिड़, वन्दना-संदीप सुरेका, किशन सिंह तंवर, नरपत जैन, नैना जैन, बजरंग शेखावत, रणजीत सिंह, मनोज अग्रवाल, इंद्रा अग्रवाल, निर्मला भारुका, सीमा केडिया, नंदनी दायमा, राजेश महेश्वरी आदि मौजूद रहे।

साहित्य समाज का प्रतिबिम्ब व दिशा बोध करने का अग्रणी माध्यम : प्रो ठाकुर

बांसवाड़ा, (निसं)। साहित्य और समाज पूरक हैं एक तरफ जहां साहित्य समाज का प्रतिबिम्ब होता है वहीं दूसरी तरफ साहित्य केवल साहित्य का निदर्शन कराने तक नहीं रुकता अपितु समाज की बेहतरी और मानवीय मूल्यों की समस्त चराचर जगत में स्थापना का मार्ग भी सुझाता है। उक्त उद्गार कुलपति प्रो केशव सिंह ठाकुर ने जीजीटीयू की ओर से आगामी 21 अप्रैल को आयोजित होने वाले समकालीन साहित्य और समाज : परिदृश्य, चुनौतियां एवं संभावनाएं विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के ब्रोशर के विमोचन अवसर पर व्यक्त किए।

- समकालीन साहित्य और समाज विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी 21 अप्रेल को

प्रो ठाकुर ने अमर साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद को उद्धृत करते हुए बताया कि साहित्यकार का लक्ष्य केवल महफिल सजाना और मनोरंजन का सामान जुटाना नहीं है उसका दरजा इतना न गिराइये। वह देशभक्ति और राजनीति के पीछे चलने वाली सच्चाई भी नहीं बल्कि उनके आगे मशाल दिखाती हुई चलने वाली सच्चाई है। आयोजन सचिव अकादमिक अधिष्ठाता डॉ राकेश डामोर ने बताया कि संगोष्ठी के मुख्य अतिथि उदयपुर सांसद डॉ मन्नालाल रावत और ख्यात ललित निबंधकार और संस्कृतिकर्मी प्रो श्रीराम परिहार सारस्वत वक्ता रूप में पाथेय प्रदान करेंगे। डॉ डामोर ने बताया कि संगोष्ठी का मुख्य विषय समकालीन साहित्य और समाज के परिदृश्य को बारीकी से देखना, समझना, युगीन चुनौतियों को समझना, वर्तमान में गढ़े जा रहे विमर्शों की पड़ताल करना और भावी समय में साहित्य और समाज को दिशा-बोध प्रदान करना है। आयोजन सह सचिव डॉ मीनाक्षी अधिकारी ने बताया कि संगोष्ठी के विस्तृत उद्देश्यों, विषयों, उपविषयों, पंजीकरण की जानकारी ब्रोशर में अंकित कर दी गई है इच्छुक शोधार्थी एवं समीक्षक पंजीकरण करवा सकते हैं।

ब्रोशर विमोचन अवसर पर कॉलेज शिक्षा के जयपुर क्षेत्रीय सहायक निदेशक प्रो आलोक श्रीवास्तव, उदयपुर क्षेत्रीय सहायक निदेशक प्रो सतीश आचार्य, निदेशक शोध प्रो अलका रस्तौगी, परीक्षा नियंत्रक प्रो मनोज पंड्या, उपकुलसचिव प्रो लक्ष्मण लाल परमार, प्रभारी सम्बद्धता डॉ नरेन्द्र पानेरी, इंजीनियरिंग कॉलेज प्राचार्य डॉ अर्पित पाठक, सह आयोजन सचिव डॉ केसरीमल निनामा मौजूद रहे।

समकालीन साहित्य और समाज विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के ब्रोषर का विमोचन करते जीजीटीयू कुलपति प्रो. केशव सिंह ठाकुर।

अवैध डोडाचुरा से भरी कार जब्त

उदयपुर, (कासं)। बैकरिया थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अवैध डोडा चुरा से भरी कार को जब्त कर प्रकरण दर्ज किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर बैकरिया थानाधिकारी उत्तमसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने नाकाबंदी के दौरान मुखबीर से संदिग्ध कार तेजावास बाकावास की तरफ जाने की सूचना मिली।]ुलिस की टीम पिछा करते हुए बाकावास की तरफ पहुंची। चालक कार छोड़ कर जंगल की तरफ फरार हो गया।

बांसवाड़ा में हिन्दू नववर्ष पर हुए विविध कार्यक्रम

बांसवाड़ा, (निंस)। भारतीय हिन्दू नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2082 के उपलक्ष में भारत विकास परिषद् जिला षाखा की ओर से विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भाविप के संगठन सचिव कल्पेश मेहता ने बताया कि भारतीय नववर्ष हर्षोल्लास से मनाते हुए सुबह कलेक्ट्री चौराहे पर राहगीरो एवं नागरिकों का तिलक लगा मिश्री खिलाकर स्वागत एवं नववर्ष की बधाई दी गई। साथ ही नवसंवत्सर पर आयोजित शोभायात्रा में सहभागिता की गई। शाम को दीपदान, भव्य आतिशबाजी का कार्यक्रम गणगौर घाट पर आयोजित किया गया। भाविप के डॉ. युधिष्ठिर त्रिवेदी ने बताया कि इस पवित्र दिन को सृष्टि की रचना का प्रारंभ दिवस है, नवरात्रि का प्रारंभ, भगवान विष्णु का प्रथम अवतार, महर्षि गौतम का जन्मदिवस, विक्रम संवत का शुभारंभ दिवस, वरुणा अवतार झूलेलाल का जन्म दिवस, आर्य समाज स्थापना दिवस, भगवान रामजी का राज्याभिषेक, विक्रमादित्यजी का राज्याभिषेक एवं संघ संचालक डॉ हेडगेवार का जन्म दिवस है। भाविप मीडिया प्रभारी शैलेष गुप्ता ने बताया कि समाजसेवी डॉ.मुन्नवर हुसैन ने इस पवित्र दिवस पर परिषद् भवन के ऊपर सभागार निर्माण के लिये 51 हजार रूपये एवं भाविप अध्यक्ष हरेष लखानी ने 51 हजार रूपये सहयोग प्रदान करने की घोषणा की। भाविप के शान्तिलाल सेठ ने बताया कि यह सभागार वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी एवं उपयोगी रहेगा। कार्यक्रम में डॉ रविन्द्रलाल मेहता, डॉ युधिष्ठिर त्रिवेदी, शाखा संरक्षक डॉ प्रदीप कोठारी डॉ. आशा मेहता, सरोज नगावत, लता कोठारी, राजेन्द्र द्विवेदी, निरज मेहता, सचिव गोपाल पण्ड्या, संगठन सचिव कल्पेश मेहता, कोषाध्यक्ष पियुष निमा, धर्मिष्ठा पंड्या, गायत्री शर्मा, डॉ मुन्नवर हुसैन, सकिना हुसैन, प्रकाष पण्ड्या, रजनीकान्त भट्ट, हिना भट्ट, दर्शना त्रिवेदी, मुकुल जोषी, विमला सेठ, वीना गुप्ता, नयना जैन, पदमा मालोत, दिलीप सागवाडिया, हरेन्द्र याज्ञिक, कमलेष दोसी, पुष्पेन्द्र पिंकु सराफ, संजय दोसी, अशोक गुप्ता, राजेष मेहता, भूमिका नेमा ,भूपेष मेहता, प्रिंस पटेल, विरेन्द्र पटेल, गोपेश मेहता, जुली मेहता, मनोज शाह, राजीव सराफ, चेतना सराफ, विजयलक्ष्मी दोसी, मनिष सोनी, प्रविणा सोनी, दीप कोठारी, षिखा कोठारी, कल्पना मेहता, प्रीति कुलश्रेष्ठ, प्रवीणा कलाल, राकेष कलाल, विनिता शाह, मुकुल शुक्ला, शैलेष गुप्ता, संजय गुप्ता, अनुपम मेहता, स्वपन मेहता आदि मौजूद रहे।

एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

उदयपुर,(कासं)। बी एन फार्मेसी में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन हुआ।

भूपाल नोबल्स विवि फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के डीन डॉ. युवराज सिंह सारंगदेवोत ने बताया कि भूपाल नोबल्स इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज में डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा डॉ. मीनाक्षी भरकतिया को मिली ग्रांट के तहत एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार विषयक इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स प्रोटेक्शन, चैलेंजेस एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स का आयोजन किया । सेमिनार के मुख्य अतिथि फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के प्रेसिडेंट डॉ. मोंटु एम. पटेल थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, जयपुर के डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. राजेश यादव और डीएसटी, उदयपुर के प्रोजेक्ट ऑफिसर मनीष जैन उपस्थित थे। इसमें विवि के प्रेसिडेंट डॉ. चेतन सिंह चौहान ने सबका स्वागत किया। चेयरपर्सन कर्नल प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत ने बौद्धिक संपदा, वैश्विक पेटेंट पर उन्नति में पेटेंट की महत्ता, क्लिनिकल रिसर्च, जियोग्राफिकल इंडिकेशंस आदि पर विचार व्यक्त किए। उनका कहना था कि ज्ञान ही शक्ति है, ज्ञान ही संपदा है। हमारे श्रुति और व्याकरण, योग सभी पहले ज्ञान का प्रचार-प्रसार करते थे लेकिन आज की स्थिति में पेटेंट के प्रति हमें जागरूक बनना है और शोध संस्थाएं और विश्वविद्यालयों में पेटेंट अनिवार्य करना होगा। ज्ञान के माध्यम से ही भारत 2047 में विकसित बन पाएगा और हमें प्रैक्टिकल बातों पर ज्यादा चर्चा करनी होगी।

- विकसित भारत के लिए गुणवत्ता पूर्वक शोध और प्रयोगात्मक ज्ञान ही महत्वपूर्ण कारक: प्रोफेसर सारंगदेवोत

राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के डॉ. राजेश यादव ने कहा कि और मोबाइल के दुष्प्रभाव का चैप्टर जोडना होगा। आलोक भार्गव, मेंबर, स्टेट काउन्सिल ने फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के बारे में जानकारी दी और वैक्सीनेटर की पोस्ट और एग्जिट एग्जाम और फार्म डी के बारे में जानकारियां प्रदान की। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट डॉ. मोंटु कुमार एम. पटेल ने इंप्रोवाइजेशन, इंप्लीमेंटेशन ऑफ फार्मेसी रेगुलेशंस के एग्जीक्यूशन के बारे में बात की। संस्थान के सचिव डॉ. एम. एस. आगरिया ने कहा कि फार्मेसिस्ट को वक्त के साथ आगे बढते हुए इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट्स, ट्रेड सीक्रेट्स, जियोग्राफिकल इंडिकेशंस की चीजों को समझना होगा। इसके बाद सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर साइंटिफिक सेशंस में डॉ. संजय कुमार पटेल (आईपी अटॉर्नी, एक्सेलोन अहमदाबाद), डॉ. भरत पागी (प्रिंसिपल आईपीआर कंसल्टेंट एंड फाउंडर, यूडीपेक कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद) और डॉ. विश्वमोहन मोदी (सीनियर मैनेजर, फॉर्मूलेशन एंड डेवलपमेंट, जाइडस लाइफ साइंसेज) ने व्याख्यानों से सभी उपस्थित छात्रों और अध्यापकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के बारे में विस्तृत जानकारियां प्रदान की। इस अवसर पर पोस्टर प्रेजेंटेशन का भी आयोजन किया इसमें विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार से सम्मानित किया । मलेश्वर सिंह, राजेंद्र सिंह (वि. प्र. स.), डॉ. जयबालन (अलवर), डॉ. पी. के. चौधरी (पैसिफिक), डॉ. पी. एस. रावलोत (डीन, पीजी, बीएनयू), डॉ. एम. एस. राठौड, डॉ. हिमांशु, डॉ. उदयभान सिंह, डॉ. अल्का अग्रवाल, डॉ शैलेन्द्र भट्ट, डॉ एस एस सिसोदिया, डॉ पी एस नरुका, डॉ रविंद्र कांबले, डॉ जे एस वाघेला एवं विभिन्न फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य, फैकल्टी और गणमान्य भी उपस्थित थे। सेमिनार के दौरान विभिन्न सत्रों को डॉ जूही प्रधान, डॉ कमल सिंह राठौड, डॉ राघवेंद्र भदौरिया, डॉ गुंजन जादौन, डॉ जयेश द्विवेदी और उदिची कटारिया ने चेयर किया। संचालन डॉ. प्रियदर्शिनी कांबले ने किया। महाविद्यालय के डॉ. कोमल शर्मा, डॉ. अंजू गोयल, डॉ. आर. पी. एस. राठौड, डॉ. अमूल मिश्रा, डॉ. दीपक मारोठिया, डॉ. अनिरुद्ध सिंह, डॉ. अमित भार्गव, डॉ. नीलू झाला, डॉ. रजत वैष्णव, डॉ. गजेंद्र सिंह राठौड, डॉ. एन. एस. सोलंकी, प्रदीप सिंह चुंडावत, मूमल देवडा, एस. एस. दुलावत, सीमा मिश्रा आदि ने सहयोग किया।

गणगौर की सवारी का पुष्पवर्षा से किया स्वागत

राजशाही ठाठ से निकली गणगौर सवारी।

भीण्डर, (निसं)। राजमहल से विजय प्रतीक गणगौर की सवारी राजशाही ठाठ से निकाली गई। गणगौर सवारी देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरूष एकत्रित हुए। वहीं सवारी का विभिन्न जगहों पर पुष्पवर्षा से भव्य स्वागत किया और सुरजपोल चौराहे पर गणगौर दर्शन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

शाम 5.30 बजे राजमहल भीण्डर के गणेश चौक में भीण्डर राजपरिवार से दीपेन्द्र कंवर भीण्डर के नेतृत्व में जनानाओं ने गणगौर की आरती की। इसके बाद सवारी के लिए गणगौर माता को विदा किया। गणगौर को राजमहल से खुली जीप में सवार कर नगर के रावलीपोल, सर्राफा बाजार, नृसिंह मन्दिर रोड होते हुए सुरजपोल पर पहुंची। गणगौर सवारी में सबसे आगे अश्व चल रहे थे उनके पीछे बैण्डबाजे मधुर स्वर लहरियां बजाते चल रहे थे। इनके पीछे महाराज रणधीर सिंह भीण्डर व प्रणवीर सिंह भीण्डर के नेतृत्व में नगर एवं आसपास क्षेत्र के समस्त क्षत्रिय एवं नागरिक पारम्परिक वेशभुषा में चल रहे थे। सबसे अन्त में खुली जीप में गणगौर को राजशाही ठाठ से बिराजित कर रखा था।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
रेलमगरा शाखा, जिला राजसमन्द, राजस्थान-313329
ई-मेल: railma@bankofbaroda.com

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें]
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि
निम्नहस्ताक्षरकर्ता **बैंक ऑफ बड़ौदा** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का अधिनियम संख्यांक 54) के अंतर्गत और धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित, ऋणी **मैसर्स गरीब नवाज पोल्ट्री फार्म प्रोपराईटर श्री मोहम्मद आरिफ पुत्र श्री अजीज मोहम्मद नीलगर** एवं जमानतदार **श्री अजीज मोहम्मद नीलगर पुत्र श्री बदर मोहम्मद एवं श्री ललित कुमार पालीवाल पुत्र श्री गोदू लाल पालीवाल** पर मांग सूचना दिनांक 21.12.2024 पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 21.12.2024 को बकाया राशि रू. 5,09,077.92 (रूपये पाँच लाख नौ हजार सतहतर एवं पैसे बानवे मात्र) (दिनांक 21.12.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई ।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने दिनांक **26, माह मार्च, वर्ष 2025** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है ।
ऋणी को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार दिनांक **21.12.2024 को बकाया राशि रू. 5,09,077.92 (रूपये पाँच लाख नौ हजार सतहतर एवं पैसे बानवे मात्र) (दिनांक 21.12.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व** लागतों का पुनर्भुगतान करने के लिए **बैंक ऑफ बड़ौदा, रेलमगरा शाखा, जिला राजसमन्द, राजस्थान 313329** के प्रभार के अधीन होगा ।
कर्जदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है ।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री अजीज मोहम्मद नीलगर पुत्र श्री बदर मोहम्मद के नाम साम्यिक बंधक दिनांक 24.10.2019 आवासीय सम्पत्ति जो मुख्य बाजार गाँव कुरज, तहसील रेलमगरा, जिला राजसमन्द, राजस्थान 313328 पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 202.50 वर्ग फीट है । सीमाएं- उत्तर: भँवर जी कंदोई का घर, दक्षिण: आम रास्ता, पूर्व: आम रास्ता, पश्चिम: लादू लाल पुत्र देवीलाल तेली का मकान

स्थान: रेलमगरा
दिनांक: 26.03.2025
हस्ता.
मुख्य प्रबन्धक एवं प्राधिकृत अधिकारी

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
रेलमगरा शाखा, जिला राजसमन्द, राजस्थान-313329
ई-मेल: railma@bankofbaroda.com

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें]
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि
निम्नहस्ताक्षरकर्ता **बैंक ऑफ बड़ौदा** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का अधिनियम संख्यांक 54) के अंतर्गत और धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित, ऋणी मैसर्स **माँ चामुण्डा सेल्स एण्ड सर्विस प्रोपराईटर श्री नारायण लाल कुमावत पुत्र स्व. श्री कालू राम कुमावत** एवं जमानतदार श्रीमती रामू देवी कुमावत पत्नी स्व. **श्री कालू राम कुमावत पर मांग सूचना दिनांक 21.12.2024** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर दिनांक 21.12.2024 को बकाया राशि रू. 10,40,930.03 **(रूपये दस लाख चालीस हजार नौ सौ तीस एवं पैसे तीन मात्र) (दिनांक 21.12.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई ।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने दिनांक **26, माह मार्च, वर्ष 2025** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है ।
ऋणी को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार दिनांक **21.12.2024 को बकाया राशि रू. 10,40,930.03 (रूपये दस लाख चालीस हजार नौ सौ तीस एवं पैसे तीन मात्र) (दिनांक 21.12.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **बैंक ऑफ बड़ौदा, रेलमगरा शाखा, जिला राजसमन्द, राजस्थान 313329** के प्रभार के अधीन होगा ।
कर्जदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है ।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्रीमती रामू देवी कुमावत पत्नी स्व. श्री कालू राम कुमावत के नाम साम्यिक बंधक दिनांक 31.12.2019 आवासीय सम्पत्ति जो चावंडा माताजी मंदिर के पास, बामनिया कलां, रेलमगरा, तहसील रेलमगरा, जिला राजसमन्द, राजस्थान 313329 पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 527 वर्ग फीट है । सीमाएं- उत्तर: रास्ता उसके बाद श्री सुख लाल कुमावत का मकान, दक्षिण: श्री बालूराम कुमावत का मकान, पूर्व: रास्ता उसके बाद श्री शंकर लाल कुमावत का मकान, पश्चिम: रास्ता उसके बाद श्री राजू कुमावत का मकान
स्थान: रेलमगरा
दिनांक: 26.03.2025
हस्ता.
मुख्य प्रबन्धक एवं प्राधिकृत अधिकारी

रविवार की दोपहर गुम हुए बालक को कुएं से मृत निकाला

सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम में लोगों की सूचना पर तुरंत टीम मौके पर पहुंची

करौली, (कासं)। जिला मुख्यालय पर गत रविवार को दोपहर के गुम हुए बालक का सोमवार को एक खुले कुएं में शव पडा होने पर उसे रेस्क्यू कर निकालते हुए चिकित्सालय में पोस्टमार्टम की कार्यवाही की गई।

जानकारी के अनुसार सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम में लोगो द्वारा सूचना दी गई कि मासलपुर गेट के पास बागोर में एक बच्चा कुँए में गिर गया है जिसके बाद सिविल डिफेंस इंचार्ज प्रदीप कुमार नेतृत्व में सिविल डिफेंस कि टीम मौके पर पहुंची करीब 2 घंटे चले रेस्क्यू के बाद बच्चे को कुँए से बाहर निकल गया इस मौके पर पुलिस प्रशासन एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे सिविल डिफेंस इंचार्ज प्रदीप कुमार ने बताया कि कुँए में करीब 25 फिट तक पानी था अंदर पाइप मोटर और लड़कियों के बड़े-बड़े पेड़ भी थे जिससे रेस्क्यू में बहुत परेशानी आई मौके पर सिविल डिफेंस टीम के अखलाक अहमद को कुँए में उतारा गया तथा बिलाई कि मदद से बच्चे को बाहर निकाल लिया गया इस इसके बाद उसे राजकीय चिकित्सालय करौली भेजा गया जहां डॉ. ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया मृतक बच्चे का नाम जुनैद बेग पुत्र रफीक बेग निवासी बागोर ढोलीखार का है बालक रविवार से लापता था।

कुएं में गिरे बालक की सूचना पर सिविल डिफेंस इंचार्ज प्रदीप कुमार की मौजूदगी में बाहर निकाला।

- गुम हुए बालक को ढूंढते हुए कुएं पर जाने पर चप्पल तैरते मिली

आसपास लोगों के द्वारा तलाशी कि गई मगर कोई पता नहीं चला सोमवार प्रात: लोगो ने कुँए के पास आकर देखा तो कुँए में चप्पल तैरती मिली तथा पास में बीड़ी बनाने के हेतु लाये जाने वाला सामान था जो वह साथ लेकर आया था उसके मिलने से पता चला इस मौके पर सिविल डिफेंस टीम के सदस्य रामावतार, जयदेव, फरमान, भूपेंद्र, बालकृष्ण, बृजभूषण, तरुण आदि मौजूद रहे।

दौराई-टनकपुर-दौराई नई रेल सेवा का शुभारंभ

रेल यात्रियों को सौगात की कड़ी में नई रेल सेवा का शुभारंभ विधायक अजमेर (दक्षिण) अनिता भदेल की उपस्थिति में हुआ।

अजमेर, (कासं)। रेल यात्रियों को सौगात की कड़ी में गाडी संख्या 15091/15092,दौराई-टनकपुर-दौराई नई रेल सेवा का शुभारंभ दिनांक 31 मार्च 2025 को मुख्य अतिथि माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भारत सरकार भागीरथ चौधरी द्वारा माननीया विधायक अजमेर (दक्षिण) अनिता भदेल की गरिमामयी उपस्थिति में दौराई स्टेशन पर किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक बीसीएस चौधरी के अनुसार दौराई स्टेशन पर आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत फूलों से सुसज्जित गाड़ी संख्या 15091 दौराई- टनकपुर को अतिथियों द्वारा मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा सहित अन्य रेल अधिकारियों, कर्मचारियों व आमजन की उपस्थिति में 16.05 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भारत सरकार भागीरथ चौधरी ने अपने उद्बोधन में अजमेर संसदीय क्षेत्र को नई ट्रेन की यह सौगात देने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का हार्दिक आभार जताया और धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि रेलवे प्रशासन द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए टनकपुर-दौराई (अजमेर)-टनकपुर सप्ताह में 04 दिन नई रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। गाडी संख्या 15092, टनकपुर-(दौराई) अजमेर सप्ताह में 04 दिन नई रेलसेवा 30 मार्च से टनकपुर से प्रत्यक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार व रविवार को 18.20 बजे रवाना होकर अगले दिन 13.55 बजे दौराई पहुँचेगी।

गोदाम में लगी आग, 20 लाख रुपये का सामान जलकर स्वाहा

नदबई/भरतपुर, (कासं)। नदबई कृषि मंडी के समीप स्थित झाडू के गोदाम में अचानक किन्ही कारण के चलते आग लग गई। समीपवर्ती लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन, आग ने विकराल रूप ले लिया। बाद में नदबई, भुसावर, उच्चैन व खेडली दमकल की सहायता से करीब तीन घण्टा मशक्कत कर आग पर काबू पाया गया। लेकिन, इससे पहले गोदाम में रखा करीब 20 लाख रुपए का सामान पूरी तरह जलकर बर्बाद हो गया। सूचना पर थाना प्रभारी विजेन्दर सिंह व अधिशाषी अधिकारी दीपा यादव ने भी मौके पर जांच पडताल की।

- नदबई कृषि मंडी के समीप झाडूं के गोदाम में किन्ही कारण से लगी आग
- आग की लपटे देख लोगों ने मालिक को सूचना दी

विभागीय सूत्रों की मानें तो नदबई निवासी संतोष मंगल व भुसावर निवासी शीतल कंसल ने कृषि मंडी के समीप किराए की दुकान में झाडू का गोदाम बना रखा। पीडित व्यापारी गोदाम बंद कर अपने घर गए। इसी दौरान अचानक अज्ञात कारण के चलते गोदाम में आग लग गई। गोदाम से आग की लपटें देख, समीपवर्ती लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना पर नदबई नगर पालिका दमकल की सहायता से आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन, आग ने विकराल रूप ले लिया। बाद में खेडली, उच्चैन व भुसावर दमकल की सहायता से करीब तीन घण्टा मशक्कत कर आग पर काबू पाया। लेकिन, इससे पहले गोदाम में रखा करीब 20 लाख का सामान जलकर स्वाहा हो गया। इस संदर्भ में समाचार लिखे जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नही हुआ।

दो लोगों पर हमला कर बाड़े में छुपा लेपर्ड

डूंगरपुर, (कासं)। धंबोला पंचायत के घाटी मोहल्ले में लेपर्ड के आने से दहशत का माहौल बन गया है। लेपर्ड ने दो लोगों पर हमला किया और पशु बाड़े में जाकर छुप गया। घटना की सूचना पर वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। वहीं, करीब 9 घंटे बाद उदयपुर से आए शूटर ने लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज किया। स्वास्थ्य जांच के बाद वन विभाग लेपर्ड को जंगल में छोड़ेगा। गांव में लेपर्ड आने का पता तब चला जब सोमवार सुबह स्थानीय निवासी हरीश डामोर अपने भूसा घर में भूसा डालने गए थे। इसी दौरान भूसा घर के अंदर बैठे लेपर्ड ने उन पर हमला करने की कोशिश की। हरीश ने तुरंत भूसे का ग-र लेपर्ड पर फेंक दिया और जान बचाकर भाग निकले। उन्होंने तुरंत लोगों को लेपर्ड की सूचना दी। इस दौरान लेपर्ड ने ग्रामीण सुरेश और बंशी पर पंजों से हमला कर दिया।

घूमर 2025 का भव्य आयोजन किया

भीलवाड़ा, (कासं)। कोहिनूर सेवा समिति के तत्वावधान में राजस्थान स्थापना दिवस के अवसर पर सेठ गजाधर मानसिंह का धर्मशाला में घूमर 2025 का भव्य आयोजन किया गया।

समिति संयोजक कवि रामनिवास रोनी राज ने बताया कि शुभारंभ राजेंद्र सिंह देश प्रेमी की सरस्वती वंदना से हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्ति चीफ इंजीनियर एस. एस.गंभीर थे। अध्यक्षता ओम प्रकाश सेन (डायरेक्टर ओम कंस्ट्रक्शन) ने की तथा विशिष्ट अतिथि समाज सेवक कैलाश लढ़ा थे। इस अवसर पर नन्ही बालिकाओं की बेहतरीन नृत्य की प्रस्तुतियों से समूचा सभागार तालिया की गड़गड़ाहट से झूम उठा। रिद्धिमा सोलंकी व प्राची सोलंकी ने "मैंने पायल है खनकाई अब तू आजा ओ हरजाई" नृत्य प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया, कुमारी दिव्या जैन ने "केसरिया बनडा ओ थारी सूरत प्यारी लागे" प्रस्तुत कर खूब तालिया बटोरी .अर्पिता खोईवाल व अंजलि खोईवाल ने. "गौरी थोड़ा हलवे हलवे चालो कहीं मौच नहीं लग जाए" प्रस्तुत कर खूब वाह वाह लूटी। हंसा नागोरी व रेखा सोलंकी ने "ओ म्हारी घूमर छे नखराली ये माय, घूमर रमवा में जास्यि" प्रस्तुत किया। उपनगरपुर से आए प्रसिद्ध गीतकार गोपाल टेलर ने' रंग रंगीलो म्हारो राजस्थान आन-बान रो प्यारो राजस्थान' पढकर कार्यक्रम को परवान चढ़ाया। कवि श्याम सुंदर तिवारी, मनोहर कुमावत व जयप्रकाश खोईवाल ने राजस्थान के परिवेश पर काव्या पाठ किया। उपाध्यक्ष रमेश चौहान ने "बड़ी लंबी जुदाई, चार दिनों का प्यार ओ रब्बा" गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संरक्षक छीतर मल लढ़ा, लायंस क्लब शक्ति की अनिता आर्य, सुलक्षणा शर्मा उपस्थित थे।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 9.70 लाख की ठगी

डूंगरपुर, (कासं)। साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन ठगी करने वाली गैंग के 2 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को गुजरात के राजकोट और वडनगर से पकड़ा है। आरोपियों ने ऑनलाइन ट्रेडिंग टीप (डब्बा ट्रेडिंग) के नाम पर 9.70 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी की थी। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। साइबर थानाधिकारी गिरधारीलाल ने बताया कि दिलीप मेघवाल पुत्र धूलेश्वर मेघवाल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसमें बताया की ऑनलाइन ट्रेडिंग टीप (डिब्बा ट्रेडिंग) से बड़ी कमाई का लालच दिया गया। जिससे वह लालच में आ गया। उसका डिमेट अकाउंट खुलवाया गया और उससे 9.70 लाख रुपए ऑनलाइन ठगी कर ली। मामले में पुलिस ने केस दर्ज करवाते हुए जांच शुरू कर दी। थानाधिकारी के साथ ही हेड कॉन्स्टेबल मदनलाल, महावीर सिंह, मगन, अभिषेक, साइबर सेल के हेमेंद्र सिंह, चुत्रीलाल की टीम ने तफ्तीश शुरू की। पुलिस ने जिस अकाउंट में पैसे जमा करवाए गए।

अफीम उपज की खरीद आज से

भीलवाडा, (कासं)। राजस्थान के अफीम काश्तकारों द्वारा फसल वर्ष 2024- 25 के दौरान उगाई गई अफीम उपज, जिसमें अफीम गोंद तथा बिना चीरा लगा अफीम डोडा अर्थात सीपीएस दोनो शामिल है, के खरीद का काम 1 अप्रैल 2025 से शुरू होने जा रहा है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त, कोटा (राज.) नरेश बुंदेल ने बताया कि आजादी के बाद से राजस्थान में अफीम की खेती के नियन्त्रण तथा अफीम फसल खरीद का काम भारत सरकार द्वारा स्थापित नोडल एजेन्सी केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा किया जाता रहा है। यह काम केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा जिला अफीम अधिकारी कार्यालयो के अन्तर्गत स्थापित 8 अफीम कृषि प्रभागो भीलवाडा, चित्तौडगढ प्रथम, द्वितीय, तृतीय, झालावाड, कोटा, प्रतापगढ प्रथम एवं द्वितीय के माध्यम से किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस साल अफीम फसल खरीद के लिए जिला-बारॉ, भीलवाडा, झालावाड, कोटा में एक-एक, जिला-प्रतापगढ में दो तथा जिला-चित्तौडगढ में तीन अफीम तौल तथा खरीद सेन्टर बनाए गए है। जिसमें लगभग 28 हजार पॉच सौ काश्तकारों से अफीम गोंद उपज तथा लगभग 13 हजार छह सौ. काश्तकारों से बिना चीरा लगा अफीम डोडा अर्थात सीपीएस उपज की खरीद की जाएगी।

अफीम गोंद खरीद का काम, चित्तौडगढ प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड के काश्तकारों से 1 अप्रैल से, प्रतापगढ द्वितीय खण्ड, भीलवाडा के काश्तकारों से 2 अप्रैल से, प्रतापगढ प्रथम तथा झालावाड के काश्तकारों से 3 अप्रैल से शुरू होगा। कोटा प्रभाग के अन्तर्गत, रामगंज मण्डी तहसील के काश्तकारों से अफीम गोंद खरीद का काम 5 अप्रैल से, रामगंजमण्डी केन्द्र पर तथा अन्य सभी काश्तकारों से 12 अप्रैल से छीपाबडोद केन्द्र पर शुरू किया जाएगा।काश्तकारों से बिना चीरा लगा अफीम डोडा अर्थात सीपीएस उपज की खरीद का काम, झालावाड में 8 अप्रैल चित्तौडगढ द्वितीय खण्ड में 11 अप्रैल से, प्रतापगढ प्रथम खण्ड में 12 अप्रैल से , प्रतापगढ द्वितीय खण्ड में 13 अप्रैल से, चित्तौडगढ प्रथम एवं तृतीय खण्ड में 15 अप्रैल से, भीलवाडा में 16 अप्रैल से शुरू होगा। कोटा प्रभाग के अन्तर्गत, रामगंज मण्डी तहसील के काश्तकारों से बिना चीरा लगा अफीम डोडा अर्थात सीपीएस का काम 6 अप्रैल से, रामगंजमण्डी केन्द्र पर तथा अन्य सभी काश्तकारों से 17 अप्रैल से छीपाबडोद केन्द्र पर शुरू किया जाएगा।

गणगौर माता की शोभायात्रा को देखने के लिए जन सैलाब उमड़ा

सूरौठ , (कासं)। देश की आजादी से पहले जयपुर रियासत का प्रमुख ठिकाना रहे सूरौठ कस्बे में सोमवार को रियासत कालीन परंपराओं के साथ गणगौर माता की सवारी निकाली गई। बैंड बाजों एवं आकर्षक झांकियों के साथ निकाली गई।

- सूरौठ कस्बे में रियासत कालीन परंपराओं के साथ निकाली गणगौर माता की सवारी

गणगौर माता की शोभायात्रा को देखने के लिए जन सैलाब उमड पडा ,करीब 281 साल पहले जयपुर की तर्ज पर सुरौठ में शुरू किए गए गणगौर मेले में अभी भी रियासत कालीन परंपराओं की झलक दिखाई दी। राजस्थान प्रदेश में जयपुर के बाद सूरौठ में ही बड़े स्तर पर गणगौर माता की शोभा यात्रा निकलती है,शोभायात्रा से पहले राजपूत समाज के लोगों और सर्व समाज के पंच पटेलों ने विधिवत रूप से गणगौर माता की पूजा अर्चना की गणगौर माता की शोभायात्रा शाम करीब 5 बजे रियासत कालीन गढ़, सूरौठ महल से शुरू हुई, गणगौर माता की शोभायात्रा में काफी संख्या में सर्व समाज के पंच पटेल शामिल रहे शोभायात्रा बड़ मंदिर, मुख्य चौराहे, पीएनबी बैंक, स्टेशन रोड, पुलिस चौकी, बाजार एवं बस स्टैंड होती हुई गढ़ एवं सूरौठ महल में पहुंची। शोभायात्रा में सूरौठ सरपंच पिंकेश शर्मा, प्रतिनिधि रामअवतार शर्मा, पूर्व सरपंच नत्थू सिंह राजावत पूर्व सरपंच विशन महावर,उपसरपंच श्यामसुंदर सैनी, दिलीप सिंह राजपूत,वीरेंद्र राजपूत,टीटी शर्मा, गोपाल राजपूत , विश्राम मीणा, नरेंद्र बाबा,रमन शर्मा,अनिल राजपूत, भारत , विशाल, , रमाकांत शर्मा, मंगेश गुप्ता, ठंठीलाल सैनी, विवेक शर्मा, रवि राजपूत, भोला राजपूत,मोहित राजपूत सहित काफी संख्या में सर्व समाज के पंच पटेल और राजपूत समाज के लोग शामिल हुए थाना प्रभारी महेश चंद्र मीणा के नेतृत्व में पुलिस पहरे और पूरी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गणगौर माता की सवारी निकाली गई शोभायात्रा में विष्णु भगवान,शिव पार्वती, लव कुश भगवान, मीन भगवान भगतसिंह, जय जोहार, राधा कृष्ण सहित कई झांकियां निकाली गई आकर्षक झांकियों को और गणगौर माता की सवारी को देखने के लिए लोग मकानों और दुकानों की छतों पर जमा हो गए आकर्षक झांकियों ने ग्रामीणों का मन मोह लिया। मेले में रियासतकालीन परंपराओं की झलक देखने की मिली।

गणगौर माता की शोभायात्रा का कस्बे में कई स्थानों पर स्वागत किया गया मेले के दौरान यहां गांधी स्मारक मैदान में रहटको एवं मनोरंजन के साधनों की व्यवस्था की गई। लोगों ने रहरकों में झूलकर दिन भर खूब लुफ्त उठाया। तालाब को जाने वाले मार्ग में अस्थाई दुकान में लगाई गई, जिन पर दिनभर भीड़ रही। मेले में काफी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात रहा, थाना प्रभारी महेश चंद्र मीणा, गजराज सिंह मीना, सहित काफी संख्या में पुलिस कर्मियों ने मेले में व्यवस्थाएं देखी आज मंगलवार शाम को निकलेगी बड़ी गणगौर की सवारी गणगौर मेले के अवसर पर कस्बा सूरौठ में 2 दिन धूमधाम से गणगौर माता की सवारी निकाली जाती है।

1 अप्रैल को भी भव्य तरीके से गणगौर माता की शोभायात्रा निकाली जाएगी जिकड़ी गायन दंगल में कलाकारों ने विभिन्न प्रसंगों पर प्रस्तुत की रचनाएं सूरौठ गणगौर मेले के अवसर पर सीताराम जी के मंदिर के सामने बनाए गए पांडाल में सोमवार को दोपहर जिकड़ी गायन दंगल शुरू किया गया। जिकड़ी गायन दंगल में कलाकारों ने सहित विभिन्न प्रसंगों पर रचनाएं प्रस्तुत की मेला कमेटी के सदस्य नरेंद्र बाबा, जाकिर हुसैन एवं नरेंद्र कौशिक टीपू विजयवर्गीय व विश्राम मीणा ने बताया कि जिकड़ी दंगल में विभिन प्रसंगों पर रचनाएं प्रस्तुत की ।

श्रीगंगानगर में इस बार गेहूं का बुवाई रकबा ढाई हजार हैक्टेयर कम

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में गत वर्ष से इस बार करीब ढ ाई हजार हैक्टेयर गेहूं का बुवाई क्षेत्र कम है। ऐसे में उत्पादन भी इस बार बीते वर्ष से कम रहेगा। व्यापारियों की मानें तो इस बार गेहूं के भावों में भी तेजी रहने से एमएसपी से ऊपर के भावों में बिकने के आसार हैं। इस स्थिति में सरकार को भी कम ही गेहूं मिलने की उम्मीद है। श्रीगंगानगर जिले में गत वर्ष 2, 21120 हैक्टेयर गेहूं बुवाई का रकबा था और करीब 12 लाख एमटी गेहूं का उत्पादन हुआ था। इस बार जिले में गेहूं की बुवाई के समय सिंचाई पानी की कमी के चलते बुवाई कम हुई। कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी किसानों को गेहूं की बजाय कम सिंचाई पानी की मांग वाली फसलों की बुवाई अधिक करने की सलाह दी।

ऐसे में 2, 18556 हैक्टेयर गेहूं का बुवाई हुई और अब उत्पादन भी इस बार 10.91 लाख एमटी के आसपास होने की उम्मीद है, जो कि बीते वर्ष से करीब एक लाख एमटी कम है। व्यापारियों की मानें तो करीब 9 लाख एमटी गेहूं ही मार्केट में आएगा। बाकी गेहूं किसान वर्ष भर उपयोग के लिए घरों में रखेंगे। इस बार दक्षिण भारत के राज्यों से गेहूं की डिमांड अधिक रहेगी। हालांकि इस बार सरकार ने गेहूं का एमएसपी 2450 रुपए व 100 रुपए बोनस यानि 2550 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है, साथ ही श्रीगंगानगर जिले से 5.50 लाख एमटी गेहूं खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है, लेकिन मांग को देखते हुए इस बार गेहूं के भावों में तेजी रहने की संभावना है। किसानों ने उपलब्ध सिंचाई पानी के आधार पर ही गेहूं की बुवाई की। इस कारण गेहूं का बुवाई रकबा भी बीते वर्ष से करीब ढ ाई हजार हैक्टेयर कम रहा। इंदिरा गांधी नहर परियोजना में एक फरवरी से ही सिंचाई पानी किसानों को नहीं मिल रहा है। ऐसे में आईजीएनपी क्षेत्र में गेहूं की फसल प्रभावित हुई है। मुख्य रूप से सूरतगढ़ व रावला क्षेत्र में करीब 50000 हैक्टेयर में बोई गेहूं की फसल इस बार कमजोर है।

किशारी के आत्महत्या के मामले में एक आरोपी पकड़ा

जालोर , (निसं)। जालोर जिले के आहोर पुलिस ने सोमवार को नाबालिग द्वारा आत्महत्या दुष्प्रेरण प्रकरण में शरीक एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया।

जालोर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद्र यादव के निर्देशन में नाबालिक द्वारा आत्महत्या के मामले में परिजनों द्वारा संदेह हाजिर करने पर प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए मोटाराम अति. पुलिस अधीक्षक जालोर एवं जयराम वृताधिकारी वृत आहोर के सुपरविजन रामप्रतापसिंह निरीक्षक पुलिस थानाधिकारी आहोर के नेतृत्व में पुलिस थाना आहोर के प्रकरण का खुलासा करने हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा प्रकरण में संदिग्ध से पूछताछ व अनुसन्धान से विधि से संघर्षरत किशोर के विरूद्ध प्रथम दृष्टयता प्रमाणित पाया जाने पर पुलिस संरक्षण में लिया गया, विधि से संघर्षरत किशोर से अनुसन्धान कर प्रिसीपल मजिस्ट्रेट जालोर के समक्ष पेश कर बाल सुधार गृह में भेजा गया। इसी क्रम में अग्रीम अनुसन्धान जारी रखते हुए त्वरित कार्यवाही कर अन्य संलिप्त आरोपी खुशाल सोलंकी पुत्र राजेन्द्र कुमार जाति माली उम्र 18 वर्ष 05 माह, निवासी माधोपुरा को गिरफ्तार किया गया। आरोपी खुशाल सोलंकी से अनुसन्धान कर अवकाश कालीन मजिस्ट्रेट जालोर के समक्ष पेश किया। जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। प्रकरण में विस्तृत एवं सभी पहलुओं पर गहनता से अनुसन्धान किया जा रहा है।

संक्षिप्त घटना:-प्रार्थी बाबु लाल पुत्र पुनमाजी जाति घाँची उम्र 60 वर्ष नि. माधोपुरा ने एक रिपोर्ट थाना उपस्थित होकर इस आशय की पेश की कि मेरे भतीज की नाबालिक पुत्री जिसने घर के कमरे में पंखे के हुक में चुनी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। हमको संदेह है कि बाहरी अज्ञात के द्वारा मानसिक प्रताड़ना या दबाव के कारण शारीरिक शोषण के उपरान्त नाबालिग द्वारा यह कदम उठाकर फांसी खाई है। वगैरा रिपोर्ट पर मृतका का पोस्टमार्टम करवाकर दर्ज कर अनुसन्धान शुरू किया गया।

सनातन नववर्ष, चैत्र नवरात्रि की दी बधाई

भीलवाड़ा, (कासं)। शहर विधायक अशोक कोठारी ने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर सनातन नववर्ष, चैत्र नवरात्रि, चेटीचंड व राजस्थान दिवस की बधाई शुभकामनाएं दी। मीडिया प्रभारी पंकज आडवाणी ने बताया कि, विधायक कोठारी ने महर्षि गौतम जयंती पर आयोजन समिति द्वारा भव्य शोभायात्रा व विशाल वाहन रैली का बस स्टैंड चौराए पर स्वागत अभिनंदन किया। महर्षि गौतम जयंती की समाजजनों को भावों के साथ बधाई शुभकामनाएं दी। भगवान झूलेलाल का अवतरण दिवस चेटीचण्ड पर पूज्य झूलेलाल मंदिर शाम की सब्जी मंडी में ध्वज पूजा अर्चना व ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होकर सिंधी समाजजनों को बधाई शुभकामनाएं दी। सिंधी समाज ने विधायक अशोक कोठारी का धन्यवाद आभार जताया। जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप मेवाड़ के द्वारा आयोजित शपथ विधि एवं पदारोपण समारोह नंदिनी रिसोर्ट में आतिथ्य ग्रहण कर नवनियुक्त कार्यकारिणी व समाज जनों को बधाई शुभकामनाएं दी। विचार परिवार के कैलाश जी भाई साहब के आशीर्वचन व उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के मुख्य आतिथ्य व सासंद दामोदर अग्रवाल,

सनातन नववर्ष, चैत्र नवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में गणमान्य नागरिव व प्रतिभावान जनों का सम्मान किया।

शहर विधायक अशोक कोठारी के विशिष्ट आतिथ्य में भीलवाड़ा नगर निगम सभागार में माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय द्वारा पूर्व छात्र मिलन समारोह, माणिक्य रत्न संगम कार्यक्रम आयोजित हुआ। साथ ही हिन्दू नववर्ष, चैत्र नवरात्रि व राजस्थान दिवस की हरि शेवा उदासीन आश्रम सनातन मन्दिर में पहुंचकर महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम जी उदासीन के दर्शन कर बधाई शुभकामनाएं दी। श्री गौ सेवा मित्र मंडल एवं पर्यावरण संरक्षण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित "सनातन नववर्ष-गौसेवा सहर्ष" कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा के साथ शहर विधायक अशोक कोठारी ने शिरकत की। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा मंचासीन थे। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों द्वारा उप मुख्यमंत्री का स्वागत अभिनंदन किया गया। जैन समाज द्वारा सिखवाल भवन में आयोजित स्नेह मिलन में उपस्थित होकर बधाई शुभकामनाएं दी, आयोजकगनों ने विधायक का आभार धन्यवाद व्यक्त किया। राजस्थान दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महाराणा प्रताप सभागार में सांस्कृतिक संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक अशोक कोठारी, अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर प्रतिभा देवठिया, सीईओ जिला परिषद चंद्रभान सिंह भाटी ने मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महंत बनवारी शरण (काठिया बाबा), संत मायाराम, संत राजाराम, संत गोविंद राम, ब्रह्मचारी मिहिर, पंडित नवीन शर्मा, भाजपा नगर निगम महापौर राकेश पाठक, पूर्व मुख्य सचेतक कालूलाल गुर्जर, लक्ष्मीनारायण डाड, द्वारिका प्रसाद मंगल, भगवान सिंह चौहान, लादूलाल तेली, कन्हैया लाल स्वर्णकार, विनोद झुरानी, सत्यम शर्मा, भूपेंद्र मोगरा, बाबूलाल टाक, अर्पित कोठारी, गजेंद्र सिंह राठौड़, दिनेश सुथार, शंभू वैष्णव, रमेश सभनानी, गजानंद बजाज, हेमनदास भोजवानी, मनीष सबदानी, पार्षद ओम पाराशर, किशोर लखवानी, ओमप्रकाश बच्छ आदि उपस्थित थे।

ताश के पत्तों पर जुआ खेलते छह आरोपी गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने बालाजी कॉलोनी कस्बा राजगढ में रविवार को मुखबीर की सूचना पर दबिस देकर ताश के पत्तों पर जुआ खेलने के आरोप में छ: आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ताश के पत्ते एवं 20070 रूपये नगदी जब्त कर 13 आरपीजीओ के तहत थाने में प्रकरण दर्ज किया है। राजगढ थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि ओमप्रकाश हैड कास्टेबल मय सुनील कुमार हैड कास्टेबल, जितेन्द्र कास्टेबल, संदीप कुमार कॉस्टेबल, रवि कुमार कॉस्टेबल, कुलदीप कुमार कॉस्टेबल मय सरकारी जीप चालक सतबीर कॉस्टेबल गस्त करते हुए कस्बे के साखू सर्किल पर पहुंचे तो मुखबीर से सूचना मिली कि बालाजी कॉलोनी कस्बा राजगढ के कीकर के पेड के निचे 5-6 व्यक्ति ताश के पतों पर रूपयो का दाव लगाकर जुआ खेल रहे है। सूचना पर उक्त पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो एक किकर के पेड निचे आम रास्ता पर छ: व्यक्ति आमने-सामने बैठे हुए ताश के पत्तो पर जुआ खेलते हुए दिखाई दिये। जिस पर ताश के पत्तो पर जुआ खेल रहे पहले व्यक्ति का नाम पता पुछा तो अपना नाम विरेन्द्र बताया।

मुस्लिम समुदाय ने नमाज अदा की व अमन-चैन की दुआएं मांगी

करौली, (कासं)। करौली में ईद-उल-फितर का त्योहार शांति और सौहार्द के साथ मनाया गया। जिले कि सभी मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय ने नमाज अता की और अमन-चैन कि दुआएं मांगी।

- त्योहार कि खुशियों में शहर के वजीरपुर दरवाजा समेत कई बाजारों में रंगीन लाइटें व गुब्बारों से सजावट की

करौली शहर कि मुख्य नमाज अम्बेडकर चैराहे स्थित लोटन पीर ईदगाह में मौलाना तौफीक अहमद ने अता कराई। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुमानाराम और पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम सहित कोतवाली थाना अधिकारी अध्यात्म गौतम के अलावा कई कांग्रेस कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। त्योहार कि खुशियों में शहर के वजीरपुर दरवाजा समेत कई बाजारों में रंगीन लाइटें और गुब्बारों से सजावट कि गई। जगह-जगह शीतल पेय और मिठाइयों का वितरण किया गया। खीर और सेवइयों की दावतों का आयोजन हुआ। सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश करते हुए कई हिंदू परिवारों ने अपने मुस्लिम भाइयों के घर जाकर ईद की मुबारकबाद दी। पूरे दिन एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई देने का सिलसिला जारी रहा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के तहत पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम के मुताबिक शहर में 150 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए। सभी सार्वजनिक स्थानों और मस्जिदों के आसपास पुलिस की निगरानी रही। प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार क्षेत्र का दौरा कर शांति व्यवस्था का जायजा लिया। वही सामान्य चिकित्सालय करौली के चिकित्सक नमो मीणा के नेतृत्व मे युवाओ ने लोटनपीर ईदगाह पर नमाज अदा कर लौट रहे मुस्लिम समाज के लोगो पर पुष्प वर्षा कि।

शाही परंपरा के साथ शान से नगर परिक्रमा को निकली गणगौर माता की सवारी

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को जनानी ड्योढ़ी में विधि-विधान से गणगौर माता की पूजा-अर्चना की।

गणगौर माता की सवारी को देखने के लिये जयपुर शहर के परकोटे में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

जयपुर। राजस्थान की शाही परंपरा, लोक संस्कृति और आस्था का प्रतीक गणगौर महोत्सव 2025 इस बार और भी भव्यता के साथ मनाया गया। त्रिपोलिया गेट से शाही लवाजमे के साथ निकली गणगौर माता की सवारी ने समूचे शहर को उत्सवमय बना दिया। देशी-विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ इस ऐतिहासिक सवारी को देखने के लिए उमड़ी और राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नजदीक से अनुभव किया।

इस वर्ष पहली बार सूचना एवं प्रोद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदेशभर में लगी 200 एलईडी स्क्रीन्स के माध्यम से गणगौर महोत्सव का सीधा प्रसारण किया गया, जिससे वे श्रद्धालु भी इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बन सके जो स्वयं सवारी में सम्मिलित नहीं हो पाए। इसके अलावा, पर्यटन विभाग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी इस आयोजन का लाइव प्रसारण किया गया।

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि जयपुर के पूर्व राजपरिवार की महिला सदस्यों ने जनानी ड्योढ़ी में विधि-विधान से गणगौर माता की पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात गणगौर माता की सवारी निकली, जिसे पूर्व राजपरिवार के महाराज सवाई पद्मनाभ सिंह ने त्रिपोलिया गेट पर विधिवत पूजा-अर्चना के बाद नगर परिक्रमा के लिए रवाना किया। माता के स्वागत में श्रद्धालुओं ने 'भंवर म्हाने पूजण दे गणगौर' और 'खोल ऐ गणगौर माता खोल किवाड़ी' जैसे लोकगीतों की गूंज से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

- इस बार शोभायात्रा में लोक कलाकारों की संख्या को बढ़ाकर 250 कर दिया गया
- पुलिस बैंड और घूमर नृत्य की विशेष प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

इस बार शोभायात्रा में लोक कलाकारों की संख्या को 150 से बढ़ाकर 250 कर दिया गया। इसके साथ ही सजी-धजी पालकियों, ऊंटों, घोड़ों और हाथियों के लवाजमे को और अधिक भव्य बनाया गया है। सिटी पैलेस से निकलने वाले शाही लवाजमे की संख्या में भी 50 फीसदी की वृद्धि की गई है।

3 अतिरिक्त हाथी, 12 घोड़े (लांसर्स पंचरंगा झंडा लिए हुए), 6 सजे-धजे ऊंट और 2 विक्टोरिया बग्गी शामिल की गई। परंपरागत अनुयायियों के साथ पंखी, अडानी एवं चढ़ी धारक समेत कुल 24 व्यक्तियों का दल उपस्थित रहा। अरवाड़ा संप्रदाय के अनुयायियों ने अपनी विशेष पारंपरिक प्रस्तुति दी।

गणगौर माता के स्वागत हेतु तीन भव्य मंच तैयार किए गए। दो मंचों पर लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां हुईं, जबकि तीसरे मंच पर व्यापार मंडल के सदस्य और महिलाएं माता की पूजा और पुष्पवर्षा करती दिखीं।

पुलिस बैंड और घूमर नृत्य की विशेष प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। पर्यटकों के लिए विशेष बैठने की व्यवस्था की गई।

ड्रोन के माध्यम से पुष्पवर्षा कर माता की शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा के समापन पर तालकटोरा में राजस्थानी लोक कलाकारों ने विशेष प्रस्तुतियां दीं। हिन्द होटल टैरेस पर 500 पर्यटकों के बैठने की विशेष व्यवस्था की गई, जिसमें 200-300 विदेशी पर्यटकों के लिए अतिरिक्त स्थान निर्धारित किया गया।

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि यह आयोजन राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने और इसे वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। गणगौर महोत्सव न केवल आस्था और परंपरा का प्रतीक है, बल्कि यह देश-विदेश के पर्यटकों को राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का भी एक अनूठा माध्यम बन रहा है।

'बिल्डर व बैंक की मिलीभगत से आवंटियों के हित नहीं होंगे प्रभावित'

जयपुर। राजस्थान रेरा अपीलेट अधिकरण ने यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया व जमीन मालिक की ओर से दायर की गयी अपील याचिका को खारिज कर रैरा के आदेश को यथावत रखा गया। अधिकरण ने माना की यदि बैंक द्वारा बिल्डर से मिलीभगत कर गलत तरीके से प्रोजेक्ट पर लोन स्वीकृत किया है तो इससे आवंटियों के अधिकार प्रभावित नहीं होंगे। अधिकरण के पीठासीन अधिकारी युधिष्ठर शर्मा एवं राजेन्द्र कुमार ने यह आदेश अहिंसा सर्किल स्थित आवासीय बिल्डिंग सनराइजर्स के संदर्भ में दिए।

बिल्डिंग के आवंटियों की ओर से अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने बताया कि सनराजर प्रोजेक्ट एसएनजी रियल एस्टेट की ओर से साल 2014 में शुरू किया गया था। जिसमें फ्लैट बुल करवाकर आवंटियों ने करोडों रुपए का भुगतान बिल्डर को कर दिया। वहीं कई आवंटियों ने बैंकों से लोन भी लिया। वहीं साल 2016 में बिल्डर ने आन्ध्रा बैंक में प्रोजेक्ट की बिल्डिंग को गिरवी रखकर 15 करोड रुपए का लोन ले लिया और बाद में लोन राशि को खुर्द-बुर्द कर दिया गया। बिल्डर द्वारा लोन को ना चुकाये जाने पर प्रोजेक्ट की बिल्डिंग को बैंक ने अपने कब्जे में ले लिया गया व आवंटियों के फ्लैटों को नीलामी कर राशि वसूलने का प्रयास किया गया। आवंटियों की शिकायतों पर रैरा द्वारा बैंक की नीलामी प्रक्रिया को रद्द कर प्रोजेक्ट को अपने कब्जे में लेकर इमारत को पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस आदेश को अपीलीय अधिकरण के समक्ष चुनौती दी गयी। जिसने अधिकरण ने यह माना की आवंटी सद्भावी क्रेता है। जिसने इकरारनामा करने के बाद लाखों रूपये की राशि बिल्डर को अदा की गयी है व उन्हें अपने फ्लेट प्राप्त करने का पूर्ण अधिकार है। गौरतलब है कि इस प्रकरण में बैंक द्वारा पूर्व में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में बैंक को रेरा के क्षेत्राधिकार में होने एवं रेरा के कानून को सरफेसी एक्ट के प्रावधानों से सर्वोपरि होने का निर्णय दिया। जिसे बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी सही ठहराया व बैंक की याचिका को खारिज कर दिया गया।

मत्स्य जयंती का आयोजन

जयपुर। मत्स्य युवा मंच की ओर से मत्स्य जयंती के उपलक्ष में, देरा श्री शिक्षण सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय मे मीणा समाज द्वारा, श्री श्री 108 बालक दास महाराज के सानिध्य मे मत्स्य जयंती का आयोजन किया गया। जिसमें जमवा रामगढ़ विधायक महेन्द्र पाल द्वारा ऐतिहासिक धरोहरो का संरक्षण, मीणा इतिहास लेखन, मीणा इतिहास को राजस्थान एजुकेशन बोर्ड मे जोड़ने व जनजाति के विकास को लेकर युवाओं को शिक्षा ओर खेलो मे आगे आने को कहा। वही कार्यक्रम मे भाजपा वक्ता पंकज मीणा ने कहा कि मत्स्य जयंती पर अवकाश कि घोषणा कि जाये, एसटी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नारायण मीणा, प्रोफेसर सोहनलाल मीणा ने अपने विचार रखे। संत बालक दास ने समाज को अपने धर्म, संस्कृति और अपनी परम्पराओ से जुड़े रहने के लिए कहा, उन्होंने कहा अगर युवाओं को संस्कार देने है और समाज का विकास करना है तो हमारे धार्मिक ग्रंथो से जुड़े रहना होगा।

आर्थिक तंगी और गृह क्लेश के चलते पत्नी सहित विधवा चाची की हथौड़ा मारकर हत्या

जयपुर। करधनी थाना इलाके में सोमवार को एक युवक ने अपनी पत्नी सहित विधवा चाची की हथौड़ा मारकर हत्या कर दी। वहीं इसके बाद आरोपी ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि युवक ने अपने बेटे पर हमला करने की भी कोशिश की, लेकिन वह बचकर बाहर भाग गया। इधर बच्चे के चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी दौड़कर आए और पूरा मंजर देख को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस की प्रारम्भिक जांच में सामने आया है कि आर्थिक तंगी और गृह क्लेश के चलते हत्या और आत्महत्या की वारदात की गई है। फिलहाल पुलिस की ओर से मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि करधनी थाना इलाके के बेनाड स्टेशन निवासी पंकज कुमावत (36), उसकी पत्नी सुनीता कुमावत, विधवा चाची मधु कुमावत (55) और बेटे यांश (9) के साथ रहता था। आर्थिक तंगी और गृह क्लेश के चलते पंकज ने अपनी पत्नी और चाची की हथौड़ा मारकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद ने भी फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक पंकज कुमावत ऑटो चलाता था और सोमवार को दोपहर को घर आया और सबसे पहले पत्नी सुनीता कुमावत (33) पर हथौड़े से हमला किया। सुनीता के चीखने की आवाज सुनकर पास के कमरे में बैठा बेटा यांश कुमावत (9) भागकर आया तो वह फर्श पर गिरी पड़ी थी। आरोपी ने बच्चे पर भी हथौड़े से वार किया। शोर होने पर विधवा चाची मधु कुमावत (55) कमरे से बाहर आई और यांश को पकड़कर पीछे किया तो आरोपित पंकज ने चाची पर हथौड़े से वार कर दिया। मौका मिलने पर यांश घर से बाहर भाग गया और जोर-जोर से चिल्लाने लगा। बच्चे को चिल्लाता देख कर कॉलोनी के लोग दौड़ते हुए घर की तरफ आए। इसी दौरान पंकज ने कमरे में घुसकर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

- हत्या करने के बाद आरोपी ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली

थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि पड़ोसियों ने घर में देखा तो फर्श पर खून से सनी दो लाशें पड़ी थी और पंकज का शव फंदे से झूल रहा था। इस बाद पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को मौके पर बुला कर मौके से सबूत जुटाए हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतका सुनीता कुमावत दो महीने की गर्भवती थी। वहीं आरोपी कुछ समय से परेशान चल रहा था। पुलिस टीम को सर्च के दौरान कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मौके से आरोपी पंकज कुमावत, उसकी पत्नी और चाची के मोबाइल मोबाइल जब्त कर सीज कर लिए हैं। मोबाइल की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार सुबह मेडिकल बोर्ड से सभी का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के पोस्टर का विमोचन किया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को उनके निवास पर श्री बड़ के बालाजी के 88वें वार्षिक मेले के पोस्टर का विमोचन भी किया।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न धार्मिक संस्थानों द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया।

शर्मा से महामण्डलेश्वर मनोहरदास महाराज ने मुलाकात की। इस दौरान 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक आयोजित होने वाले सप्तदिवसीय हनुमत् जन्मोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया गया।

मुख्यमंत्री ने 10 अप्रैल को महावीर जयंती के अवसर पर राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित होने वाली "एक जुलूस एक हम, आओ करे महावीर वन्दन" शोभायात्रा तथा श्री बड़ के बालाजी के 88वें वार्षिक मेले के पोस्टर का विमोचन भी किया।

इस दौरान इन संगठनों ने अपने कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा मुख्यमंत्री को कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए संगठनों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

30 साल से बंद रास्ता खुला तो 10 कि.मी. कम हो गई लसाड़िया से चकवाड़ा की दूरी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर जयपुर जिले में संचालित रास्ता खालो अभियान अब ग्रामीणों के लिए वरदान बनता जा रहा है। फागी के लसाड़िया पंचायत के गड्डूड़ा से चकवाड़ा तक की दूरी 10 किलोमीटर कम हुई तो करीब 5 हजार ग्रामीणों की राह आसान हो गई। प्रशासन ने ना केवल 30 साल पुराना रास्ता खुलवाया बल्कि इस रास्ते पर ग्रेवल सड़क बनाने का भी काम जारी है।

अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान की नोडल अधिकारी श्री देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह 3 रास्ते खुलवाए जा रहे हैं। रास्ता खोलो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक आमजन को लाभांवित करने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत विगत एक सप्ताह में जयपुर जिले के समस्त तहसीलों में बरसों से बंद 63 रास्ते खुलवाए गए। अभियान के तहत जिला प्रशासन ने समझाइश एवं सहमति से महज साढ़े 4 महीनों में गांवों, खेतों और ढाणियों के बरसों से बंद पड़े 863 रास्ते खुलवाने में कामयाबी हासिल की है। नोडल अधिकारी देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि 15 नवंबर 2024 से 28 मार्च 2025 तक अभियान के तहत जिले में फागी तहसील में सर्वाधिक 70 रास्ते खुलवाए गए हैं। जिनमें से 40 रास्तों पर ग्रेवल सड़क बनाये जाने का कार्य जारी है। वहीं, 2 रास्तों पर ब्लॉक सड़क का निमार्ण कार्य जारी है।

वहीं, अभियान के तहत जयपुर तहसील में 4 रास्ते, कालवाड़ तहसील में 8 रास्ते, आमेर तहसील में 56 रास्ते, जमवारामगढ़ तहसील में 38 रास्ते, आंधी तहसील में 34 रास्ते, बस्सी तहसील में 41 रास्ते, तूंगा तहसील में 39 रास्ते खुलवाए गए।

डिस्कॉम से राज्य सेवा में आए कर्मचारी को भी मिले पे प्रोटेक्शन व पूर्व सेवा लाभ : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कर्मचारी की सेवा से जुड़े मामले में कहा है कि डिस्कॉम से राज्य सेवा में आए कर्मचारी भी पूर्व सेवाकाल के लाभ व पे प्रोटेक्शन प्राप्त करने के हकदार हैं। वहीं अदालत ने याचिकाकर्ता को राहत देते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता को नियमित वेतन श्रृंखला और उसकी जेवीवीएनएल में पूर्व में की गई सेवा का भी लाभ दें। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश ममता सिंह की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया।

याचिका में अधिवक्ता जीके जोशी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता पूर्व में जेवीवीएनएल में लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त हुई थी। इसके बाद में उसने राजकीय सेवा में भाग लिया और कॉलेज शिक्षा में सहायक आचार्य के पद पर उसे नियुक्ति दी गई, लेकिन विभाग ने याचिकाकर्ता को उसकी पूर्व में की गई सेवा का लाभ और पे प्रोटेक्शन नहीं दिया। इसे याचिकाकर्ता की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि हनी सिंह चौहान के मामले में हाईकोर्ट कह चुका है कि अन्य सेवा से राज्य की सेवा में आने पर भी कर्मचारी को पूर्व की सेवा के भी लाभ दिए जाएंगे। ऐसे में याचिकाकर्ता को पे प्रोटेक्शन से मना करना और पूर्व की सेवा के परिलाभ नहीं देना गलत है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को नियमित वेतन श्रृंखला और पूर्व सेवा का लाभ देने के लिए कहा है।

बाबू वीर कुंवर सिंह शौर्य जयंती पर गूंजेगा सूर्य किरण एरोबेटिक टीम का शौर्य प्रदर्शन

जयपुर। बिहार में पहली बार भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम का रोमांचक हवाई प्रदर्शन होने जा रहा है। यह आयोजन 23 अप्रैल को वीर कुंवर सिंह शौर्य जयंती के अवसर पर गंगा पथ पर किया जाएगा। इस अभूतपूर्व आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए 1 अप्रैल को पटना जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समन्वय बैठक पटना समाहरणालय में आयोजित की जाएगी।

इस बैठक में वायुसेना, नगर निगम, जिला प्रशासन, यातायात पुलिस, एयरपोर्ट अथॉरिटी, और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे। बैठक में सूर्य किरण एरोबेटिक टीम के प्रदर्शन को सुचारू रूप से संचालित करने और सुरक्षा-व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने पर विस्तृत चर्चा होगी। सारण सांसद एवं पूर्व नागरिक विमानन मंत्री राजीव प्रताप रूडी, जो इस ऐतिहासिक आयोजन के मुख्य संयोजक हैं, ने बताया कि यह कार्यक्रम बिहार के लिए अत्यंत गौरवशाली क्षण होगा। उन्होंने कहा कि उनके विशेष आग्रह पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस आयोजन को स्वीकृति प्रदान की है। यह पहली बार होगा जब बिहार में इस स्तर का हवाई प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है।

सारण सांसद एवं पूर्व नागरिक विमानन मंत्री राजीव प्रताप रूडी, जो इस ऐतिहासिक आयोजन के मुख्य संयोजक हैं, ने एयरपोर्ट अथोरिटी के अधिकारियों से बैठक की।

रूडी ने जानकारी दी कि इस प्रदर्शन में भारतीय वायुसेना के नौ विमान बिहटा एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरकर गंगा पथ के ऊपर हवाई करतब प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान विभिन्न प्रकार के एरोबेटिक मूवमेंट्स किए जाएंगे, जो युवाओं के लिए प्रेरणादायक होंगे और वीर कुंवर सिंह की वीरता को श्रद्धांजलि देंगे। बैठक में आयोजन के दौरान सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण की विशेष तैयारियों पर चर्चा होगी। जिला प्रशासन ने यातायात नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। रूडी ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को आमंत्रित किया गया है। लाखों की संख्या में लोगों के गंगा पथ पर इस ऐतिहासिक आयोजन को देखने के लिए जुटने की संभावना है। इसके लिए प्रशासन द्वारा समुचित व्यवस्था की जा रही है। रूडी ने कहा कि यह आयोजन न केवल वीर कुंवर सिंह के शौर्य को नमन करने का अवसर है, बल्कि बिहार के युवाओं को राष्ट्रभक्ति और साहस की प्रेरणा देने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है।

- सूर्य किरण एरोबेटिक टीम के प्रदर्शन की तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु उच्चस्तरीय बैठक
- राजीव प्रताप रूडी के विशेष प्रयास से कार्यक्रम की स्वीकृति

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सेवा में बहाल करें : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोविड-19 के दौरान सेवा से हटाए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को राहत देते हुए मैनेजमेंट कमेटी, भारतीय विद्या भवन, विद्याश्रम को निर्देश दिया है कि वे रामेश्वर लाल मीणा सहित अन्य को सेवा में सभी परिलाभ सहित वापस बहाल करें। हालांकि अदालत ने इस संबंध में राजस्थान गैर सरकारी शैक्षिक संस्थान अधिकरण के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें अधिकरण ने इन कर्मचारियों को बकाया वेतन का पचास फीसदी राशि का भुगतान करने को कहा था। अदालत ने कहा कि कर्मचारियों ने ऐसा कोई रिकॉर्ड पेश नहीं किया, जिससे यह साबित हो की बर्खास्तगी अवधि में वे बेरोजगार थे। ऐसे में नो वर्क-नो पे के सिद्धांत के तहत बकाया भुगतान नहीं किया जा सकता। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश मैनेजमेंट कमेटी, भारतीय विद्या भवन, विद्याश्रम के निदेशक की याचिका पर दिया। मैनेजमेंट कमेटी के अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने बताया कि रामेश्वर लाल मीणा व अन्य स्कूल के हॉस्टल मैस में कर्मचारी थे। कोविड के दौरान हॉस्टल और मैस को स्थाई रूप से बंद कर दिया गया और इन कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी गई। जिसे अधिकरण में कर्मचारियों ने यह कहते हुए चुनौती दी कि उन्हें हटाने से पूर्व शिक्षा निदेशक से मंजूरी नहीं ली गई। इस पर अधिकरण ने 27 सितंबर, 2023 को आदेश देते हुए कर्मचारियों को बहाल कर उन्हें हटाने की तारीख 8 मार्च, 2021 से पचास फीसदी वेतन देने को कहा। इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि कर्मचारियों के पदों को समाप्त करने के चलते उन्हें शिक्षा निदेशक से मंजूरी की जरूरत नहीं थी। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कर्मचारियों को सेवा में बहाल करने को कहा है।

- अदालत ने कोविड-19 के दौरान सेवा से हटाए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को राहत दी

मुस्लिम समाज के लोगों ने ईद की नमाज अदा की

मुख्य नमाज शहर के सांगानेरी गेट ईदगाह पर हुई

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा में ईद-उल-फ़ितर का त्योहार बड़ी धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। शहर के विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में विशेष नमाज़ अदा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की। शहर सहित जिले भर में मस्जिदों में मुस्लिम समाज के लोगों ने ईद की नमाज अदा की।

मुख्य नमाज शहर के सांगानेरी गेट ईदगाह पर हुई, जहां ईद उल फितर पर

- **खुदा की बारगाह में लाखों सिर झुके और ऊपरवाले से अमन-चैन की दुआ मांगी**

खुदा की बारगाह में लाखों सिर झुके और ऊपरवाले से अमन-चैन की दुआ मांगी। ईद के मौके पर बाज़ारों में रौनक रही, और बच्चों ने नए कपड़े पहनकर त्योहार का आनंद लिया। इस अवसर पर गरीबों में दान और ज़कात बाँटने की भी परंपरा निभाई गई। प्रेम और हर्षोल्लास से ईद मनाई जा रही है।

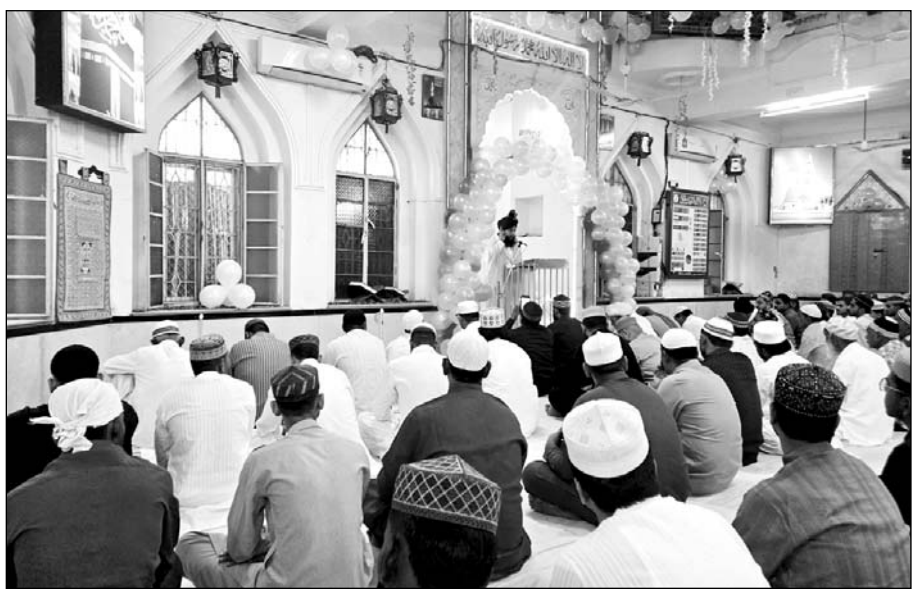

सुभाष नगर उस्मानिया मस्जिद में नमाज अदा करते मुस्लिम समुदाय के लोग।

सांगानेरी गेट ईदगाह पर अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक पारस जैन, ,सीओ सिटी मनीष बड़गुर्जर,कांग्रेस जिलाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी, पूर्व सभापति ओम नरानीवाल सहित जनप्रतिनिधियों ने ईद की बधाइयां दी। इसके साथ ही शहर सहित जिले भर की मस्जिदों में ईद की नमाज अदा कर देश में खुशहाली और अमन चैन की दुआ मांगी गई।

उत्साहपूर्वक मनाया महिलाओं ने गणगौर पर्व

गंगापुर सिटी, (निसं)। सोमवार को समूचे क्षैत्र में सुहाग का पर्व गणगौर सुहागिनो ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। नए परिधानो में सज धज कर महिलाओ ने ईसर गणगौर की पूजा की। भगवान शिव व माता पार्वती को ही ईसर गणगौर के रूप में पूजा जाता है। वहीं नवविवाहिताओ ने सोलह दिन तक ईसर गणगौर की पूजा की। इस दौरान नव विवाहितओ के ससुराल से सिजारा भेजा गया और सिजारे में महिलाओ ने बन ठन कर गणगौर की पूजा कर मैदा से बने गुणा सहित अन्य पकवानो का भोग लगाया। इस मौके पर महिलाओं और कुंवारी युवतियों द्वारा सज-संवरकर सामूहिक रूप से ईसर-गणगौर का पूजन किया गया। कुंवारी युवतियों ने अच्छे वर की और महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु की कामना की। इसदिन महिलाऐ व्रत रख कर अपने की दीर्घायु व परिवार की सुख सम्पति की कामना करती है। जगह जगह गणगौर के गीतो की गुंज सुनाई दे रही थी। वहीं दूसरी ओर नगर परिषद ने भी गाजे बाजे के साथ ब्रदीनाथ मंदिर से शहर मुख्य मुख्य रास्तो से होते हुए गणगौर की सवारी निकाली। सवारी ब्रदीनाथ मंदिर से प्रारम्भ हो कर बैंक ऑफ बडौदा, चौपड बाजार, पंसारी गली, घास मण्डी, चूली गेट पहुंची जहां पर सभापति शिवरतन अग्रवाल, आयुक्त बृजेन्द्र मीना व पार्षदो ने गणगौर देवी को भोग लगाकर व पूजन किया।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने अफीम खरीद सेन्टर बनाए

कोटा, (निसं)। अफीम काश्तकारों के लिए राहत भरी खबर है, 1 अप्रेल से केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा जिला अफीम अधिकारी कार्यालयों के अन्तर्गत स्थापित 8 अफीम कृषि प्रभागों में काश्तकार अपनी उपज बेच सकेंगे।

राजस्थान के अफीम काश्तकारों द्वारा फसल वर्ष 2024- 25 के दौरान उगाई गई अफीम उपज, जिसमें अफीम गोंद तथा बिना चीरा लगा अफीम डोडा अर्थात सीपीएस दोनों शामिल है, के खरीद का काम 1 अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। उप नारकोटिक्स आयुक्त, कोटा (राजस्थान) नरेश बंडल ने बताया कि आजादी के बाद से राजस्थान में अफीम की खेती के नियन्त्रण तथा अफीम फसल खरीद का काम भारत सरकार द्वारा स्थापित नोडल एजेन्सी केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरों द्वारा किया जाता रहा है। यह काम केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरों द्वारा जिला अफीम अधिकारी कार्यालयों के अन्तर्गत स्थापित 8 अफीम कृषि प्रभागों भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ प्रथम, द्वितीय, तृतीय, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़ प्रथम एवं द्वितीय के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस साल अफीम फसल खरीद के लिए जिला-बारां, भीलवाड़ा, झालावाड़, कोटा में एक-एक, जिला-प्रतापगढ़ में दो तथा जिला-चित्तौडगढ़ में तीन अफीम तौल तथा खरीद सेन्टर बनाए गए है जिसमें लगभग 28 हजार पॉच सौ काश्तकारों से अफीम गोंद उपज तथा लगभग 13 हजार छह सौ काश्तकारों से बिना चीरा लगा अफीम डोडा अर्थात सीपीएस उपज की खरीद की जाएगी।

अफीम गोंद खरीद का काम, चित्तौडगढ़ प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड के काश्तकारों से 1 अप्रैल से, प्रतापगढ़ द्वितीय खण्ड, भीलवाड़ा के काश्तकारों से 2 अप्रैल से, प्रतापगढ़ प्रथम तथा झालावाड़ के काश्तकारों से 3 अप्रैल से शुरू होगा । कोटा प्रभाग के अन्तर्गत, रामगंजमण्डी तहसील के काश्तकारों से अफीम गोंद खरीद का काम 5 अप्रैल से, रामगंजमण्डी केन्द्र पर तथा अन्य सभी काश्तकारों से 12 अप्रैल से छीपाबड़ौद केन्द्र पर शुरू किया जाएगा। काश्तकारों से बिना चीरा लगा अफीम डोडा अर्थात सीपीएस उपज की खरीद का काम, झालावाड़ में 8 अप्रैल चित्तौडगढ़ द्वितीय खण्ड में 11 अप्रैल से, प्रतापगढ़ प्रथम खण्ड में 12 अप्रैल से, प्रतापगढ़ द्वितीय खण्ड में 13 अप्रैल से, चित्तौड़गढ़ प्रथम एवं तृतीय खण्ड में 15 अप्रैल से, भीलवाड़ा में 16 अप्रैल से शुरू होगा।

गाजी चौहान का ऐतिहासिक स्मारक बनेगा

मसूदा, (निसं)। वंशीय झाक ठिकाने के शासक रहे ठाकुर गाजीजी चौहान की स्मृति में शिवपुरा घाटा गांव में उनकी प्रतिमा का स्मारक बनाया जाएगा। इस संबंध में रविवार को ब्यावर- अजमेर रोड स्थित सिद्धार्थ भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान अभिषेक सिंह चौहान ने स्मारक निर्माण का प्रस्ताव रखा, जिसे चौहान सभा के सभी सरदारों एवं पदाधिकारियों ने करतल ध्वनि से पारित किया। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि इस कार्य को ग्राम शिवपुरा घाटा स्मारक समिति द्वारा पूर्ण कराया जाएगा। चौहान समाज ने इस स्मारक निर्माण को अपनी सांस्कृतिक धरोहर और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। समाज बंधुओं से इस कार्य को सफल बनाने में अधिक से अधिक योगदान देने की अपील की गई। बैठक में अभिषेक सिंह, राम सिंह, बीरम सिंह, प्रफुल्ल चौहान, अशोक सिंह, सतपाल सिंह, नरेंद्र सिंह, देवी सिंह, नवल सिंह, रसाल सिंह, रत्ना चीता, प्रेम सिंह सहित चौहान महासभा के सभी पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूर्व अधक्ष रतना चीता पूर्व अध्यक्ष हरफूल चौहान, प्रेम चीता चौहान सेना सँथापक सतपाल सिह भवर सिह आदि मौजूद थे।

जाटव बैरवा समाज की महापंचायत मे लिए कई निर्णय

करौली, (निं.सं.)। करौली में डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में जाटव बैरवा समाज कि जिला स्तरीय महापंचायत का आयोजन हुआ। महापंचायत की अध्यक्षता फूलचंद जाटव ने की। आयोजित महापंचायत के दौरान समाज सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मृत्युभोज में किसी भी तरह का भोज नहीं करने का फैसला किया गया। शादी-विवाह में दिखावे के नाम पर होने वाले खर्चों पर पूर्ण रोक लगाई गई। बारात की चढ़ाई और निकासी में डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगाया गया। दहेज लेने और देने पर पूरी तरह से रोक लगाने का निर्णय लिया गया। समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। महापंचायत में नशे के खिलाफ भी कड़ा रुख अपनाया गया। शराब के क्रय-विक्रय पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया। स्मैक और अफीम जैसे नशीले पदार्थों पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया। कार्यक्रम में समाज के उदय सिंह जाटव के अलावा जिले भर से बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी और पंच-पटेल मौजूद रहे।

अवैध हथियार के साथ शातिर बदमाश गिरफ्तार

हिंडौन सिटी, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार के साथ एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है।

- **चौदह मामलों में वांछित आरोपी के पास से देशी कट्टा और कारतूस बरामद**

आरोपी की पहचान बझेड़ा निवासी भूपेंद्र मीना के रूप में हुई है। सदर थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक बदमाश क्षेत्र में वारदात की योजना बना रहा है। पुलिस टीम तुरंत चांदौर नदी की पुलिया पर पहुंची। वहां एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। जांच में सामने आया कि आरोपी भूपेंद्र मीना के खिलाफ विभिन्न थानों में कुल 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें बगरू, जवाहर सर्किल, करौली कोतवाली, प्रताप नगर, चित्रकूट, मालवीय नगर और हिंडौन सदर थाना शामिल हैं। इस सफल कार्रवाई में हैड कांस्टेबल भल्लू सिंह, भरत सिंह, प्रधान और श्याम सिंह की टीम शामिल थी। विशेष रूप से कांस्टेबल प्रधान सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इसी तरह वारदात की फिराक में घूम रहे युवक को देसी कट्टा, जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा। जिला स्पेशल टीम व सदर पुलिस थाना टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए किसी वारदात करने की फिराक में घूम रहे एक युवक को पावटियानकापुरा के पास से देसी कट्टा व दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया । सदरथाना प्रभारी देवेन्द्र शर्मा व अशोक कुमार के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल शिवसिंह, जिला स्पेशल टीम के देवेश कुमार, अशोक, धनीराम, दयाल, सतेन्द्र अवस्थी, आकाश मुखबिर की सूचना पर पावटियानकापुरा रास्ते पर पहुंचे। वहां एक युवक को पकड़कर तलाशी तो उसके पास देसी कट्टा व दो जिंदा कारतूस मिले। अपना नाम जीतेन्द्र जाटव बताया जिसे आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया।

कर्नल बैंसला की पुण्यतिथि पर सर्व समाज ने रोगियों को किये फल वितरण

करौली, (निं.सं.)। कर्नल किरोड़ी सिंह बैसला कि पुण्यतिथि पर करौली सामान्य चिकित्सालय में फल एवं सर्व समाज कि ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रखा गया। कार्यक्रम मे करौली के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुमनाराम,करौली धौलपुर लोकसभा प्रत्याशी इंदूदेवी जाटव, करौली अस्पताल के पीएमओ डॉ रामकेश मीणा, डॉ. सुशील मीणा, डॉ. भुवनेश बंसल, डॉ. राहुल गुर्जर सहित भाजपा जिला महामंत्री धीरेंद्र बैंसला, करौली पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम, पांचना पर्यटन विकास समिति के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह बैंसला, जयसिंह मीणा, रूप सिंह गुर्जर,विक्रम किराना, भानु प्रताप सिंह उर्फ बटरू गुर्जर के नेतृत्व में करौली के प्रमुख लोगो ने कर्नल बैंसला को अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कर्नल बैंसला के दिए हुए संदेशों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। वही सामान्य चिकित्सालय मे भर्ती रोगियो को फल वितरण किये गये।

कैलादेवी मेले के दौरान 6 घंटे बसों का संचालन बंद रहा

करौली, (निं.सं.)। कैलादेवी मे चल रहे चैत्र नवरात्रि मेले के दौरान राजस्थान रोडवेज कि बस सेवा पूरी तरह से ठप हो गई है। रोडवेज कर्मचारियों ने ओवरटाइम और ड्यूटी भत्ते में कटौती के विरोध में हड़ताल शुरू कर दी जिससे पुलिस और प्रशासन के अधिकारियो मे हडकंप मच गया वही जिला प्रशासन,रोडवेज प्रबंधन जयपुर से आये अधिकारियो कि समझाईश के बाद चालक परिचालक मान गये और 6 घंटे बाद पुन: बसो का संचालन शुरू कर दिया।

करौली रोडवेज बस स्टैंड प्रभारी शिवदयाल शर्मा ने बताया कि कैलादेवी मेला क्षेत्र में रोडवेज कर्मचारियो ने अपनी मांगो को लेकर बसों का संचालन पूरी तरह से बंद कर दिया। रोडवेज बसो के चालक, परिचालको ने बताया कि मेला ड्यूटी के दौरान 24 घंटे काम कर रहे हैं लेकिन उनके ओवरटाइम और ड्यूटी भत्ते में कटौती कि जा रही है। कर्मचारियों कि मांग थी कि पूर्व में लागू व्यवस्था को बहाल किया जाए। हड़ताल से दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानियो का सामना करना पडा हजारों यात्रियों को महँगे किराया देकर निजी वाहनों का सहारा लेना पडा जिसको देखते हुए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के अधिकारियो के हाथ पॉव फूल गये और करौली जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,कैलादेवी पुलिस उपाधीक्षक,जिला परिवहन अधिकारी को कैलोदवी मेला क्षेत्र मे पहुँचकर दीनार्थीयो को निजी बसो से गणतव्य स्थानो तक पहुँचाने कि व्यवस्था की।

हड़ताल पर बैठे रोड़वेज कर्मचारी।

कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी हड़ताल जारी रहेगी। कैलादेवी मेला राजस्थान के सबसे बड़े मेलों में से एक है। हर साल लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। बस सेवा का बंद होना मेले कि व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। जिसको देखकर जिला कलेक्टर ने रोडवेज के एमडी सुची त्यागी को हडताल से अवगत कराते हुए यात्रियो कि सुविधा हेतु अधिकारियो से चर्चा कि मामले कि जानकारी मिलते ही जयपुर रोडवेज प्रबंधन से उपमहाप्रबंधक वित दीपक खंडेलवाल, यातायात महाप्रबंधक मनोज बंसल, जोनल मैनेजर ललित शर्मा,मेला अधिकारी रवि मेहरा करौली पहुँचे जहा उन्होने कैलादेवी मेला कैंप रोडवेज स्टैण्ड पर धरने पर बैठे धरनार्थीयो के साथ मेला मजिस्ट्रेट कैलादेवी प्रेमराज मीणा,कैलादेवी पुलिस उपाधीक्षक मीना मीणा,जिला परिवहन अधिकरी धारासिंह कि उपस्थिति मे रोडवेज यूनियन प्रतिनिधी हरलाल सीकर आगार, जितेन्द्र सिंह केन्द्रिय कार्यशाला, दौसा डिपो के विक्रम सिंह एवं महिपाल यादव के साथ उनकी मांगो पर चर्चा करते हुए समझाईश की।

सूरौठ में ईदुल फितर ईद की नमाज अदा की

सूरौठ, (निसं)। कस्बे में हिन्दू भाईयों ने मुस्लिम भाइयों को गले मिल दी ईद की मुबारकबाद। मुस्लिम समाज ने पवित्र रमजान माह की ईद का त्यौहार ईदगाह में ईद की नमाज अदा कर मनाया इस अवसर पर हिन्दू मुस्लिम एकता की मिसाल देखी गई।

सूरौठ में ईदगाह स्थल पर मुस्लिम समाज के लोगों ने सुबह मौलवी हाफिज मौलाना मुख्तार, हाफिज सहूद के सानिध्य में मुख्य नमाज अदा कर अमन चैन की दुआ मांगी ईद की नमाज के बाद हिन्दू व मुस्लिम भाइयों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। नमाज के बाद, ईदगाह स्थल के बाहर मौजूद व गांधी स्मारक चौराहे पर केदार मीना, अमर सिंह मीणा, विश्राम मीणा,रमन शर्मा भोला मीना राम हरि मीना, कल्ला मीना सहित सर्व समाज के लोगों ने मुस्लिम समाज के लोगों का दस्तारबंदी कर अभिनंदन कियां जिससे हिंदू-मुस्लिम समाज में कौमी एकता की मिसाल कायम हुई इस अवसर पर जहीर खान खलील खांन, बाबू साईं,जब्बार खान, अज्जू हांजी,कलुआ खान, वकील खांन, कल्ला खान ,फजला खांन , गनी खान पप्पू खांन, ,मंगती , चांद खांन कल्ला तैयब, रमजानी खांन सहित अन्य मुस्लिम समुदाय के लगो ने हिन्दू मुस्लिम एकता पर खुशी जाहिर की। ईद के त्योहार को लेकर थाना प्रभारी महेश चंद्र मीणा के सानिध्य में सुरक्षा की व्यवस्था की गई। साथ ही ईद के त्योहार पर घरों में मीठी सिब्बईया बनाकर खिलाई ईद के त्योहार को लेकर घरों में खुशियां मनाई गई ।

डिप्टी सीएम बैरवा का भव्य स्वागत

भीलवाडा । डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा भीलवाड़ा दौरे पर रहे। इस दौरान आजाद नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा डिप्टी सीएम डॉ. बैरवा को शॉल, साफा पहनाकर प्रभु श्रीरामलला की तस्वीर सप्रेम भेट कर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। स्वागत के दौरान आजाद नगर युवा संगठन अध्यक्ष प्रदीप जागेटिया सहित रवि पलोड़, अमित पलोड़, सौरभ सोमानी, अंकुश कोठारी, अंकित जागेटिया उपस्थित रहे। साथ ही महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशान्त मेवाड़ा, सांसद दामोदर अग्रवाल, शहर विधायक अशोक कोठारी एवं अति. पुलिस अधीक्षक पारसमल जैन उपस्थित रहे। युवा संगठन द्वारा सभी का स्वागत किया गया। इससे पुर्व डिप्टी सीएम बैरवा ने जिला मुख्यालय पर श्री गौ सेवा मित्र मंडल एवं पर्यावरण संरक्षण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

कोटा होकर सांगानेर (जयपुर)-पुणे के बीच 12 ट्रिप साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलेगी

कोटा, (निसं)। रेलवे द्वारा गर्मियों की छुट्टियों में अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान मे रखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु पुणे-सांगानेर (जयपुर)-पुणे स्पेशल रेल सेवा (12 ट्रिप) का संचालन किया जा रहा है।

गाड़ी संख्या 01433, पुणे-सांगानेर (जयपुर) साप्ताहिक स्पेशल दिनांक 09.04.25 से 25.06.25 तक (12 ट्रिप) पुणे से प्रत्येक बुधवार को 09.45 बजे रवाना होकर कोटा रात 02.05 बजे आगमन कर गुरूवार को 05.40 बजे सांगानेर पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01434, सांगानेर (जयपुर)-पुणे साप्ताहिक स्पेशल दिनांक 10.04.25 से 26.06.25 तक (12 ट्रिप) सांगानेर से प्रत्येक गुरूवार को 11.35 बजे रवाना होकर कोटा 15.00 बजे आगमन कर शुक्रवार को 09.30 बजे पुणे पहुँचेगी। इस गाड़ी में 01 सैकण्ड एसी, 05 थर्ड एसी, 10 द्वितीय शयनयान, 04 द्वितीय साधारण श्रेणी एवं 02 गार्ड डिब्बों सहित कुल 22 कोच होगें। गाड़ी के हाल्ट- यह गाड़ी दोनों दिशाओं में सांगानेर से पुणे के मध्य सवाई माधोपुर, कोटा, रतलाम, वड़ोदरा, अंकलेश्वर, सूरत, बलसाड़, पालघर, वापी, वसई रोड, कल्याण, करजत एवं लोनावाला स्टेशनों पर रूकेगी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कोटा सौरभ जैन ने बताया कि सीजन में स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। यात्रियों से अनुरोध है कि उक्त ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 एवं ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करे।

अफीम डोडा-चूरा सहित एक गिरफ्तार

छबड़ा, (निसं)। बापचा पुलिस ने एमपी निवासी एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 20 किलोग्राम से अधिक अफीम डोडा-चूरा बरामद किया व मौके पर से एक बाईक भी जब्त की गई। बापचा थानाधिकारी बुद्धराम जाट ने बताया कि गजराजसिंह यादव के खेत के पास कोटरापार से भोजपुर रोड़ पर की गई नाकाबंदी के दौरान भोजपुर रोड़ की तरफ से एक पेशन प्रो मोटरसा किल आती हुई दिखाई दी, जिसके चालक ने पुलिस जाप्ते देखकर बाईक को एकदम से घुम कर जाने का प्रयास किया। किंतु पुलिस टीम ने डिटेन कर चालक से उसका नाम पता पूछा तो उसने उसका नाम हरिकिशन मीणा (55) पुत्र राधाकिशन निवासी मंगरोडा थाना फतेहगढ जिला गुना (मध्यप्रदेश) का होना बताया। जिसकी मोटरसा किल के पीछे बंधे प्लास्टिक के सफेद कट्टे को खोलकर देखा तो कट्टा अवैध मादक पदार्थ अफीम-डोडा चुरा से भरा हुआ था।

गणगौर उत्सव का आयोजन किया

भरतपुर, (निसं)। मॉम्स वेलफेयर सोसाइटी द्वारा गणगौर उत्सव का आयोजन पायल गोयल की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रंजना तिवारी जया सिंघल रुना गुलाटी रिचा खंडेलवाल आदि रही गणगौर उत्सव पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता कराई गई बेस्ट गौरा गौरी का किताब मीरा गोयल ममता जैन संगीता शर्मा रंजना जी जीता सेठ जी का किताब ममता अग्रवाल ने जीता। नखराली गणगौर, सुहागिन गणगौर, गुलाबी गणगौर आदि कंपीटीशन रखे गए राजस्थानी रैंप वॉक राजस्थानी डांस आदि प्रतियोगिताएं रखी गई कार्यक्रम अंजना जैन आशा अग्रवाल ने मंच संचालन किया । सास बहू जोडी में वर्षा अग्रवाल ज्योति अग्रवाल विनर रही संस्थापक रितु अनुराग गर्ग ने बताया कि गणगौर हमारी राजस्थानी संस्कृति का प्रतीक है । नवविवाहिताएं, महिलाएं और बालिकाएं अपने घरों में गणगौर का पूजन करते है । यह पर्व मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा मनाया जाता है, जिसमें वे सुखी दांपत्य जीवन, अखंड सौभाग्य और संतान सुख की प्राप्ति के लिए माता गौरी और भगवान शिव की उपासना करती हैं ।

गणगौर कार्यक्रम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर नेहा अग्रवाल, तृप्ति अग्रवाल नीलम सिंगल, वर्षा अग्रवाल, शालु जैन रही। मॉम्स ग्रुप से सरोज खंडेलवाल प्रीति जैन रेणु कुंतल मीनू साइन भूमि रिया चंद्रिका प्रिया गोयल नीलम रिंकी अनु रेखा अलका प्रिया बबीता आदि सदस्य मौजूद रहे अंत में सचिव सीलम सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस ने बेरोजगारों का भविष्य खराब किया : डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

कोटा, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के भतीजे भंवरलाल के निधन पर संवेदना प्रकट करने आज कोटा पहुंचे कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने मंत्री दिलावर के रंगबाड़ी स्थित आवास पर पहुंचकर स्वर्गीय भंवरलाल को श्रद्धा सुमन अर्पित किए तथा शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर से मुलाकात की।

- **शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के भतीजे भंवरलाल के निधन पर संवेदना प्रकट करने कोटा पहुंचे कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा**

मंत्री मदन दिलावर से मुलाकात के बाद दिलावर के ही आवास पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश के बेरोजगारों का भविष्य बर्बाद कर दिया। कांग्रेस राज में कुल 18 भर्ती परीक्षाएं हुई जिनमें से 17 परीक्षाओं में फर्जीवाड़ा किया गया। पेपर लीक हुए भाजपा सरकार ने आते ही मामले में जांच की है और भारत के इतिहास में पहली बार 50 थानेदार जेल के अंदर है और बाकी भागे भागे फिर रहे हैं। मामला जांच में है, कोई नहीं बचेगा। डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने किसानों को फसल मुआवजे के सवाल के जवाब में कहा कि बूंदी के कुछ किसान मुझे मिले थे। कोटा में भी किसानों ने उन्होंने शिकायत की है कि कंपनी ने मुआवजा नहीं दिया। कंपनी को 109 करोड रुपए का मुआवजे का भुगतान करना था किंतु उन्होंने केवल किसानों को 9 करोड रुपए का भुगतान किया है। शेष 100 करोड रुपए का भुगतान नहीं किया। मामला हमारे संज्ञान में है और हम इसकी जांच करवा रहे हैं। किसानों को पूरा मुआवजा दिलवाया जाएगा।

आज सोमवार को शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के घर पर सांत्वना देने आने वाले तमाम नेताओं अधिकारी गणों का तांता लगा रहा।

कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा के अतिरिक्त पूर्व मंत्री सुभाष महरिया, लाडपुरा (कोटा) की विधायक कल्पना देवी,राजगढ़ अलवर के विधायक सुखवंत सिंह,भीलवाड़ा के विधायक अशोक, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मोती लाल मीणा, रामलाल शर्मा पूर्व विधायक चौमू (जयपुर), भाजपा के प्रत्याशी रहे ओलंपियन खिलाड़ी देवेंद्र झांझरिया, राजसमंद जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन बैरवा राजसमंद की जिला प्रमुख रतनी देवी जाट,कोटा जिला कलेक्टर रविंद्र गोस्वामी, कोटा नगर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अमृता दोहन,किसान मोर्चा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हरिराम रिणवा, अपेक्स बैंक के अध्यक्ष रामलाल,अलवर भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता,सीकर के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं व्यवसायों कमल सिखवाल सहित अन्य भाजपा नेता जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी गण मंत्री दिलावर के आवास पर पहुंचे तथा भतीजे स्वर्गीय भंवरलाल दिलावर को श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि 10 दोनों चढ़ाना गांव में एक सड़क दुर्घटना में मंत्री दिलावर के भतीजे भंवर लाल दिलावर का निधन हो गया था 58 वर्षीय भंवर दिलावर सरकारी शिक्षक थे तथा स्कूल की छुट्टी होने के उपरांत अपनी मोटर साइकिल से वापस घर लौट रहे थे। तभी यह दुखद हादसा घटित हुआ।

राजकीय और निजी स्कूलों से प्रति छात्र 20 रुपए वसूले, दूसरी किस्त में 10-10 रुपए और मांगे

बोर्ड परीक्षाएं देने वाले विद्यार्थियों से भी लिया जा रहा शुल्क

बीकानेर, (निसं)। राज्य स्तरीय समान परीक्षा में होने वाले खर्च की भरपाई के लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा, सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों से गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष 3 गुना अधिक परीक्षा शुल्क वसूला जा रहा है।

प्रदेशभर में अर्द्ध वार्षिक परीक्षा के लिए अब तक प्रति छात्र 20 रुपए की दर से करीब 8 करोड़ रुपए लिए जा चुके हैं, अब दूसरी किस्त में 10-10 रुपए प्रति छात्र दर से 4 करोड़ रुपए और वसूलने की तैयारी है। हैं। वहीं, दूसरे चरण में वार्षिक परीक्षा के लिए यह राशि स्कूल के विधार्थी कोष से देने को कहा गया है। दरअसल,गत वर्ष तक कक्षा 9 से 12 वीं की अर्द्धवार्षिक परीक्षा जिला स्तर पर होती थीं। इनमें प्रश्न पत्र की छपाई के लिए हर जिले में अलग-अलग राशि संग्रहित की जाती थी। किसी जिले में प्रश्न पत्र छपाई के 8 तो कहीं 12 रुपए की दर से संग्रहित किए जाते थे। राज्य के किसी भी जिले में 12 रुपए की दर से अधिक राशि नहीं ली गई, लेकिन इस बार अर्द्धवार्षिक परीक्षा को जिला स्तर से राज्य स्तरीय कर दिया गया। जिसमें खर्च हुई राशि की भरपाई के लिए स्कूलों से तीन गुना अधिक वसूली की जा रही है।

- **प्रश्न पत्र छपाई की एवज में ली जाती है राशी**
- **राज्य के किसी भी जिले में 12 रुपए की दर से अधिक राशि नहीं ली गई**

शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह कहते हैं, प्रदेश में 19 लाख 58 हजार 509 परीक्षार्थी 10 वीं व 12 वीं के हैं। निदेशालय के आदेशानुसार इनके भी स्कूलों से दस-दस रुपए अतिरिक्त प्रति छात्र वसूले जाएंगे। जबकि ये परीक्षार्थी समान परीक्षा के अधीन परीक्षा देंगे ही नहीं। ये सिर्फ अर्द्ध वार्षिक परीक्षा ही समान परीक्षा के तौर पर देते हैं। वर्तमान में वार्षिक परीक्षाएं दे रहे हैं। वहीं, इनकी वार्षिक परीक्षा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कराता है, जिसका परीक्षा शुल्क भी अलग से स्कूलों द्वारा जमा करवा चुके हैं। इसके बावजूद 10-10 रुपए की अतिरिक्त परीक्षा शुल्क लेना गलत है।

शिक्षक संघ रेसटा के प्रतिनिधिमंडल ने मामले को लेकर कैबिनेट मंत्री डॉ.किरोड़ी लाल मीणा को ज्ञापन सौंप करके विरोध जताया है। शिक्षकों ने राज्य स्तरीय समान परीक्षा विद्यालयों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ा रही है और छात्र कोष पर भी बोझ साबित हो रही हैं।

एक तरफ तो नई शिक्षा नीति, बोर्ड परीक्षाओं को क्रमबद्ध तरीके से हटाने की दिशा में बढ़ रही हैं दूसरी तरफ राज्य में समान परीक्षा के माध्यम से बिना बोर्ड की कक्षाओं की परीक्षा प्रक्रिया को खर्चीली और जटिल किया जा रहा है। संघ की मांग हैं कि पूर्व की भांति जिला समान परीक्षा व्यवस्था को बहाल किया जाएं और वर्तमान में 10 रुपए अतिरिक्त शुल्क के आदेश को तुरंत वापस लिया जाए।

मोहर सिंह सलावद,प्रदेशाध्यक्ष, शिक्षक संघ रेसटा,राजस्थान का कहना है कि राज्य में पहले जिला स्तर पर जिला समान परीक्षा के माध्यम से अर्द्धवार्षिक परीक्षा होती थी । लेकिन इस वर्ष पहली बार राज्य स्तरीय समान परीक्षा का आयोजन करवाया गया। जिसमें स्कूलों के छात्र कोष खाते से प्रति विद्यार्थी 30 रुपए के हिसाब से भुगतान करने से छात्र कोष खाली हो जाएगा। क्योंकि सरकारी स्कूलों में कक्षा एक से आठवीं तक कोई प्रवेश शुल्क नहीं है केवल कक्षा 9 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों से शुल्क लिया जाता है, जिससे वर्षभर स्कूलों में होने वाले कार्यों में राशि खर्च की जाती है। ऐसे में सरकार को अब तक प्रति छात्र 20 रुपए की वसूली के बाद दूसरी किस्त में वसूले जाने वाले 10 रुपए अतिरिक्त शुल्क को बंद किया जाना चाहिए।

मेरा ये कदम देखकर फैंस हुए खुश, बैसाखी लेकर चल रहे राहुल द्रविड़ दिग्गज का हाल जानने पहुंचे। - **महेन्द्र सिंह धोनी**

भारतीय बल्लेबाज, राजस्थान रॉयल्स के हेड के पैर में लगी जुटो के बारे में पूछने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रियान पराग

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर स्लो ओवर रेट के लिए ने 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। ने 30 मार्च को गुवाहाटी में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सीजन का 11वां मैच खेला था। इसमें राजस्थान की टीम दूसरी पारी में फिल्डिंग करने उतरी थी। टीम निर्धारित समय में 20 ओवर नहीं फेंक पाई थी। इसके बाद भी राजस्थान ने अपनी पहली जीत दर्ज कर ली थी। टीम ने को 6 रन से हराया था। हार्दिक पांड्या पर भी लगा था जुर्माना यह 2025 का दूसरा स्लो ओवर रेट का मामला है।

क्या आप जानते हैं ?... वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज जोएल गार्नर ने 1977 से 1987 के बीच 98 वनडे मैच खेले।

मुंबई ने 2025 में पहला मैच जीता

कोलकाता को 8 विकेट से हराया, अश्विनी कुमार को 4 विकेट, रायन रिकेलटन की फिप्पी

मुंबई, 31 मार्च। मुंबई इंडियंस ने 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स को 8 विकेट से हरा दिया। टीम ने 117 रन का टारगेट 12.5 ओवर में चेज कर लिया। रायन रिकेलटन 62 और सूर्यकुमार यादव 27 रन बनाकर नाबाद लौटे। रोहित शर्मा ने 13 और विल जैक्स ने 16 रन बनाए। दोनों को आंद्रे रसेल ने आउट किया।

वानखेड़े स्टेडियम में सोमवार को मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम 16.2 ओवर में 116 रन पर ऑलआउट हो गई। से डेब्यू कर रहे अश्विनी कुमार ने 3 ओवर में 4 विकेट लिए। वे डेब्यू मैच में 4 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने।

अश्विनी के अलावा दीपक चाहर को 2 विकेट मिले। ट्रेंट बोल्ट, हार्दिक पंड्या, विग्नेश पुथुर और मिचेल सैंटनर को एक-एक विकेट मिला। कोलकाता से अंगकृष रघुवंशी ने सबसे ज्यादा 26 और रमनदीप सिंह ने 22 रन बनाए।

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सुनील नरेन, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती। इम्पैक्ट: मनीष पांडे।

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रायन रिकेल्टन (विकेटकीपर), विल जैक्स, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, नमन धीर, मिचेल सैंटनर, दीपक चाहर, ट्रेंट बोल्ट, अश्विनी कुमार और विग्नेश पुथुर। इम्पैक्ट: रोहित शर्मा।

रसेल को दूसरा विकेट, विल जैक्स 16 रन बनाकर आउट : 11वें ओवर में मुंबई ने दूसरा विकेट गंवाया। विल जैक्स 16 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें आंद्रे रसेल ने अंजिक्य रहाणे के हाथों कैच कराया। इसी ओवर में मुंबई ने 100 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया। छठे ओवर में मुंबई ने पहला विकेट गंवाया। यहां रोहित शर्मा 13 रन बनाकर आउट हुए।

पंजाब की बदशाहत को चुनौती देने को तैयार पंत की सेना

लखनऊ, 31 मार्च। उत्साही कप्तान ऋषभ पंत की अगुवाई में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) मंगलवार को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) पर जीत दर्ज कराने के इरादे से अपने घरेलू मैदान इकाना स्टेडियम पर उतरेगी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 13वें मैच में लखनऊ के निकोलस पूरन की धमाकेदार फॉर्म और पंजाब के श्रेयस अय्यर की कप्तानी की झलक देखने को मिलेगी। दोनों टीमों ने टूर्नामेंट की शुरुआत में ही शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है। पूरन शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने अपने पिछले पांच मैचों में 250 से अधिक रन बनाए हैं और अकेले दम पर एलएसजी के लिए मैच का रुख बदला है। इस बीच, अय्यर की कप्तानी और पीबीकेएस के शुरुआती मैच में 42 गेंदों पर नाबाद 97 रन ने उनके अभियान को एक नया आयाम दिया है। दोनों टीमें अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए उत्सुक हैं, ऐसे में यह मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है। लखनऊ ने अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से एक विकेट से मिली हार के बाद जोरदार वापसी की और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल की। दूसरी ओर, पंजाब ने अपने अभियान की शुरुआत गुजरात टाइटन्स पर शानदार जीत के साथ की। पूरन के अलावा, मिशेल मार्श ने उनकी हालिया जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने एलएसजी के लिए 31 गेंदों पर 52 रनों की ठोस पारी खेली। ऋषभ पंत और डेविड मिलर अभी तक कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं, लेकिन मैच जिताने वाली पारी खेलने की क्षमता रखते हैं। गेंदबाजी के मोर्चे पर, शार्दुल ठाकुर ने दो मैचों में छह विकेट लेकर अगुआई की है।

युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने पिछले मैच में प्रभावित किया, जबकि रवि बिश्नोई बीच के ओवरों में अहम खतरा बने हुए हैं। अय्यर की अगुआई में पंजाब की बल्लेबाजी मजबूत दिख रही है। प्रियांश आर्य और शशांक सिंह ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेली। गेंदबाजी विभाग में अर्शदीप सिंह और मार्को जेनसन से आक्रमण की अगुआई करने की उम्मीद है। युजवेंद्र चहल लखनऊ की पिच पर अहम भूमिका निभाएंगे, जो बीच के ओवरों में स्पिनरों के लिए अनुकूल है। लखनऊ स्टेडियम में संतुलित सतह होने की उम्मीद है, जिसमें स्पिनर बीच के ओवरों में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं, हालाँकि मैच में बाद में ओस पड़ने से लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को फ़ायदा हो सकता है। मौसम का पूर्वानुमान गर्म और आर्द्र परिस्थितियों का संकेत देता है, बारिश की कोई उम्मीद नहीं है। दोनों टीमों ने टूर्नामेंट के शुरुआती चरणों में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन पंजाब अपने समग्र संतुलन और बल्लेबाजी की गहराई के कारण थोड़ा आगे नज़र आता है।

पंजाब की मारक क्षमता का मुकाबला करने के लिए लखनऊ की गेंदबाजी इकाई को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टीमें: पंजाब किंग्स: निकोलस पूरन, मिशेल मार्श, ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मार्कराम, आयुष बदोनी, अब्दुल समद, शार्दुल ठाकुर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, दिग्वेश राठी, प्रिंस यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, श्रेयस अय्यर (कप्तान), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, सूर्यांश शेडगे, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को जानसेन, अर्शदीप सिंह। युजवेंद्र चहल, नेहल वढेरा (इम्पैक्ट प्लेयर)। लखनऊ सुपर जाइंट्स: हिम्मत सिंह, डेविड मिलर, एडेन मार्कराम, आयुष बडोनी, मिशेल मार्श, अब्दुल समद, अर्शिन कुलकर्णी, युवराज चौधरी, शाहबाज अहमद, आरएस हंगरगेकर, शार्दुल ठाकुर, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, निकोलस पूरन, आर्यन जुयाल, ऋषभ पंत (कप्तान), रवि बिश्नोई, मयंक यादव, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, शमर जोसेफ, अवेश खान, प्रिंस यादव, आकाश महाराज सिंह, दिग्वेश सिंह राठी।

आरसीबी बनी इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली आईपीएल टीम

नई दिल्ली, 31 मार्च। आईपीएल का 18वां सीजन अभी तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आरसीबी के लिए अच्छा साबित हुआ है। पिछले 17 सालों से खिताब के लिए तरस रही आरसीबी ने अभी तक खेले गए मुकाबलों में केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स को हराया है। जिसके बाद पॉइंट्स टेबल पर टीम सबसे टॉप पर है। वहीं आरसीबी ने जहां सीएसके को मुकाबले में हराया उसके कुछ दिन बाद ही आरसीबी ने एक और मामले में चेन्नई सुपर किंग्स को पछाड़ दिया है। दरअसल, आरसीबी ने सीएसके को इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के मामले में भी पछाड़ दिया है। इस आईपीएल फ्रेंचाइजी के अब 17.8 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं और वो अब नंबर 1 आईपीएल फ्रेंचाइजी बन गई है।

बता दें कि, इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के मामले में आरसीबी ने चेन्नई को पछाड़ दिया है। जहां आरसीबी के अब 17.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं वहीं चेन्नई के मिलियन फॉलोअर्स हैं। दोनों ही टीमें पहले और दूसरे नंबर पर काबिज हैं। आरसीबी की लोकप्रियता में बढ़ोतरी आईपीएल सीज़न के आठवें मैच में सीएसके पर उनकी ऐतिहासिक जीत से हुई। रजत पाटीदार की अगुवाई में आरसीबी ने चेपॉक में 50 रनों की बेहतरीन जीत हासिल की, जो 2008 में आईपीएल के पहले सीजन के बाद चेन्नई के इस मैदान पर उनकी पहली जीत थी। इस ऐतिहासिक जीत ने 17 साल के इंतजार को खत्म कर सीएसके को उसी के घर में हराया। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में कप्तान रजत पाटीदार ने आरसीबी की जीत में अहम भूमिका निभाई। जिस कारण टीम 7 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाने में कामयाब हुई।

केकेआर के खिलाफ अंकतालिका में अपनी स्थिति सुधारने उतरेगी मुंबई इंडियंस

नई दिल्ली, 31 मार्च। आज मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच आईपीएल 2025 का 12वां मुकाबला खेला जाएगा। ये मैच मुंबई के वानखेड़े में शाम 7.30 बजे से खेला जाना है। वहीं इस मुकाबले से मुंबई इंडियंस अपना पहला मैच जीतना चाहेगी। ने अभी तक दो मैच खेले हैं जिसमें उसे हार झेलनी पड़ी है। अंक तालिका में भी मुंबई सबसे फिसड्डी टीम है जो कि टेबल में सबसे नीचे है। वहीं दूसरी तरफ अजिंक्य रहाणे की अगुवाई में केकेआर अपनी दूसरी जीत हासिल करना चाहेगी। वहीं दोनों के हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें तो, मुंबई इंडियंस 23-11 से आगे चल रही है। लेकिन पिछले 6 मुकाबलों में कोलकाता ने मुंबई को 5 बार धूल चटाई है। ऐसे में आज मुंबई इंडियंस को संभलकर कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना करना पड़ेगा। वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल के आंकड़ों पर नजर डालें तो यहां सबसे बड़ा टीम स्कोर 235/1 है, जो आरसीबी ने एमआई के खिलाफ 2015 में बनाया था। सबसे कम टीम स्कोर 67/10 है, जो केकेआर ने एमआई के खिलाफ 2010 में बनाया था। वानखेड़े स्टेडियम की पिच हमेशा से ही बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। यहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आती है, जिससे बल्लेबाजों को स्ट्रोक लगाने में आसानी होती है। छोटी बाउंड्री होने के कारण छक्के और चौके लगाना भी आसान होता है। हालांकि, गेंदबाजों को भी निराश होने की जरूरत नहीं है। अगर वे सही लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करते हैं, तो उन्हें भी विकेट मिल सकते हैं। स्पिन गेंदबाजों को भी पिच से कुछ मदद मिल सकती है।

चोटिल उस्मान न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच से बाहर

हेमिल्टन, 31 मार्च। पाकिस्तान के बल्लेबाज उस्मान खान चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच से बाहर हो गये है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की ओर से जारी बयान के अनुसार सलामी बल्लेबाज उस्मान खान नेपियर के मैक्लीन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए चोटिल हो गये थे एमआरआई स्कैन में हल्की चोट की पुष्टि हुई है। जिसके कारण वह दो अप्रैल को हैमिल्टन के सेडन पार्क में होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। उस्मान पहले एकदिवसीय टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्हें टी-20 सीरीज के बाद पाकिस्तान की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया था। उन्होंने पहले एकदिवसीय पदार्पण मैच में 33 गेंदों पर 39 रन बनाये थे। हेमिल्टन में बुधवार को दूसरा एकदिवसीय मैच खेला जाएगा।

संगम यूनिवर्सिटी के छात्र राष्ट्रीय विजेता

भीलवाडा, 31 मार्च। संगम यूनिवर्सिटी के छात्रों ने ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा कोयंबटूर, तमिलनाडु में आयोजित राष्ट्रीय बिजनेस सिमुलेशन गेम्स प्रतियोगिता में विजेता और रनर-अप का खिताब जीतकर विश्वविद्यालय और राजस्थान का नाम रोशन किया।प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे एमआईटी-पुणे, डीबीएस-दिल्ली, आरआईटी-रुड़की, एएसबी-हैदराबाद, एसबीएस-अहमदाबाद, जेजीआई-बेंगलुरु, एलएनसीटी-भोपाल सहित 150 से अधिक महाविद्यालय-विश्वविद्यालयों की टीमों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया।राष्ट्रीय विजेता टीम में नवांश जागेटिया, प्रियांशु राठी, नीति व्यास रहे उपविजेता टीम में नंदिनी टिबरेवाल, कुमकुम शर्मा, आर्यन साहनी और दीपक यादव रहे टीम मैनेजर निकिता राठौड के साथ फाइनल में रुद्र सिंह और योगेश यादव ने भी शानदार प्रदर्शन किया।ऐतिहासिक जीत पर संगम ग्रुप के चेयरमैन श्री रामपाल सोनी ने छात्रों को शुभकामनायें दी संगम यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना ने छात्रों की इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए इसे असाधारण रणनीतिक और विश्लेषणात्मक क्षमताओं का प्रदर्शन बताया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय पिछले 2 सालों से लगातार छात्रों के प्रशिक्षण और मेहनत को दिया।गौरतलब है की प्रो. करुणेश सक्सेना के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के छात्रों ने विगत वर्षों में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में विजेता रही हैं छात्रों का प्रशिक्षण कौशल विकास एवं उद्यिमता के उपनिदेशक डॉ. मनोज कुमावत के निर्देशन में हुआ। उन्होंने बताया कि दो महीने से चली इस प्रतियोगिता में 11 क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं के माध्यम से 850 से अधिक टीमों ने भाग लिया, जिनमें से केवल 80 टीमें सेमीफाइनल तक पहुंचीं और फाइनल में 20 टीमों के बीच मुकाबला हुआ।

भारत ने एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में जीते 10 पदक

अम्मान, 31 मार्च। एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में भारतीय पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, तीन रजत और छह कांस्य पदक सहित कुल 10 पदक जीते।

जॉर्डन के अम्मान में चैंपियनशिप के अंतिम दिन रविवार को फ्री स्टाइल कुश्ती के पांच भार वर्गों में मुकाबलों में दो भारतीय पहलवान उदित (61 किग्रा) और दीपक पुनिया (92 किग्रा) फाइनल में पहुंचे। दो अन्य मुकुल दहिया (86 किग्रा) और दिनेश (125 किग्रा) ने कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा की।92 किग्रा के फाइनल मुकाबले में दो बार के एशियन चैंपियन ईरान के अमीर हुसैन फिरोजपुर के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर दीपक पूनिया 10-0 से हार गए। चैंपियनशिप में दीपक पूनिया का पांचवां पदक था। उन्होंने तीन रजत, दो कांस्य सहित कुल पदक जीते हैं। पूनिया के पिछले सभी पदक 86 किग्रा वर्ग में आए थे। फाइनल में पहुंचने से पहले दीपक पूनिया ने मुश्किल क्वार्टरफाइनल मुकाबले में किर्गिस्तान के बेकजात राखिमोव को 12-7 से हराया था। इसके बाद जापान के ताकाशी इशिगुरो को 8-1 के खिलाफ आसान जीत दर्ज की।वहीं एक अन्य मुकाबले में भारतीय पहलवान उदित को 61 किग्रा के फाइनल में जापानी पहलवान सुदा ताकारा से 6-4 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

उदित ने किर्गिस्तान के बेकबोलोट मिर्जानजर उलु को 9-6 और चीन के वानहाओ जोउ को 2-0 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई थी।भारतीय पहवालन दिनेश जो कि 125 किग्रा के सेमीफाइनल में मंगोलिया के मुंखतुर लखगवागेरेल से हार गए थे। उन्होंने अपने मौके का पूरा फायदा उठाया और तुर्कमेनिस्तान के जियामुहम्मत सपारोव को 14-12 के स्कोर से हराकर कांस्य पदक हासिल किया।

धोनी की लाइटनिंग स्टंपिंग से राणा आउट

रियान का एक हाथ से शानदार कैच

विजयशंक ने पकड़ा हकरंगा का डाइविंग कैच

गुवाहाटी, 31 मार्च । राजस्थान रॉयल्स ने -18 के 11वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 6 रन से हरा दिया। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट

स्टेडियम में के नीतीश राणा के 81 रन की बदौलत को 183 रन का टारगेट दिया। रविवार को वनिंदू हसरंगा ने 4 विकेट लिए, जिससे चेन्नई 6 विकेट खोकर 176 रन ही बना सकी। टीम से कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने फिफ्टी लगाई।

अचानक टीम छोड़कर संजू सैमसन बैंगलोर पहुंचे

नई दिल्ली, 31 मार्च। राजस्थान रॉयल्स के नियमित कप्तान संजू सैमसन अंगूठे में चोट के कारण पिछले तीन मैच से इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेल रहे हैं। वह इस दौरान न टीम की कप्तानी कर रहे हैं न ही विकेटकीपिंग। अब वह सोमवार को विकेटकीपिंग करने की अनुमति लेने के लिए बेंगलुरु में स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे हैं।

क्रिकबज की खबर के मुताबिक सैमसन का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्पोर्ट साइंस विंग में टेस्ट होगा, इसके बाद अगर उन्हें अनुमति मिलेगी तो वह कप्तान के तौर पर टीम में वापसी करेंगे। साथ ही विकेटकीपर की भूमिका भी निभाएंगे।

सैमसन की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी रियान पराग कर रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने तीन मुकाबले खेले हैं। जिसमें से टीम को सिर्फ एक मैच में जीत मिली है। राजस्थान अपने शुरुआती दो मैच सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स से हारी थी। इसके बाद रविवार को उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर इस सीजन में जीत का खाता खोला है।

सैमसन ने इस दौरान हैदराबाद के खिलाफ 66, केकेआर के खिलाफ 13 और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 20 रन बनाए थे। सैमसन की गैरमौजूदगी में ध्रुव जुरेल टीम के लिए विकेटकीपिंग की भूमिका निभा रहे थे। सैमसन को वहीं उम्मीद होगी कि उन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से विकेटकीपिंग करने के लिए अनुमति मिल जाए। राजस्थान अपना अगला मैच 5 अप्रैल को खेलेगी। जहां उनका सामना पंजाब किंग्स से होगा।

बिहार के राजगीर में होग पुरुष हॉकी एशिया कप

नई दिल्ली, 31 मार्च। बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में होने वाले पुरुष एशिया कप 2025 के लिए हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने सोमवार को एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये। राजगीर के हॉकी स्टेडियम में 29 अगस्त से सात सितंबर तक होने वाला यह टूर्नामेंट बेल्जियम और नीदरलैंड में 2026 में आयोजित होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिता हैइस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के 12वें संस्करण में भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन और मलेशिया सहित आठ टीमें हिस्सा लेंगी और शेष दो टीमें क्वालीफाइंग टूर्नामेंट एएचएफ कप के जरिए अपना स्थान सुरक्षित करने का प्रयास करेगी।इस टूर्नामेंट को लेकर हॉकी इंडिया ने आज बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के साथ एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये।

इस अवसर पर बिहार के खेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. बी राजेंद्र ने राजगीर की मेजबानी को लेकर कहा, हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर बिहार के प्रमुख खेल स्थल बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी करना हमारे राज्य के लिए गर्व का क्षण है और हम टूर्नामेंट के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी भारतीय हॉकी के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम है। स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरुप है, और मुझे विश्वास है कि यह खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए एक रोमांचक माहौल प्रदान करेगा।

जूनियर बालिका राष्ट्रीय हैंडबॉल में राजस्थान ने जीता कांस्य पदक

लखनऊ में सम्पन्न हुई चैम्पियनशिप

जयपुर, 31 मार्च। राजस्थान की बालिका हैंडबॉल खिलाडिय़ों ने लखनऊ में सम्पन्न 47वीं जूनियर बालिका राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रर्दशन करते हुये सयुंक्त रुप से तीसरे स्थान पर रहते हुये कांस्य पदक जीता। राजस्थान व महाराष्ट्र संयुक्त रुप से तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता की विजेता मेजबान उत्तर प्रदेश रही। जबकि दूसरे स्थान पर हिमाचल प्रदेश रही। यह प्रतियोगिता लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में 26 से 30 मार्च तक तक खेली गई थी। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव श्री यश प्रताप सिंह ने बताया कि राजस्थान ने अपने लीग मैचों में उड़ीसा को 25-05 व जम्मू कश्मीर को 21-05 से हराया प्री-क्वार्टर फाइनल में राजस्थान ने गुजरात को 21-17 (08-08) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जहां राजस्थान ने दिल्ली को 25-17 (14-07) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफ़ाइनल में हिमाचल प्रदेश ने राजस्थान को 20-16 (08-07) से हराया।

राजस्थान टीम के कोच राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की हैंडबॉल प्रशिक्षक प्रियदीप सिंह खंगारोत थे। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष हरीश धनदेव व मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने कहा कि यह प्रदेश के लिए गौरव का पल है। पूरे प्रदेश के हैंडबॉल खिलाड़ियों, पदाधिकारियों, खेल प्रेमियों आदि हर्ष की लहर है। टीम की जीत पर टीम के खिलाडिय़ों, प्रशिक्षकों व स्पोर्ट स्टॉफ के साथ-साथ राज्य हैंडबॉल संघ के पदाधिकारियों को इस उपलब्धि पर बधाई। उन्होंने टीम को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। जल्दी ही जयपुर में समारोह आयोजित कर इन्हें सम्मानित किया जायेगा।

राजस्थान टीम:- आरती (कप्तान), कशिश शर्मा, तनु शर्मा (जयपुर हैंडबॉल एकेडमी), नौरती मेवड़ा, टीना, पूजा जाट, ममता, मुस्कान, चेतना शर्मा, सीमा मीणा, माया (जयपुर), निकिता गोदारा (दुलमाना हैंडबॉल अकैडमी-हनुमानगढ़), राज कंवर (चूरू), ज्योति (श्रीगंगानगर), कृष्णा कलाल (बांसवाड़ा), कुसुम (करौली), जुवेरिया (टोंक), महिमा (सीकर)। कोच: प्रियदीप सिंह खंगारोत, मैनेजर: सुश्री पूजा।

लेफ्टिनेंट जनरल हिम्मत सिंह मेमोरियल गोल्फ टूर्नामेंट सम्पन्न

गिर्राज सिंह खड़का रहे टूर्नामेंट के प्रो-ग्रॉस विनर

जयपुर, 31 मार्च। रामबाग गोल्फ क्लब में दो दिवसीय लेफ्टिनेंट जनरल हिम्मत सिंह मेमोरियल गोल्फ टूर्नामेंट (मंथली मेडल - प्रथम) का पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हुआ। टूर्नामेंट में गिर्राज सिंह खड़का प्रो-ग्रॉस विनर और अभ्युदय रावत प्रो-ग्रॉस रनर-अप रहे। वहीं अमैच्योर ग्रॉस विनर का खिताब मोहित गोठवाल और अमैच्योर ग्रॉस रनर-अप का पुरस्कार अभय मालावत ने जीता। पुरस्कार समारोह में अलग-अलग श्रेणियों और हैंडीकेप्स में विजेता व उप विजेता दोनों को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल हिम्मत सिंह के पोते, विजय सिंह; पूर्व कैप्टन कमलाकर शर्मा; रामबाग गोल्फ क्लब के कैप्टन योगेंद्र सिंह; मानद सचिव, समृद्ध शर्मा और टूर्नामेंट संयोजक, डॉ. हिमांशु शर्मा सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। हैंडीकेप्स श्रेणियों में विजेता और उपविजेता इस प्रकार रहे- हैंडीकैप कैटेगरी (00-09) में अर्जुन कुच्छल विजेता और हृदान सरावगी

उपविजेता रहे। हैंडीकैप कैटेगरी (10-16) के विजेता रोहित स्वामी और उपविजेता आशुतोष वशिष्ठ थे और हैंडीकैप कैटेगरी (17-24) धृषवराज विजेता और विकास धमामी उपविजेता रहे। टूर्नामेंट में बेस्ट सीनियर गोल्फर श्रेणी में विजेता प्रदीप मेहरा और उप विजेता सुनील सिंह रहे। वहीं बेस्ट लेडी गोल्फर के विजेता का पुरस्कार नितिका जडेजा ने हासिल किया और उपविजेता वृंदा सैनी रहीं। इसी प्रकार, सीनियर लेडी गोल्फर श्रेणी में डॉ अंजलि जैन विजेता बनीं। इसी प्रकार अन्य श्रेणियों में विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं- नियरेस्ट टू पिन के विजेता संजय फोफालिया और सुनील सिंह; लॉन्गेस्ट ड्राइव के विजेता मनोविराज सिंह और मोहित गोठवाल और विमंस लॉन्गेस्ट ड्राइव- की विजेता इति चौधरी रहीं। इसी तरह स्ट्रेटेस्ट ड्राइव के लिए पुरस्कार कुणाल सिंह ने जीता।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में निवेश उत्सव कार्यक्रम को सम्बोधित किया और बताया कि 3 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्तावों पर काम शुरु हो गया है।

राजस्थान 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने ''निवेश उत्सव'' में कहा, राइज़िंग राजस्थान में हस्ताक्षरित 3 लाख रूपए के एमओयू की ग्राउन्ड ब्रेकिंग हुई

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि, राज्य में अलग-अलग सैक्टर्स की जरूरतों के हिसाब से डिज़ायन किए गए 18 नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किये जायेंगे।**
- **इस वर्ष 11 और 12 दिसम्बर को दो दिवसीय राइज़िंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन होगा।**

जयपुर, 31 मार्च। सोमवार को जयपुर के एक निजी होटल में आयोजित निवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस बार राजस्थान दिवस पर सात दिवसीय महोत्सव का आयोजन कर महिला, किसान, युवाओं के उत्थान और गरीब कल्याण की कई सौगातें दी गई हैं। इसी कड़ी में, आज हम यहां निवेश उत्सव मना रहे हैं, जो राज्य के आर्थिक विकास की दिशा में एक और मजबूत कदम साबित होगा।

शर्मा ने कहा कि आज का निवेश उत्सव एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन इम्पैक्ट 1.0 (इम्पैक्ट वन प्वाइंट ओ) पर केंद्रित है, जो राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत किए गए एमओयू को धरातल पर उतारने के हमारे प्रयासों को दर्शाता है। राज्य सरकार ने इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए त्रिस्तरीय रिव्यू मेकैनिज्म बनाया है। हर विभाग और जिले में डेडिकेटेड टीम बनाई, जो इन एमओयू की सक्रिय रूप से निगरानी कर रही है। इस सतत पर्यवेक्षण का ही परिणाम है कि राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू में से 3 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग हो रही है। कार्यक्रम में इस संबंध में एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने रीको औद्योगिक क्षेत्रों के लिए डायरेक्ट लैंड एलॉटमेंट पॉलिसी लॉन्च की, जिसमें उन सभी एमओयू धारकों को शामिल किया गया, जिन्होंने राइजिंग राजस्थान के तहत सरकार के साथ 15 मार्च तक एमओयू निष्पादित किए।

शर्मा ने कहा कि हम राजस्थान में 'विकसित राजस्थान 2047' का सपना देख रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि हम वर्ष 2030 तक राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर तक ले जाएं। उन्होंने कहा कि यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार, किसानों के लिए समृद्धि और हमारे उद्यिमयों के लिए अवसरों का एक नया युग साबित होगा।

शर्मा ने कहा कि सरकार 18 नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने जा रही है। इन नए औद्योगिक क्षेत्रों को अलग-अलग सेक्टर्स की जरूरतों के हिसाब से डिजाइन किया गया है, ताकि हमारा प्रदेश मैन्यूफैक्चरिंग का पावरहाउस बन सके। इस अवसर पर उन्होंने राजस्थान फाउंडेशन के गुवाहाटी, भुवनेश्वर, रांची, पुणे, दिल्ली, दुबई, म्यूनिख, रियाद, टोक्यो, सिंगापुर, मेलबर्न, नैरोबी, कम्पाला और दोहा में 14 नए चैप्टर्स खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए हमारी सरकार इस साल 11 और 12 दिसंबर को दो दिवसीय राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन भी करेगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन इन्वेस्टर इंटरफेस का मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया, जिससे संबंधित निवेशक मोबाइल पर ही अपने-अपने प्रस्तावों के क्रियान्वयन की प्रगति को ट्रैक कर सकेंगे।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि हम राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर निर्णय ले रहे हैं, जिससे वर्ष 2047 तक के विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा किया जा सके। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने में राजस्थान अग्रणी राज्य है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव 2025 लोगो का बटन दबाकर अनावरण किया तथा कॉन्क्लेव की आधिकारिक घोषणा की। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड के चैयरमेन आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश शर्मा, प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन राजेश यादव, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, प्रमुख शासन सचिव खेल एवं युवा मामले भवानी सिंह देथा, रीको की प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में निवेशक उपस्थित रहे।

राजशाही समर्थक आंदोलन ने जोर पकड़ा

काठमांडू/रक्सौल, 31 मार्च। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं का समाधान 'राजा की शरण' में मिल जाने की उम्मीद में, 'लोकतंत्र' को समाप्त कर 'राजतंत्र' की वापसी के लिए संघर्ष शुरू करने वाले दुनिया के पहले देश नेपाल में यह आंदोलन अब पहाड़ से उतरकर मैदान की ओर फैलने लगा है।

भारत के सीमवर्ती राष्ट्र नेपाल में ''राजतंत्र'' की वापसी का आंदोलन बहुत कम समय में ही देशव्यापी विस्तार पाने लगा है। बेरोजगारी और महंगाई से उत्पन्न नाराजगी युवा कंधों पर सवार होकर पहाड़ी क्षेत्रों से उतरकर मैदानों इलाकों में फैलने लगी है। इसके ठीक विपरीत, ''लोकतंत्र'' की स्थापना का आंदोलन मैदानी क्षेत्रों से निकलकर पहाड़ों इलाकों की ओर गया था।

देश की राजधानी काठमांडू से चला आंदोलन हेठौरा और नरायणघाट की सर्पाकार पहाड़ी सड़कों से गुजरकर भारत के सीमावर्ती बीरगंज, विराटनगर, नेपालगंज और जनकपुर के मैदानी क्षेत्रों तक पहुंच गया है।

उदयपुर में पूर्व केन्द्रीय मंत्री गिरिजा व्यास झुलसीं, अहमदाबाद रैफर किया

गणगौर की पूजा के दौरान चुन्नी ने आग पकड़ ली थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर/उदयपुर, 31 मार्च। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री गिरिजा व्यास (79) आरती करते हुए झुलस गईं। गणगौर पूजा के दौरान दीपक से उनकी चुन्नी में आग लग गई। गिरिजा व्यास को उदयपुर के निजी अस्पताल में ले जाया गया था, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उनको अहमदाबाद रैफर कर दिया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गिरिजा व्यास के भाई और भतीजे से अहमदाबाद फोन पर बातचीत कर स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुख्यमंत्री शर्मा ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और स्वास्थ्य मंत्री रूशिकेश पटेल से बात करके गिरिजा व्यास के बेहतर इलाज के लिए भी चर्चा की।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल से बात करके गिरिजा व्यास के बेहतर इलाज का आग्रह किया।**

व्यास के भाई गोपाल शर्मा ने बताया कि मैं फार्म हाउस पर गया हुआ था। इस दौरान आग लगने की सूचना मिली। घर पहुंचे तो पता चला कि वे गणगौर का पूजन कर रही थीं। इसी दौरान उनकी चुन्नी में आग गई। नीचे जल रहे दीपक के कारण उनकी चुन्नी ने आग पकड़ ली थी। घर में ही काम करने वाले एक व्यक्ति ने उनको संभाला। उनको उदयपुर में निजी हॉस्पिटल में ले जाया गया, जहां से उन्हें अहमदाबाद रैफर कर दिया गया।

बहू हितांशी शर्मा ने बताया कि गणगौर की पूजा करने के बाद सभी लोग अपने-अपने कामों में लग गए थे। इसी दौरान नीचे जल रहे दीपक से चुन्नी ने आग पकड़ ली। इसके बाद तुरंत मैं और मेरे पति और घर में काम करने वाला बसंत उन्हें अस्पताल लेकर गए।

अप्रैल-जून में देश के 15 राज्य गर्मी से झुलसेंगे

भारतीय मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया

- **मौसम विभाग ने पूर्वी यूपी में 10 दिन में लू चलने की चेतावनी दी**
- **मौसम विभाग ने बताया कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब सहित कई राज्यों में तेज गर्मी पड़ने की संभावना है।**

नयी दिल्ली, 31 मार्च। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अप्रैल से जून के बीच सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने की चेतावनी जारी की है। इस साल फरवरी के अंत में ही कोंकण, तटीय कर्नाटक में गर्म हवाएं चलने लगी थीं। मार्च में ओडिशा समेत कई राज्यों से तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाने की खबरें आईं। अब मौसम विभाग ने कहा है कि मध्य और पूर्वी भारत के अलावा उत्तर पश्चिमी मैदानी इलाकों में भी लू का जबरदस्त कहर रहने की आशंका है।आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में बदलते मौसम के प्रति सतर्क रहने को कहा। मौसम विभाग के मुताबिक देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। अधिकांश क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की आसार हैं। उन्होंने कहा, देश के मध्य, पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी राज्यों में लू (गर्म हवाएं) वाले दिनों की संख्या पिछली बार से अधिक रहेगी। कुछ राज्यों में लू वाले दिन दोगुना होने की आशंका है।

महापात्र ने कहा, जिन राज्यों में सामान्य से अधिक गर्म हवाएं चलने की संभावना है, उनमें उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ , तेलंगाना, आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक और तमिलनाडु के उत्तरी भाग शामिल हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा सहित कुछ राज्यों में इस अवधि के दौरान 10 से 11 दिन लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग के प्रमुख ने कहा, अप्रैल में भारत के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

रविवार व अन्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायाधिकरण ने 14 नवंबर, 2014 को यह कहते हुए तकनीकी आधार पर उसका दावा खारिज कर दिया कि उसने एक कैलेंडर वर्ष में 240 दिन काम करना साबित नहीं किया है। जिंदल ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने कहा कि न्यायाधिकरण ने सेवा अवधि की गणना करते समय रविवार और अन्य सवैतनिक अवकाशों को शामिल नहीं किया, जबकि नियमानुसार सेवा अवधि के बीच यदि कोई सवैतनिक अवकाश आता है तो उसे भी सेवा अवधि में ही शामिल किया जाएगा।

इन अवकाशों को शामिल करने पर याचिकाकर्ता की सेवा अवधि 246 दिन की होती है। न्यायाधिकरण ने आदेश देते समय इसका ध्यान नहीं रखा है। औद्योगिक विवाद अधिनियम में भी इस संबंध में व्यवस्था दी गई है। हाईकोर्ट ने इसमें सुप्रीम कोर्ट के फैसले की भी नजीर दी। सुप्रीम कोर्ट ने अमेरिकन एक्सप्रेस इंटरनेशनल बैंकिंग कॉरपोरेशन के कर्मचारियों के मामले में भी यह व्यवस्था थी कि रविवार और अन्य सवैतनिक अवकाशों को भी सेवा अवधि में शामिल माना जाएगा।

ऑक्सफोर्ड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कितना लचर था। इस पर उन्हें कोई खेद नहीं था।

इंगलैंड में उन्होंने बेतुका भाषण दिया, उन्होंने कहा, ''मेरे दो पैर हैं, दो हाथ हैं.....'' और इसी तरह अपने अंगों का जिक्र किया, जिससे लोग उलझन में पड़ गए कि वह किस बारे में बात कर रही थीं। उन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में ब्रिटेन के महान योगदान की भी तारीफ की।

एक भारतीय उच्च पदाधिकारी के रूप में, ममता बनर्जी का इंग्लैंड में दिया गया भाषण शर्मनाक था। हालांकि, ममता को विदेश में अपने देश की निंदा करने और उपनिवेशवाद की तारीफ करने का कोई एहसास तक नहीं था।

उन्होंने तो यही जताया, पूरी बैठक के दौरान, भारतीय प्रवासी, विशेष रूप से बंगाली लोग जो वहाँ बसे हुए थे, राज्य के अस्पताल में एक जूनियर डॉक्टर की ''हत्या'' के लिए उनके खिलाफ नारे लगा रहे थे।

ममता बनर्जी का ऑक्सफोर्ड व्याख्यान इंग्लैंड में बंगाल की गंदगी को सार्वजनिक रूप से उजागर करने का एक अयोग्य अवसर बन गया था। यह एक बहुत ही अप्रिय घटना थी।

'बिहार में अमित शाह सरकार चला रहे हैं'

प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि नीतीश तो सिर्फ मुखौटा हैं

- **जनसुराज पार्टी के चीफ प्रशांत किशोर ने किशनगंज में अंजुमन इस्लामिया ईद मिलन कार्यक्रम में शिरकत की।**

किशनगंज, 31 मार्च। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सिर्फ मुखौटा हैं, सरकार केन्द्रीय मंत्री अमित शाह और उनके अधिकारी चला रहे हैं।

किशोर किशनगंज में अंजुमन इस्लामिया ईद मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। ईद मिलन कार्यक्रम के बाद किशोर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पिछले कुछ सालों में नीतीश सरकार का इकबाल खत्म हो गया है। कुमार खुद सरकार चलाने की स्थिति में नहीं हैं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन्हें 13 करोड़ लोगों के ऊपर बैठा रखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुमार सिर्फ मुखौटा हैं, जबकि दिल्ली में बैठी सरकार और उनके अधीन कुछ अधिकारी सरकार चला रहे हैं।

किशोर ने कहा कि हम वक्फ कानून के खिलाफ हैं। यदि मुस्लिम समुदाय को विश्वास में लिए बिना वक्फ कानून पारित किया जाता है तो यह पूरी तरह से गलत होगा। उन्होंने कहा कि यदि वक्फ कानून पारित होता है तो इसके लिए भाजपा से ज्यादा कुमार और उनकी पार्टी जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के सांसद जिम्मेदार होंगे। ऐसा इसलिए, क्योंकि यदि जदयू के सांसद वक्फ के खिलाफ वोट करते हैं तो यह कानून नहीं बन सकता। और यदि वे वक्फ के खिलाफ वोट नहीं करते हैं तो खुद को गांधी और लोहिया का अनुयायी कहना गलत होगा।

पूजा स्थल अधिनियम पर सुनवाई आज

- **सुप्रीम कोर्ट ने विधेयक की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका विचार के लिए स्वीकार कर ली थी।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि अगले आदेश तक इस कानून के तहत न तो कोई केस दर्ज होगा न ही कोई कार्यवाही होगी।**

नयी दिल्ली, 31 मार्च। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार (1 अप्रैल) को प्लेसेज़ ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 की धारा की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने वाला है। यह अधिनियम 15 अगस्त 1947 को मौजूद किसी भी धार्मिक स्थल के स्वरूप को बनाए रखने को अनिवार्य बनाता है।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच के सामने यह मामला एक अप्रैल के लिए लिस्ट किया गया है। याचिका में मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट न्यायालयों को यह आदेश दे कि वे किसी भी पूजा स्थल के मूल धार्मिक स्वरूप का निर्धारण करने के लिए उचित निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हों।

इसमें अधिनियम की धारा 4(2) को चुनौती दी गई है, जो किसी पूजा स्थल के धार्मिक स्वरूप में बदलाव करने संबंधी कार्यवाहियों पर रोक लगाती है और नए मामलों को दर्ज करने पर भी पाबंदी लगाती है। याचिकाकर्ता नितिन उपाध्याय ने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि केंद्र सरकार ने इस कानून के माध्यम से न्यायिक उपचार को अवरुद्ध कर अपने विधायी अधिकारों का अतिक्रमण किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने बेहद अहम आदेश में 12 दिसंबर 2024 को देश की सभी अदालतों को निर्देश दिया था कि वह 1991 के उपासना स्थल (स्पेशल प्रावधान) एक्ट के तहत उपासना स्थल से जुड़े मामले में किसी भी तरह के अंतरिम या फाइनल आदेश पारित न करें।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल

ट्रेन हरियाणा, जींद से सोनीपत रुट पर चलाई जाएगी

- **110 किलोमीटर की रफ्तार से चलने में सक्षम यह ट्रेन इकोफ्रैंडली होती है।**

नयी दिल्ली 31 मार्च। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल शुरू हो चुका है। ये ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत रूट पर दौड़ेगी। हाइड्रोजन ट्रेन दूसरी ट्रेनों से काफी अलग है। सबसे खास बात है कि ये पर्यावरण के अनुकूल ट्रेन है। चेन्नई की इंटीटाल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) में इसे तैयार किया गया है। 89 किलोमीटर के इस रूट पर ट्रेन का ट्रायल शुरू हुआ। यह ट्रेन 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने में सक्षम है। 1200 हॉर्सपावर की क्षमता वाली यह ट्रेन एक बार में 2638 यात्रियों को ले जा सकेगी।

रेल मंत्रालय ने हाइड्रोजन ईंधन सेल-आधारित ट्रेनों के निर्माण के लिए 2800 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, जिसके तहत 35 ऐसी ट्रेनें तैयार की जा रही हैं। 8 कोच वाली यह ट्रेन 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेनों में शामिल होगी। हरित प्रौद्योगिकी पर आधारित यह पहल कार्बन उत्सर्जन को कम करने और शून्य कार्बन लक्ष्य की ओर बढ़ ने में अहम भूमिका निभाएगी। ट्रायल के दौरान, ट्रेन की तकनीकी क्षमता और सुरक्षा मानकों का मूल्यांकन किया जाएगा। सफल परीक्षण के बाद इसे नियमित संचालन में लाने की योजना है। चेन्नई की इंटीटाल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) द्वारा निर्मित यह ट्रेन स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में भारतीय रेलवे का महत्वपूर्ण कदम है।

'मोदी का उत्तराधिकारी ढूंढने की कोई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेवानिवृत्त किये जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया था।

इस अटकल को खारिज करते हुये कि मोदी का उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होना संभावित है, फड़नवीस ने कहा: ''हमारी संस्कृति में, जब तक पिता जीवित हों, तब तक उत्तराधिकारी की चर्चा अनुचित मानी जाती है। इस बिन्दु पर चर्चा करने का समय अभी नहीं आया है।''

इस बीच, वरिष्ठ आरएसएस नेता सुरेश ''भैयाजी'' जोशी, जो रविवार को नागपुर में ही थे, ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री के हटने की चर्चा की जानकारी नहीं है।

राउत ने अपने बयान में कहा कि यह तो स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री को 75 वर्ष की उम्र पर सेवानिवृत्त होने के लिए बाध्य कर दिया जायेगा तथा इस श्रेणी के अन्य नेताओं को भी सेवानिवृत्त होने के संकेत दिये जायेंगे। मोदी इस वर्ष सितम्बर में 75 वर्ष के हो रहे हैं।

राउत ने आगे कहा कि मोदी पिछले 11 वर्षों में कभी भी आरएसएस मुख्यालय नहीं गये, लेकिन वे रविवार को संघ को यह सूचित करने ही गये कि वे अब पद छोड़ रहे हैं। 2014 के बाद मोदी की आरएसएस मुख्यालय की इस पहली यात्रा को इस रूप में देखा जा रहा है कि गत वर्ष के ''उदासीन रिश्तों'' के बाद, अब अपने सैद्धांतिक अभिभावक (आरएसएस) के प्रति भाजपा का रुख बदल गया है, उसमें उष्णता आ गई है।

पार्टी ने कहा है कि ऐसा कोई नियम नहीं है, तथा केन्द्रीय मंत्रिमंडल में कम से कम एक सदस्य, जीतन राम माँझी, तो इस उम्र-सीमा को पार कर चुके हैं। अस्सी वर्षीय माँझी इस समय माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एन्टरप्राइजेज मिनिस्टर हैं। मोदी सहित, अन्य कुछ मंत्री एक या दो साल के अंदर ही 75 वर्ष के हो जायेंगे।

तथापि, मोदी के भविष्य को लेकर चर्चा, मूल रूप से तो दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले साल के चुनावों के दौरान ही उस समय शुरु कर दी थी, जब उन्होंने जोर देते हुये कहा था कि गृह मंत्री अमित शाह प्रधानमंत्री बनने के लिये तैयार किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की नागपुर-स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक मुख्यालय की यात्रा ने उस चर्चा को बड़ा रूप दे दिया है।

आरएसएस को सत्तारूढ़ भाजपा का वैचारिक मार्गदर्शक माना जाता है।

महाराष्ट्र के विपक्षी दल, शिव सेना (यूबीटी) ने मोदी की आरएसएस मुख्यालय की इस यात्रा को हाथों-हाथ ले लिया और संजय राउत ने बयान दे दिया कि आरएसएस ने मोदी को बुलाया था, ताकि उनके उत्तराधिकारी के प्रश्न पर उनसे चर्चा हो सके।

इस बात पर जोर देते हुये कि मोदी का उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होगा, राउत ने कहा, ''वे (मोदी जी) आरएसएस मुख्यालय में संभवत: इसलिए गये थे कि वे सितम्बर में होने वाली अपनी सेवानिवृत्ति का प्रार्थना पत्र लिख सकें।

राउत ने घोषणा की, ''मोदी का उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होगा तथा इस पर निर्णय आरएसएस लेगी''

''मैं ऐसा समझता हूँ कि संघ परिवार देश के नेतृत्व में परिवर्तन चाहता है। पीएम मोदी का समय पूरा हो गया। वे (आरएसएस) परिवर्तन चाहते हैं तथा अगला भाजपा प्रमुख चुनना चाहते हैं।''

राउत के बयान पर त्वरित एवं निश्चयात्मक प्रतिक्रिया दी गई।

जेईई मेन्स परीक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि 29 मार्च की रात 11 बजे उससे आखिरी बार बातचीत हुई थी। बेटे ने लखनऊ के लिए बस में रिज़र्वेशन भी करा लिया था।

पिता ने भरोसा दिलाया था कि वह उसका सारा सामान पैकर्स एंड मूवर्स के जरिए ले आएंगे, लेकिन इसके बीच ही यह हादसा हो गया। पिता ने बताया कि उज्ज्वल पढ़ाई में ब्रिलिएंट तो नहीं था, लेकिन एवरेज से काफी अच्छा था। कोटा में वह 2 साल से काफी अच्छे से रह रहा था, इसलिए सुसाइड करने की आशंका नहीं थी।

उज्ज्वल के लिए दीपक मिश्रा ने कहा, हमने देखा है, बच्चों में स्ट्रैस है, वे अपनी बात ठीक से नहीं बता पाते हैं। मैंने जब उसे बताया कि मैं उसे लेने आ रहा हूँ तो शायद उसको यह करना ही आसान लगा।

म्यांमार में अब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गये हैं। म्यांमार ने देश में आये 7.9 की तीव्रता वाले भूकंप की आपदा के सोमवार को एक सप्ताह के शोक की घोषणा की।

राज्य प्रशासन परिषद के अध्यक्ष वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने आज यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि भूकंप से हुई क्षति और जानमाल के नुकसान के प्रति सहानुभूति जताते हुए 31 मार्च से 6 अप्रैल तक की अवधि को राष्ट्रीय शोक दिवस घोषित किया गया है। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

क्या केरल में विधानसभा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विरोध किया है। इसके साथ ही, उन्होंने पिछले महीने वामपंथ-शासित केरल की आर्थिक नीतियों की प्रशंसा की थी। थरुर को यह कहते हुये उद्धृत किया गया है, ''मैंने किसी न किसी बिन्दु पर सबकी आलोचना की है। मेरे अपने विचार हैं, तथा कभी-कभी मेरे विचार मेरी पार्टी को पसंद नहीं आते। मैं ऐसी स्थिति का सामना लम्बे समय से कर रहा हूँ।''

पिछली बार, लोकसभा के लिये लगातार चौथी बार जीतने के बाद, थरुर ने घोषणा की थी कि यह उनका अंतिम चुनाव है। वे एक बड़ी भूमिका की तलाश में हैं। उनकी महत्वाकांक्षा केरल विधानसभा प्रचार अभियान चलाने की है। लेकिन कांग्रेस नेतृत्व नहीं चाहता कि वह राज्य इकाई के अन्य नेताओं की नाराजगी की कीमत पर, थरुर को आगे लाये। फिलहाल, पार्टी नेतृत्व संतुलित स्थिति बनाये रखने की कोशिश कर रहा है। लेकिन आगामी दिनों में, कुछ टूटने की संभावना है।

तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिल्ली में समायोजित किया जाए या केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में स्थान दिया जाए, ताकि राज्य में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन का रास्ता साफ हो सके।

तथापि, अभी तक न तो ए.आई.ए.डी.एम.के. और न ही भाजपा ने गठबंधन के बारे में कोई आधिकारिक बयान दिया है, लेकिन दोनों पार्टियों से संकेत मिल रहे हैं कि डी.एम.के. विरोधी वोटों में विभाजन न हो, यह एक राजनीतिक आवश्यकता है। यही कारण है कि अन्नामलाई के वक्तव्यों से यह समझा जा रहा है कि पार्टी की राज्य इकाई में होने वाले परिवर्तन उन्हें स्वीकार हैं। वे कई बार कह चुके हैं कि केन्द्रीय नेतृत्व उन्हें जो भी भूमिका देगा, उसे वे स्वीकार करेंगे।

दिलचस्प बात यह भी है कि भाजपा के कुछ नेताओं के अन्नामलाई के साथ मतभेद हैं और पार्टी के कुछ वर्गों में उनकी विदाई का स्वागत किया जाएगा। हालांकि, इस समय ये सब अटकलें ही हैं।

ए.आई.ए.डी.एम.के. का रुख स्पष्ट है कि यदि गठबंधन की कोई बातचीत होगी तो वह चुनावों के करीब होगी।

दूसरी ओर मुख्यमंत्री स्टालिन ने 2026 के चुनावों के लिए जिस तरह से एक मजबूत रणनीति बनाई है, उसे देखते हुए, ए.आई.ए.डी.एम.के. के लिए इस समय भाजपा के साथ गठबंधन करना राजनीतिक रुप से आत्मघाती हो सकता है। खासकर जबकि स्टालिन ने, भाषा एवं डीलिमिटेशन जैसे दो महत्वपूर्ण एवं भावनात्मक मुद्दों पर भाजपा को तमिल भाषा एवं तमिलनाडु विरोधी विलेन के रुप में प्रोजेक्ट किया है। इन दोनों मुद्दों पर ए.आई.ए.डी.एम.के. को भी डी.एम.के. की तरफ खड़े होने के लिए बाध्य होना पड़ा था।

अब, स्टालिन के नेतृत्व में राज्य में हुए विकास को प्रभावशाली अभियान का रुप दिया जा रहा है। एक स्थानीय समाचार पत्र ने राज्य के औद्योगिक विकास पर 64 पृष्ठों का विशेष अंक प्रकाशित किया है, जिसमें तमिलनाडु की आर्थिक सफलता के आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं।

स्टालिन ने अपना आक्रामक एजेण्डा शुरु करके अपने प्रतिद्वंदियों को प्रतिक्रिया देने पर मजबूर कर दिया है, जिससे ए.आई.ए.डी.एम.के. रक्षात्मक स्थिति में आ गई है। उसकी स्थिति जटिल हो गई है, क्योंकि वह इस भय से डी.एम.के. द्वारा उठाए गए मुद्दों का विरोध नहीं कर सकती कि कहीं उसे तमिल विरोधी न समझ लिया जाए। इसके अलावा, अन्नाद्रमुक ''दो भाषा नीति'' के विरुद्ध भी कोई रुख नहीं अपना सकती, जिसे उसने स्वयं ही उस समय लागू किया था, जब वह सत्ता में थी।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908